पान मसाला पर उपकर वाले विधेयक को लोकसभा ने दी मंजूरी - 12

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा-जीडीपी में सहकारिता की हिस्सेदारी करेंगे तीन गुना- 12

गांधी की समाधि पर नतमस्तक हुए पुतिन अहिंसा और सच्चाई के लिए किया याद - 13

एशेज सीरीज के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने बनाई 44 रनों की बढ़त - 14

आज का मौसम

20.0° अधिकतम तापमान

12.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.52

सूर्यास्त 05.14

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष द्वितीया 09:25 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

शनिवार, 6 दिसंबर 2025, वर्ष 5, अंक 286, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

मुर्शिदाबाद में मस्जिद के शिलान्यास में कोई हस्तक्षेप नहीं: हाईकोर्ट

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर, तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा प्रस्तावित एक मस्जिद के निर्माण में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। अदालत की यह टिप्पणी छह दिसंबर को प्रस्तावित ' 'बाबरी मस्जिद'' के लिए निर्धारित शिलान्यास समारोह से पहले आई है, जो मूल ढांचे के विध्वंस की बरसी भी है। केंद्र ने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 19 कंपनियां इस साल अप्रैल में मुर्शिदाबाद जिले में हुए सांप्रदायिक दंगों के बाद क्षेत्र में तैनात की गई थीं। वह अभी भी तैनात हैं और हिंसा की स्थिति में तैयार रहेंगी।

काले हिरण के शिकार में तीन लोग गिरफ्तार

रायसेन। मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में शुक्रवार को काले हिरण का शिकार करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई एक मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर की गई। आरोपियों के पास से मृत हिरण, खाल, एक राइफल, कारतूस, दो कार सहित अन्य औजार बरामद किए गए हैं। वन विभाग के रेंजर मनीष सिंह ठाकुर ने बताया कि सागर जिले की सीमा से लगे बेगमगंज–राहतगढ़ के पास ग्राम बेरखेड़ी बीट में बृहस्पतिवार रात काले हिरण के शिकार की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि इसके बाद शुक्रवार सुबह करीब चार बजे घेराबंदी कर आरोपियों की दो कारों को रोककर तलाशी ली गई।

पांच करोड़ के सोने के बिस्कुट किए जब्त

कृष्णनगर। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में बीएसएफ ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास 5.47 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के सोने के 36 बिस्कुट जब्त किए और भारतीय तस्कर को पकड़ा। बीएसएफ के एक बयान में कहा गया है कि बानपुर सीमा चौकी पर दक्षिण बंगाल फ्रंटियर की 32वीं बटालियन के जवानों ने गुरुवार को विशिष्ट खुफिया जानकारी मिलने के बाद यह अभियान चलाया तथा संदिग्ध तस्करी मार्गों पर पैनी नजर रखी। अभियान के दौरान जवानों ने एक व्यक्ति को सीमावर्ती सड़क से बानपुर गांव की ओर संदिग्ध रूप से जाते देखा। बुलाने पर उसने भागने की कोशिश की, लेकिन उसे पकड़ लिया गया।

100वें जन्मदिन पर दान में दिए 3.4 करोड़

भुवनेश्वर। ओडिशा की एक स्त्री रोग विशेषज्ञ ने शुक्रवार को अपने 100वें जन्मदिन पर भुवनेश्वर एम्स के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग को 3.4 करोड़ रुपये दान कर दिए। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि मशहूर प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ प्रो. के लक्ष्मी बाई ने एम्स को विश्वास और भलाई का एक असाधारण तोहफा दिया है। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि 1945 में अपनी डिग्री हासिल करने और 1986 में बरहामपुर के एमकेसीजी चिकित्सा महाविद्यालय से सेवानिवृत्त होने तक देश की निस्वार्थ सेवा करने वाली प्रो. बाई का यह योगदान अविश्वसनीय है।

बिना दबाव भारत को जारी रहेगी तेल आपूर्ति : पुतिन

मोदी बोले- भारत-रूस की दोस्ती ध्रुव तारे की तरह अटल, दोनों देशों ने पंचवर्षीय आर्थिक मसौदे पर जताई सहमति

- हेल्थ, फूड सेफ्टी और शिपबिल्डिंग समेत कई समझौतों पर मुहर
- 2030 से पहले 100 अरब डॉलर का आपसी व्यापार का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में भारत–रूस के 23वें शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

भारत और रूस ने अमेरिका द्वारा दंडात्मक शुल्क और प्रतिबंध लगाने से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए शुक्रवार को आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए एक पंचवर्षीय योजना पर सहमति जताई। इस दौरान पुतिन ने कहा कि रूस भारत को बिना रोक-टोक के तेल आपूर्ति जारी रखेगा। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा कि यूक्रेन में जारी युद्ध को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त किया जाना चाहिए।

दुनिया भर की नजर मोदी और पुतिन के बीच होने वाली बातचीत पर रही जिसमें दोनों नेताओं ने आठ दशक से अधिक पुरानी भारत-रूस मित्रता को नई गति प्रदान करने की अपनी दृढ़ इच्छा प्रदर्शित की। मोदी ने कहा कि भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद यह मित्रता ध्रुव तारे की तरह अडिग बनी हुई है। दोनों देशों ने 2030 के आर्थिक कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के अलावा, स्वास्थ्य, गतिशीलता, खाद्य सुरक्षा और लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी ने द्विपक्षीय शिखर वार्ता के बाद कहा, गत आठ दशकों में दुनिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। मानवता को अनेक चुनौतियों और संकटों से गुजरना पड़ा है। लेकिन आपसी सम्मान और गहरे विश्वास पर आधारित यह संबंध हमेशा समय की कसौटी पर खरा उतरा है। आज हमने इस नींव को और मजबूत करने के लिए सहयोग के सभी पहलुओं पर चर्चा की। आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाना हमारी साझा प्राथमिकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दोनों देश 2030 तक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम पर सहमत हुए हैं और इससे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश विविध, संतुलित और टिकाऊ बनेंगे। उन्होंने कहा, हम आईएनएसटीसी , उत्तरी समुद्री मार्ग और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक गलियारे पर नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेंगे। मुझे खुशी है कि अब हम ध्रुवीय जल में भारतीय नाविकों को प्रशिक्षित करने के लिए सहयोग करेंगे। मोदी कहा, इससे न केवल आर्कटिक में हमारा सहयोग मजबूत होगा, बल्कि भारत के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। अंतर्राष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) भारत, ईरान, अफगानिस्तान, अर्मीनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के बीच माल ढुलाई के लिए 7,200 किलोमीटर लंबी 'मल्टी-मोड' परिवहन परियोजना है। मोदी ने कहा कि पोत निर्माण के क्षेत्र में दोनों पक्षों के बीच गहन सहयोग से 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को मजबूती मिलने की संभावना है।

मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर तथा फ्लोटिंग परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण को लेकर दोनों देश उत्सुक

पुतिन ने संकेत दिया कि रूस भारतीय उत्पादों के लिए अपने बाजार को और सुलभ बनाएगा तथा दोनों पक्ष छोटे एवं मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर तथा फ्लोटिंग परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण में सहयोग के लिए उत्सुक हैं। रूस परमाणु प्रौद्योगिकियों के गैर-ऊर्जा अनुप्रयोग में भी भारत को सहायता दे सकता है, उदाहरण के लिए चिकित्सा और कृषि में। मोदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि ऊर्जा सुरक्षा भारत-रूस साझेदारी का एक मजबूत और महत्वपूर्ण स्तंभ रही है और असैन्य परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा, हम इस परस्पर लाभकारी सहयोग को जारी रखेंगे।

रूसी पर्यटकों को 30 दिन का फ्री वीजा देगा भारत

मोदी ने इस अवसर पर घोषणा की कि भारत शीघ्र ही रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन का नि:शुल्क ई-पर्यटक वीजा तथा 30 दिन का समूह पर्यटक वीजा शुरू करेगा। पुतिन ने अपने वक्तव्य में कहा कि दोनों पक्ष वार्षिक व्यापार को वर्तमान 64 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब अमेरिकी डॉलर करने पर विचार कर रहे हैं और रूस भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तेल, गैस, कोयला और अन्य सभी आवश्यक वस्तुओं का विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता है। उन्होंने कहा, रूस तेजी से बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की निर्बाध आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है।

यूक्रेन संकट पर भारत तटस्थ नहीं, शांति का पक्षधर

दोनों शासनाध्यक्षों की बातचीत के दौरान यूक्रेन युद्ध का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में कहा कि भारत ने उस देश में शांति की वकालत की है। उन्होंने कहा, हम इस मुद्दे के शांतिपूर्ण और स्थायी समाधान के लिए सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं। भारत हमेशा योगदान देने के लिए तैयार रहा है और आगे भी ऐसा करता रहेगा।

आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटने पर चर्चा

वार्ता में आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटने के तरीकों पर भी चर्चा हुई। मोदी ने आतंकवाद के खतरे पर कहा कि भारत और रूस लंबे समय से इस खतरे के खिलाफ लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। चाहे पहलगाम में हमला हो या क्रोकस सिटी हॉल पर कायरतापूर्ण हमला इन सभी घटनाओं की जड़ एक ही है। भारत का यह दृढ़ विश्वास है कि आतंकवाद मानवता के मूल्यों पर सीधा हमला है और इसके खिलाफ एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

रेपो दर में 0.25 % की कटौती घर-गाड़ी खरीदना होगा सस्ता

मुंबई, एजेंसी

- आरबीआई गर्वनर संजय मल्होत्रा ने दी जानकारी, फरवरी 2025 से यह चौथी कटौती
- चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को 6.8 से बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत किया

ऐसे हुई कटौती

- फरवरी : 0.25 %
- अप्रैल : 0.25 %
- जून : 0.50%
- दिसंबर : 0.25

महंगाई का अनुमान घटाया

आरबीआई ने महंगाई दर के अनुमान को 2.6 से घटाकर 2% कर दिया है। गवर्नर ने कहा, मुद्रास्फीति 2.2% के संतोषजनक स्तर पर है और वित्त वर्ष की पहली छमाही में आर्थिक वृद्धि 8.0 प्रतिशत रही है। जो अर्थव्यवस्था के लिए खुशनुमा दौर बनता है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को नीतिगत रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की। इससे घर, वाहन और अन्य कर्ज सस्ता होने की उम्मीद है। इसके साथ ही आरबीआई ने बैंकों में एक लाख करोड़ रुपये की नकदी डालने की भी घोषणा की। इससे अर्थव्यवस्था को अमेरिकी शुल्क के प्रभाव से सुरक्षित रखने और रुपये की कीमत में आई गिरावट से निपटने में मदद मिलेगी।

आरबीआई की छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से रेपो दर को 0.25 प्रतिशत घटाकर 5.25 प्रतिशत करने का निर्णय लिया। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया। यह फरवरी 2025 के बाद से चौथी कटौती है और अब तक कुल 1.25 प्रतिशत कटौती हो चुकी है। रेपो दर में छह महीने के अंतराल के बाद की गई इस कटौती से आवास, वाहन और अन्य उपभोक्ता ऋणों के सस्ते होने का रास्ता खुल गया है। दरअसल रेपो दर में कटौती का सीधा असर बैंकों की उधारी लागत पर होता है।

बैंकों को अब केंद्रीय बैंक से सस्ते में उधार मिलेगा लिहाजा वे एमसीएलआर (कोष की सीमांत लागत आधारित ब्याज दर) और अन्य ऋण दरों में कमी कर सकेंगे। इससे घर, वाहन और व्यावसायिक ऋणों की मासिक किस्तें घटेंगी। रेपो दर में इस कटौती से आरबीआई ने डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 90 के भी पार चले जाने से जुड़ी आशंकाएं दरकिनार करने की कोशिश की है। इस साल डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में पांच प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है जो एशिया की सभी मुद्राओं में सबसे खराब प्रदर्शन है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अगुवाई वाली एमपीसी ने मौद्रिक नीति के रुख को 'तटस्थ' बनाए रखने का भी फैसला किया।

दो पासपोर्ट मामले में भी अब्दुल्ला आजम को सात साल की सजा

- सेवाओं में व्यवधान से हवाई अड्डों पर अफरा तफरी
- चार दिन में 1200 से ज्यादा उड़ाने हो चुकी हैं रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

चौथे दिन भी 500 उड़ानें रद्द, डीजीसीए ने इंडिगो को दी राहत, विस्तृत जांच के आदेश

बेंगलुरु हवाई अड्डे पर फैली भारी अव्यवस्था।

रामपुर। दो पासपोर्ट रखने के मामले में शुक्रवार को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीश शोभित बंसल ने आजम खां के पुत्र पूर्व विधायक अब्दुल्ला को दोषी मानते हुए सात साल के कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। उन्होंने 332 पेज का फैसला तैयार किया था। वह दो पैन कार्ड के मामले में हुई सजा में रामपुर जेल में बंद हैं।

- एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने सुनाई सजा

अब्दुल्ला आजम के खिलाफ दो पासपोर्ट के मामले में शहर विधायक आकाश सक्सेना ने 2019 में मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि अब्दुल्ला आजम एक पासपोर्ट का इस्तेमाल विदेश यात्रा में भी कर चुके हैं। जन्मतिथि शैक्षिक प्रमाण पत्रों हाईस्कूल बीटेक व एमटेक में एक जनवरी 1993 अंकित है। पासपोर्ट संख्या जेड 4307442 में जन्मतिथि 30 सितंबर 1990 अंकित है। अब्दुल्ला के शैक्षिक प्रमाण पत्र तथा पासपोर्ट का विवरण जन्मतिथि व जन्मस्थान भी विरोधाभासी है। अब्दुल्ला वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए।

जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित

नई दिल्ली। डीजीसीए ने इंडिगो की बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होने के कारणों की व्यापक समीक्षा और आकलन के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की है। समिति के सदस्यों में संयुक्त महानिदेशक संजय के ब्रम्हाने, उप महानिदेशक अमित गुप्ता, वरिष्ठ उड़ान संचालन निरीक्षक कैप्टन कपिल मांगलिक और उड़ान संचालन निरीक्षक कैप्टन रामपाल शामिल हैं। समिति 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपेगी।

जौलीग्रांट से इंडिगो की सभी उड़ानें रद्द

देहरादून। राजधानी के जौलीग्रांट हवाई अड्डे पर शुक्रवार को विमानन कंपनी इंडिगो की सभी उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी हुई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हवाई अड्डे के निदेशक बी.सी.एच. नेगी बताया कि जौलीग्रांट हवाई अड्डे से शुक्रवार को इंडिगो की 13 उड़ानें रद्द की गईं, जिससे करीब 200 यात्री प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की स्थानीय टीम प्रभावित यात्रियों को यथा संभव सहयोग प्रदान कर रही है।

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो के राष्ट्रीय राजधानी से प्रस्थान करने वाली सभी उड़ानों सहित करीब 500 उड़ानें रद्द करने से देश भर में हजारों यात्री कई घंटों तक फंसे रहे और हवाई यात्रा शुक्रवार को लगातार चौथे दिन भी पटरी से उतरी नजर आई।

लोगों का गुस्सा बढ़ने और विपक्षी दलों के सरकार को घेरने के बाद डीजीसीए ने हस्तक्षेप करते हुए इंडिगो के पायलटों के लिए रात्रि ड्यूटी के कड़े नियमों से अस्थायी छूट दे दी। इंडिगो का संकट उन नए नियमों से खड़ा हुआ जिनके तहत पायलटों के साप्ताहिक आराम की जरूरत के समय को 12 घंटे से बढ़ाकर 48 घंटे कर दिया गया। साथ ही सप्ताह में केवल दो बार रात में लैंडिंग की अनुमति दी गई है, जो पहले छह हुआ करती थी। इंडिगो ने इन व्यवधानों के लिए गलत फैसलों और योजनागत कमियों को जिम्मेदार ठहराया है। दिल्ली से शुक्रवार को इंडिगो की 235 उड़ानें रद्द की गई हैं। चार दिन में 1200 से ज्यादा उड़ाने रद्द हुईं।

चम्पावत जिले में खाई में गिरी बोलेरो, पांच बरातियों की मौत

संवाददाता, चम्पावत

- मृतकों में दूल्हे की बहन और भांजा के साथ दो निकटतम रिश्तेदार पांच गंभीर घायल

अमृत विचार : चम्पावत जिले में गुरुवार आधी रात के बाद बरात का बोलेरो वाहन खाई में गिरने से पांच बरातियों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों में दूल्हे की बहन और भांजे के अलावा दो निकट संबंधी भी बताए गए।

जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र, चम्पावत के अनुसार, शुक्रवार तड़के करीब 3:50 बजे सूचना मिली कि तहसील बाराकोट में एनएच-9 पर घाट से चम्पावत की ओर बाघधारा के पास बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर 200 मीटर खाई में गिर गया। यह वाहन बालातड़ी से गंगोलीहाट (शेरघाट) को जा रहा था। बोलेरो में 10 लोग सवार थे। सूचना पर एसडीआरएफ और पुलिस की टीमों ने सर्च अभियान चलाते हुए पांच लोगों को रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया जबकि पांच लोगों प्रकाश चंद्र उनियाल (40) और केवल चंद्र उनियाल (35) निवासी रुद्रपुर, ऊधमसिंह नगर, सुरेश नौटियाल (32) निवासी पंतनगर, ऊधमसिंह नगर, भावना चौबे (28) पत्नी सुरेश चौबे और प्रियांशु चौबे (6) पुत्र सुरेश चौबे निवासी स्यालदे, अल्मोड़ा की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। घायलों के नाम वाहन चालक देवीदत्त पांडे (38) निवासी सल्ला भाटकोट, शेरघाट अल्मोड़ा, धीरज उनियाल (12) पुत्र प्रकाश चंद्र उनियाल निवासी देघाट, अल्मोड़ा, राजेश जोशी (14) पुत्र उमेश चंद्र जोशी निवासी लाखटोली बनकोट गंगोलीहाट पिथौरागढ़, चेतन चौबे (5) पुत्र सुरेश चौबे, भाष्कर पंडा पुत्र सुरेश पंडा निवासी किरोला शेरघाट, पिथौरागढ़ बताए गए।

सीएम ने जताया शोक होगी मजिस्ट्रेटी जांच

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सड़क हादसे पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। एडीएम केके गोस्वामी ने एसडीएम लोहाघाट को दुर्घटना की मजिस्ट्रेटी जांच करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, मृतकों के आश्रित परिवारों को राहत राशि प्रदान की गई है।

निर्देश

मुख्यमंत्री धामी ने 'वन क्लिक' से किया 13982.92 लाख की पेंशन किश्त का भुगतान, 9.38 लाख लाभार्थी हुए लाभान्वित

हर माह 5 तक समाज कल्याण की सभी पेंशन पहुंचेगी खातों में

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में समाज कल्याण विभाग द्वारा 'पेंशन किश्त का वितरण' कार्यक्रम में राज्यभर के पेंशन लाभार्थियों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए।

मुख्यमंत्री ने कड़े शब्दों में कहा कि समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत दी जाने वाली सभी पेंशन राशि प्रत्येक माह की 5 तारीख तक अनिवार्य रूप से लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचना सुनिश्चित करें ताकि किसी भी वृद्धजन, दिव्यांगजन, विधवा, किसान या कमजोर वर्ग को आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। स्पष्ट किया कि पेंशन भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी स्वीकार्य नहीं होगी।

'वन क्लिक' से पेंशन किश्त का भुगतान जारी करते मुख्यमंत्री धामी।

सीएम ने कार्यक्रम में वन क्लिक से माह नवंबर 2025 की 13982.92 लाख रुपये की पेंशन किस्त का भुगतान करते हुए 9,38,999 लाभार्थियों को प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित किया। उन्होंने विभाग को पेंशन योजनाओं की पूरी प्रणाली को और अधिक सरल, तेज़, समयबद्ध और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। कहा कि राज्य की सामाजिक सुरक्षा योजनाएं समाज के सबसे कमजोर, जरूरतमंद और वंचित वर्गों के लिए जीवनरेखा हैं इसलिए इन योजनाओं की पारदर्शिता, सत्यापन और क्रियान्वयन सर्वोच्च प्राथमिकता पर होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने सभी विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पेंशन योजनाओं का इंटरनल ऑडिट नियमित रूप से किया जाए, ताकि किसी भी अयोग्य व्यक्ति को लाभ न मिले। सरकार की सहायता उसी तक पहुंचे जो वास्तव में उसका पात्र है।

समान प्रकृति वाली सभी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को इंटीग्रेशन के माध्यम से एकीकृत करें जिससे डुप्लीकेसी समाप्त हो और योजनाओं का लाभ तेजी से सही व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित हो सके। इस दौरान सचिव श्रीधर बाबू अदाकी, अपर सचिव बंशीधर तिवारी मौजूद रहे।

बुके नहीं बुक दें

सीएम ने राज्य के सभी सरकारी समारोहों और कार्यक्रमों में स्थानीय उत्पादों को पूर्ण प्राथमिकता देने का आदेश देते कहा कि किसी भी तरह के स्मृति चिह्न, उपहार या सम्मान सामग्री में उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों का ही उपयोग करें। उन्होंने बुके की जगह बुक देने की नई परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इसे समय, धन और संसाधन बचत वाला नवाचार बताया। सभी कार्यक्रमों को अधिक सादगीपूर्ण बनाने की बात कहते हुए कहा कि यह न सिर्फ एक अच्छी प्रशासनिक परंपरा है बल्कि सुशासन व उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने वाला कदम भी है।

स्टेट ब्रीफ

आसानी से होगा एसआईआर

देहरादून : मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम की अध्यक्षता में शुक्रवार को सचिवालय में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दलों के साथ बैठक में कहा गया कि बीएलए और बीएलओ के सामंजस्य से एसआईआर का काम आसानी से संपादित होगा। बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दृष्टिगत 31 दिसंबर तक शत प्रतिशत बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) की नियुक्ति के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। सीईओ ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में मतदाताओं के साथ-साथ राजनैतिक दलों की अहम भूमिका होती है जिसके लिए जरूरी है कि हर पोलिंग बूथ पर राजनैतिक दलों के बीएलए की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए।

गन्ना मूल्य वृद्धि का शासनादेश जारी

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा गन्ने के राज्य परामर्शित मूल्य बढ़ाने की स्वीकृति के अनुपालन में शासन के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग अनुभाग द्वारा शासनादेश निर्गत कर दिया गया है। मुख्यमंत्री की स्वीकृति के अनुसार, पेराई सत्र 2025-26 के लिए प्रदेश की समस्त चीनी मिलों द्वारा क्रय किये जाने वाले गन्ने की अगेती प्रजातियों हेतु 405 प्रति क्विंटल (मिल गेट पर) तथा सामान्य प्रजातियों हेतु 395 प्रति क्विंटल (मिल गेट पर) का राज्य परामर्शित मूल्य निर्धारित किया गया है।

प्रशासनिक सेवा केवल नौकरी नहीं जनता की सेवा का ईश्वरीय कार्य

परिवीक्षाधीन पीसीएस अधिकारियों ने की मुख्यमंत्री धामी से भेंट, सीएम ने उत्साह बढ़ाया

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सीएम आवास में शुक्रवार को परिवीक्षाधीन पीसीएस अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों का स्वागत करते हुए उनके आगामी प्रशासनिक दायित्वों के लिए शुभकामनाएं दीं। कहा कि प्रशासनिक सेवा केवल एक रोजगार नहीं बल्कि यह जनता के प्रति जिम्मेदारी और सेवा की भावना से जुड़े 'ईश्वरीय कार्य' के समान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक सेवाओं में आने वाले युवा अधिकारी राज्य की रीढ़ माने जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकारी सेवा का मूल उद्देश्य जनता के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। उन्होंने अधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रशासनिक सेवा को केवल प्रोफेशन न समझें, बल्कि इसे समाज और देवभूमि उत्तराखंड के लोगों के लिए समर्पित एक सेवा-भाव के रूप में अपनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारी जब सेवा को ईश्वरीय कार्य समझकर कार्य करेंगे, तब उनके निर्णय अधिक पारदर्शी, संवेदनशील और प्रभावी होंगे।

सीएम आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट करते परिवीक्षाधीन पीसीएस अधिकारी।

नवाचार को अपनाने पर बल

सीएम ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी तकनीक, आधुनिक दृष्टिकोण और नए विचारों से समृद्ध है इसलिए जनता की उम्मीदें भी युवा अधिकारियों से दोगुनी हैं। बदलते समय के साथ प्रशासन को नवाचार अपनाने की जरूरत है- चाहे वह तकनीक का उपयोग हो, प्रशासनिक प्रक्रियाओं का सरलीकरण हो या जनसंपर्क को बेहतर बनाने के तरीके। समस्याओं के समाधान के लिए पारंपरिक तरीकों के साथ आधुनिक और स्मार्ट समाधान आवश्यक हैं, ताकि जनता को त्वरित और प्रभावी सेवाएं मिल सकें।

अधिकारियों को किया आगाह

सीएम ने कहा कि उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियां विशिष्ट और चुनौतीपूर्ण हैं। पर्वतीय क्षेत्रों, दुर्गम मार्गों और दूरस्थ गांवों में बुनियादी सेवाएं पहुंचना कठिन होता है। उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया कि पहाड़ी राज्य में प्रशासनिक दायित्व केवल तकनीकी नहीं होते, बल्कि मानवीय संवेदनाओं और अधिक परिश्रम की मांग करते हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, अधिकारी अगर सकारात्मक सोच और कठिन परिश्रम से काम करेंगे, तो प्रदेश के लोगों के जीवन में बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है।

संवेदनशीलता-जनता की सेवा का मूल आधार

सीएम ने संवेदनशील प्रशासन की आवश्यकता पर विशेष जोर देते कहा कि जनता प्रशासन से सम्मान, न्याय, सुनवाई और संवेदनशीलता की अपेक्षा रखती है। वे हर समस्या को मानवीय दृष्टिकोण से समझें और प्रत्येक नागरिक के साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करें। जन समस्याएं सुनना, उन्हें समझना और समाधान के लिए तुरंत व गंभीर प्रयास करना ही एक सच्चे और प्रभावी प्रशासक की पहचान है।

हर्बल इकोनॉमी विकसित करना प्राथमिकता: धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- मुख्यमंत्री धामी ने की सचिवालय में जड़ी-बूटी सलाहकार समिति की समीक्षा बैठक
- निर्देश-हर्बल व जड़ी-बूटी सेक्टर में नवाचार, वैल्यू एडिशन और मार्केटिंग पर दें जोर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, हिमालयी क्षेत्र प्राकृतिक हर्बल संपदा का केंद्र है। राज्य में इसकी अपार संभावनाओं को देखते हुए हर्बल इकोनॉमी को विकसित करना सरकार की प्राथमिकता है। किसानों को उनके उत्पाद का अधिकतम लाभ दिलाने, स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने तथा महिलाओं को आर्थिकी से जोड़ने की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं।

शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित जड़ी-बूटी सलाहकार समिति की बैठक में सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांवों में क्लस्टर बनाकर हर्बल क्षेत्र में व्यवस्थित रूप से कार्य किया जाए। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में उपलब्ध हर्बल एवं औषधीय उत्पादों के संवर्धन और प्रोत्साहन पर विशेष ध्यान दिया जाए। हर्बल उत्पादों के वैल्यू एडिशन, प्रसंस्करण और प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये पंतनगर विश्वविद्यालय के सहयोग भी लिया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जड़ी-बूटी और एरोमा सेक्टर में अग्रणी दो राज्यों की बेस्ट प्रैक्टिसेज का अध्ययन करने हेतु राज्य से विषय विशेषज्ञों की टीम भेजी जाए, जिससे उत्तराखंड में भी इन नवाचारों को लागू किया जा सके।

उन्होंने जोर दिया कि, जड़ी-बूटी क्षेत्र में टर्नओवर बढ़ाने के लिए अनुसंधान, नवाचार, उत्पादन, विपणन और ब्रांडिंग पर समन्वित रूप से कार्य हो। कहा कि जिन क्षेत्रों में भालू सहित अन्य जंगली जीवों से जनजीवन और फसलों को नुकसान पहुंच रहा है, वहां कृषि एवं वन विभागों की संयुक्त टीमें भेजी जाएं। ये टीमें लोगों को सुरक्षा उपायों और फसल संरक्षण के लिए जानकारी प्रदान करें। बैठक में जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान के निदेशक डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने अनुसंधान कार्यों, दुर्लभ औषधीय प्रजातियों के संरक्षण, उत्पादन और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

सरकार ने जारी की संशोधित नियमावली

देहरादूनः सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय में विनियमितीकरण नियमावली-2013 में संशोधन कर दैनिक वेतन, कार्यप्रभारित, संविदा, नियत वेतन, अंशकालिक तथा तदर्थ रूप में नियुक्त कार्मिकों का विनियमितीकरण (संशोधन) नियमावली-2025 जारी कर दी है।

सचिव कार्मिक शैलेश बगोली ने अधिसूचना जारी की है। संशोधित नियमावली में, अन्य शर्तें पूर्ण करने पर ऐसे वे कार्मिक विनियमितीकरण हेतु पात्र होंगे जिन्होंने 4 दिसंबर 2018 तक इस रूप में कम से कम 10 वर्ष की निरन्तर सेवा उस पद या समकक्ष पद पर पूर्ण कर ली हो। जबकि पूर्व में यह व्यवस्था थी कि नियमावली में उल्लिखित अन्य शर्तें पूर्ण करने पर दैनिक वेतन, कार्यप्रभारित, संविदा, नियत वेतन, अंशकालिक तथा तदर्थ रूप से नियुक्त वे कार्मिक विनियमितीकरण हेतु पात्र थे, जिन्होंने वर्ष 2013 की नियमावली के प्रख्यापन की तिथि को इस रूप में कम से कम पांच वर्ष की निरन्तर सेवा उस पद या समकक्ष पद पर पूर्ण कर ली हो।

> राज्य सरकार का लक्ष्य हमेशा से कार्मिकों का हित सुरक्षित रखना रहा है। यह निर्णय उन सभी कार्मिकों को न्याय देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जिन्होंने वर्षों तक निरंतर सेवा देकर राज्य की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखा है। हमारी सरकार कर्मचारियों के हितों के प्रति संवेदनशील है और भविष्य में भी उनके कल्याण एवं सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाती रहेगी।
>
> **- पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री**

टनकपुर से नांदेड़ साहिब तक रेल सेवा को स्वीकृति

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- उत्तराखंड के श्रद्धालुओं की वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई
- मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री व रेल मंत्री का आभार जताया

अमृत विचार: देवभूमि उत्तराखंड और सिख समुदाय की भावनाओं का सम्मान करते हुए केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक एवं अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। टनकपुर (उत्तराखंड) से तख्त श्री नांदेड़ साहिब (महाराष्ट्र) तक नई रेल सेवा की शुरुआत को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस निर्णय से अब देश के प्रमुख पवित्र स्थलों में से एक नांदेड़ साहिब की यात्रा उत्तराखंड के हजारों श्रद्धालुओं के लिए और अधिक सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक हो सकेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस महत्वूपर्ण निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया। कहा कि यह कदम न केवल उत्तराखंड के सिख समुदाय और श्रद्धालुओं की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करता है, बल्कि प्रदेश के धार्मिक पर्यटन को भी नई दिशा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि टनकपुर से चलने वाली इस रेल सेवा से तराई क्षेत्र सहित पूरे उत्तराखंड के श्रद्धालुओं को सीधा लाभ मिलेगा।

यह रेल संपर्क सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकता को मजबूत करते हुए उत्तराखंड को राष्ट्रव्यापी धार्मिक पर्यटन मानचित्र पर और सशक्त रूप से स्थापित करेगा। प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य के सर्वांगीण विकास हेतु सतत प्रयासरत है। नई रेल सुविधा उत्तराखंड की कनेक्टिविटी को और सुदृढ़ करते हुए व्यापार, पर्यटन एवं सांस्कृतिक यात्राओं को भी प्रोत्साहित करेगी।

एक झटके में चाचा की हत्या, हुआ खुलासा

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार: हरिद्वार पुलिस ने अपने प्रोफेशनलिज्म (किसी काम के लिए दक्षता) का फिर परिचय दिया है। आत्महत्या की कहानी हत्या निकली और थानाध्यक्ष पथरी मनोज नौटियाल की टीम ने 48 घंटे में केस वर्कआउट कर हत्यारोपी सुनील (25) को गिरफ्तार कर लिया।

एसएसपी हरिद्वार प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने शुक्रवार को बताया कि, दो दिसंबर को पथरी थाना क्षेत्र के ग्राम धारीवाला में सुरेश (42) पुत्र सुखबीर का शव घर के कमरे में फर्श पर पड़ा मिला था। सुरेश कुंवारा था। परिजनों ने सुरेश द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करना बताया लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण गला घोंटना निकला। परिजनों ने तहरीर नहीं दी तो चौकी प्रभारी फेरूपुर की रिपोर्ट पर अभियोग दर्ज किया गया।

- हत्या को आत्महत्या का रूप देने का किया प्रयास, पोस्टमार्टम में खुला राज, भतीजा गिरफ्तार

चल नहीं पायी चालाकी, चुन्नी बरामद : पुलिस से पूछताछ में सुनील ने बताया कि हत्या के बाद वह घबरा गया था और फांसी का नाटक रचने के लिए चाचा के गले में वही चुन्नी बांधी। शव को टिनशेड के एंगल से लटकाने का प्रयास किया, लेकिन शरीर भारी होने के कारण गिर गया। अगली सुबह उसने परिवार को स्वयं सूचना दी कि चाचा ने आत्महत्या कर ली तथा वह शव उतार चुका है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चुन्नी को बरामद कर लिया है।

फांसी-फांसी चिल्लाना बना गले की फांस

पूछताछ में पुलिस का शक सुरेश के भतीजे सुनील पुत्र मेघपाल पर ठहरा, जो सबसे ज़्यादा चिल्ला चिल्लाकर 'फांसी' वाली कहानी सुनाकर तथाकथित विलाप रहा था। घटना के समय सबसे पहले सुनील ही पहुंचा था। सुनील ने ही घरवालों को बताया था कि, चाचा जी ने फांसी लगा ली और मैं उतारकर खाट पर लिटा आया।

गहरे हुए सवालों में खुल गया राज

पूछताछ तेज हुई.. सवाल गहरे हुए और आखिरकार सुनील ने राज खोला कि चाचा शराब पीकर आए दिन उसे गाली देता था, बेइज्जत करता था, अपनी जमीन बेचने की बात करता था। उसके मन में चाचा के प्रति जलन और गुस्सा भरता जा रहा था। एक दिसंबर की रात उसने शराब के नशे में धुत चाचा का चुन्नी से गला घोंट दिया था।

दिवंगत 15 पत्रकारों के आश्रितों व दो पत्रकारों को मिलेंगे ₹5-5 लाख

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- चार वरिष्ठ पत्रकारों को पत्रकार सम्मान पेंशन की संस्तुति
- डीजी सूचना की अध्यक्षता में गठित समितियों ने लिए निर्णय

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी की अध्यक्षता में सूचना निदेशालय में पत्रकार कल्याण कोष (कॉरपस फंड) एवं मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना समिति की बैठक संपन्न हुई।

बैठक में प्रस्तुत प्रकरणों पर विचार करते हुए समिति द्वारा पत्रकार कल्याण कोष से पन्द्रह दिवंगत पत्रकारों के आश्रितों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के साथ ही गंभीर बीमारी से ग्रस्त दो पत्रकारों को चिकित्सा उपचार हेतु 5-5 लाख रुपये की सहायता स्वीकृत करने की संस्तुति की गई है।

समिति द्वारा मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के अन्तर्गत चार वरिष्ठ पत्रकारों को 8 हजार रुपये प्रतिमाह की दर से पेंशन देने की संस्तुति भी की गई। डीजी सूचना बंशीधर तिवारी ने कहा कि राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के दृष्टिगत पत्रकारों के कल्याण एवं सम्मान के प्रकरणों पर सूचना विभाग द्वारा तत्परता से कार्यवाही की जा रही है।

कहा कि, संकटग्रस्त पत्रकारों एवं उनके आश्रितों को यथासंभव मदद प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है जिसके लिए नियमित रूप से समिति की बैठकों का आयोजन कर प्राप्त मामलों पर पूरी संवेदनशीलता के साथ निस्तारण किया जा रहा है। बैठक में सूचना विभाग के संयुक्त निदेशक केएस चौहान, नितिन उपाध्याय, वरिष्ठ वित्त अधिकारी शशि सिंह एवं समितियों के सदस्य- लक्ष्मण सिंह नेगी, गिरीश तिवारी, अमित शर्मा, शशि शर्मा उपस्थित रहे।

बैठक की अध्यक्षता करते उत्तराखंड के सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी।

कांग्रेस का धराली भ्रमण महज राजनीतिक पर्यटन : चौहान

देहरादून, अमृत विचार : भाजपा ने कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के धराली जाने को राजनैतिक पर्यटन बताते कहा कि सरकार पीड़ितों के आंसू पोंछने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि हर बार की तरह आपदा राहत बचाव के कठिन समय में कांग्रेस महज आरोप प्रत्यारोप की राजनीति मे मशगूल रही, लेकिन वह ग्राउंड जीरो से दूर रही। मुख्यमंत्री धामी ने वहां ग्राउंड जीरो पर 3 दिन रेस्क्यू अभियान की मॉनिटरिंग कर लोगों की जान बचाने का काम किया। हमारी सरकार धराली को फिर से खड़ा करने और प्रत्येक प्रभावित को मजबूत आधार देने के लिए प्रतिबद्ध होकर सर्वश्रेष्ठ पुनर्वास कार्य कर रही है। कहा कि स्थानीय प्रशासन द्वारा दुर्घटनास्थल पर ले जाने की सुरक्षित व्यवस्था के बावजूद भी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष माहरा वहां साहसिक पर्यटन करते दिखाई दिए थे, लेकिन उसके बाद उन्होंने भी वहां जाने से तौबा कर ली थी।

राज्यपाल को जल्द धराली की रिपोर्ट सौंपेगी कांग्रेस

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल और पूर्व अध्यक्ष करन माहरा ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में कहा कि, पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने धराली आपदाग्रस्त क्षेत्र से वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन किया है।

आरोप लगाया कि, धराली को लेकर राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे दावे जमीनी हकीकत से कोसों दूर है। सरकार द्वारा बतायी मृत लोगों की संख्या में विरोधाभास है। आपदा प्रबंधन विभाग ने 67 लोगों को मृत या गुमशुदा बताया जबकि कर्नल कोठियाल ने अपने वक्तव्य में 147 लोगों के मलबे में दबे होने की बात कही है लेकिन अब राज्य सरकार द्वारा 52 लोगों को गायब या मृत बताया जा रहा है। सरकार इस विरोधाभास को दूर करे और प्रदेश के समक्ष सच को लाए। गोदियाल ने आरोप लगाया कि, फैक्ट फाइंडिंग टीम ने वहां पाया कि आपदा के चार माह बीत जाने के बावजूद सरकार धराली में पुनर्वास, पुनर्निर्माण, राहत, विस्थापन आदि के लिए कोई सकारात्मक कदम नहीं उठा पाई है, और न ही किसी भी क्षेत्र में कोई पहल की गई है। धराली स्थिति के आकलन की विस्तृत रिपोर्ट जल्द राज्यपाल को सौंपकर राहत कार्यों में प्रगति का आग्रह किया जाएगा।

चिंताजनक | राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने उच्च सदन में रखा वन्यजीवों से हुईं 1264 मौतों का आंकड़ा

राज्य में वन्यजीवों के हमलों की गंभीर होती समस्या

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने उत्तराखंड में वन्यजीवों के हमलों की लगातार गंभीर होती समस्या को लेकर केंद्र से विशेष कार्ययोजना बनाने का आग्रह किया है। उच्च सदन में बोलते हुए उन्होंने राज्य निर्माण के बाद हुए नुकसान का विवरण देते हुए केंद्र सरकार का ध्यान इसकी तरफ आकृष्ट कराया और केंद्र से प्रभावित परिजनों को अधिक आर्थिक मदद की मांग की है।

उन्होंने राज्यसभा में कहा कि, उत्तराखंड में मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है जिसके चलते स्थानीय लोगों द्वारा जान से हाथ धोने के साथ गंभीर रूप से घायलों की बड़ी संख्या सामने आ रही हैं। उन्होंने राज्य निर्माण के बाद से जंगली जानवरों के हमले में प्रभावित हुए लोगों की विस्तृत जानकारी रखते हुए बताया कि विगत 25 वर्षों में 1264 लोगों की मौत के अतिरिक्त 6519 से ज्यादा लोग घायल इन घटनाओं के शिकार हुए हैं। जिसमें सबसे अधिक गुलदार के हमलों में 546 की मौत और 2126 लोग घायल हुए हैं। इसी तरह हाथी के हमलों में 230 की मौत एवं 234 घायल, बाघ में 106 की मौत, 134 घायल, भालू में 71 की मौत एवं 2012 घायल, सांप में 360 की मौत 1056 घायल और मगरमच्छ के हमलों में भी 69 की मौत एवं 44 घायल हुए हैं। इसी तरह वर्तमान वर्ष में भी अब तक भालू के हमलों में 5 और बाघ गुलदार के हमलों के 19 की मौत के साथ 24 लोग जान गंवा चुके हैं एवं 130 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस दौरान उन्होंने बीते गुरुवार पौड़ी में हुई गुलदार के हमले में हुई मौत का जिक्र करते हुए चमोली, उत्तरकाशी, टिहरी, रुद्रप्रयाग आदि स्थानों की हाल में हुई दुखद घटनाओं की जानकारी भी दी। उत्तराखंड भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान के अनुसार, सांसद भट्ट ने सदन के माध्यम से केंद्र से अनुरोध किया कि समस्या की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष कार्ययोजना बनाई जाए, विशेषकर उत्तराखंड एवं अन्य हिमालयी राज्यों की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, क्योंकि अधिक वनाच्छित भूभाग होने और जंगलों पर निर्भरता के कारण पर्वतीय क्षेत्रों में यह समस्या बेहद विकराल रूप में सामने आ रही है। उन्होंने आग्रह किया कि केंद्र एवं राज्य से मृतकों को मुआवजा राशि के रूप में अधिक से अधिक मदद को लेकर शीघ्र पॉलिसी बनाई जाए। वहीं, घायलों का भी पूरा इलाज सरकार के माध्यम से हो ताकि पीड़ित परिजनों की समुचित मदद हो सके।

25 साल में वन्यजीवों के हमले से नुकसान का आंकड़ा

- 25 वर्षों में 1264 लोगों की मौत हुई
- 6519 से ज्यादा लोग घायल हुए
- 546 मौत गुलदार के हमलों में, 2126 घायल
- 230 मौत हाथी के हमलों में, 234 घायल
- 106 मौत बाघ के हमले में, 134 घायल
- 71 मौत भालू के हमले में, 2012 घायल
- 360 लोगों को सांप ने डसा, 1056 घायल
- 69 की मौत मगरमच्छ के हमलों में, 44 घायल

सिटी ब्रीफ

सास हुई लापता, बहू ने दर्ज कराई रिपोर्ट

हल्द्वानी : गौलापार निवासी एक महिला घर से बिना बताए कहीं चली गई। उनकी बहू ने गुमशुदा होने की रिपोर्ट लिखाई है। सरस्तवी देवी निवासी पश्चिमी खेड़ा, गौलापार ने पुलिस को बताया कि उसकी सास जीवंती देवी पत्नी पूर्णानंद सुयाल बीती 26 नवंबर को घर से बिना बताए कहीं चली गईं। जब वह घर वापस नहीं आईं तो उन्हें ढूंढने का काफी प्रयास किय गया लेकिन कुछ भी पता नहीं चला। पुलिस ने तहरीर के आधार पर महिला की गुमशुदगी दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी जा रही है।

नाबालिग लापता

हल्द्वानी : गौजाजाली क्षेत्र निवासी एक नाबालिग किशोर घर से लापता हो गया है। किशोर के भाई ने पुलिस में मामला दर्ज कराया है। गौजाजाली वार्ड नंबर 59 निवासी इमरान खान ने बनभूलपुरा पुलिस को बताया कि उसका 17 वर्षीय भाई जिसका नाम शाने अली है। वह बीती दो दिसंबर को रात करीब नौ बजे घर से अचानक चला गया। काफी खोजबीन करने के बाद भी कुछ पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने नाबालिग की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित परिवार के मित्रों और सगे संबंधियों से भी पता किया जा रहा है।

नंधौर नदी में शुरू हुई फावड़े बेल्चों की खन-खन

चोरगलिया : गौला के बाद नंधौर नदी में शुक्रवार को विधिवत खनन का शुभारंभ हो गया। प्रशासन, वन व वन विकास निगम अधिकारियों ने खनन का निरीक्षण भी किया। एडीएम वित्त एवं राजस्व शैलेंद्र सिंह नेगी के नेतृत्व में नंधौर नदी के पांचों निकासी गेटों पर खनन शुरू हुआ। एडीएम ने नदी के निकास गेटों पर इलेक्ट्रॉनिक कांटों, इंटरनेट, सीसीटीवी आदि व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने खनन को पहुंचे वाहन स्वामियों से भी वार्ता की। सभी वाहन स्वामियों से वन निगम के मानकों के अनुसार ही नदी से खनन चुगान करने को कहा। फिर उन्होंने नंधौर नदी में बाढ़ सुरक्षा के तहत किए जा रहे निर्माणों व प्रबंधन का भी जायजा लिया। उन्होंने सिंचाई विभाग को बारिश से पूर्व निर्माण पूरे करने के निर्देश दिए ताकि मानसून में नदी किनारे सटे गांवों को नुकसान नहीं हो। गौला एसडीओ अनिल जोशी ने बताया कि वन विकास निगम खनन कराता है लेकिन वन विभाग भी देखरेख करता है। इस दौरान एसडीएम राहुल साह, जिला खान अधिकारी ताजवर सिंह नेगी, सिंचाई ईई दिनेश रावत, अनुभाग अधिकारी मोहन सिंह महरा मौजूद थे।

तराई पूर्वी वन डिवीजन में मगरमच्छों की दो दिवसीय गणना पूरी, संख्या में उत्साहजनक वृद्धि से वन विभाग भी उत्साहित

11 साल बाद हुई गणना, तराई भाबर में मिले 212 मगरमच्छ

अंकुर शर्मा, हल्द्वानी

अमृत विचार : तराई भाबर में 11 साल बाद मगरमच्छों की गणना में उत्साहजनक नतीजे मिले हैं। ऊधम सिंह नगर व नैनीताल जिलों में 212 मगरमच्छ मिले हैं। वन विभाग का दावा है कि फरवरी में एक बार फिर से गणना कराई जाएगी, जिसमें मगरमच्छों की संख्या में वृद्धि हो सकती है।

तराई पूर्वी वन डिवीजन के जंगल 82489 हेक्टेयर में नैनीताल व ऊधम सिंह नगर में फैले हुए हैं। वन डिवीजन में नानक सागर, शारदा कैनाल, गौला, हरिपुरा, बौर, सुरई आदि के जंगलों में नदियां व जलाशय हैं। इनमें बीती 2-3 दिसंबर को मगरमच्छों की गणना हुई थी। यह गणना पूरी हो गई और बेहद ही उत्साहजनक परिणाम मिले हैं। वन डिवीजन में 212 मगरमच्छ मिले हैं जबकि 11 वर्ष पूर्व 2014 में हुई गणना में महज 74 मगरमच्छ ही दिखाई दिए थे। 11 वर्ष में 186 प्रतिशत से ही अधिक की वृद्धि हुई है। सबसे सुखद यह है कि वन डिवीजन की प्रत्येक रेंज में मगरमच्छ की उपस्थिति मिली है।

वन अधिकारियों के अनुसार, मगरमच्छों की गिनती डायरेक्ट साइटिंग मेथड से हुई। इस वर्ष, पहली बार रात में बोट पेट्रोलिंग का इस्तेमाल करके भी गिनती की गई। इधर, वन विभाग के पास मानव-मगरमच्छ संघर्ष के लिहाज से हॉट स्पॉट पूर्व से ही चिन्हित हैं, ऐसे में वन विभाग अब इस संघर्ष की रोकथाम के लिए चेतावनी बोर्ड, जागरूकता कैंपेन और एक्शन प्लान बना रहा है। इसी के साथ ही वन टीमों को भी मुस्तैद किया जाएगा कि हॉट स्पॉट में नियमित पैट्रोलिंग की जाए ताकि कोई हादसा नहीं हो।

सुरई रेंज में हैं काकरा क्रोकोडाइल ट्रेल

हल्द्वानी : डीएफओ बागरी ने बताया कि खटीमा में सुरई वन रेंज में काकरा क्रोकोडाइल ट्रेल बनाया है। इस ट्रेल का चार साल पूर्व 29 दिसंबर 2021 को विधिवत शुभारंभ हो गया है। इस रेंज में सर्वाधिक 138 मगरमच्छ मिले हैं। इस ट्रेल में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सफारी के साथ जोड़ा जा रहा है। साथ ही स्कूलों, कॉलेजों से भी संपर्क किया जा रहा है ताकि बच्चे भी इस जीव को देख सके।

11 वर्ष बाद तराई पूर्वी वन डिवीजन के अंतर्गत नदी, जलाशयों व जलस्रोतों में 2-3 दिसंबर को मगरमच्छों की गणना कराई थी। गणन में उत्साहजनक नतीजे सामने आए हैं, वन डिवीजन में 212 मगरमच्छ मिले हैं जबकि पूर्व में सिर्फ 74 ही थे। अब मगरमच्छों के संरक्षण व मानव-मगरमच्छ संघर्ष की रोकथाम के लिए जागरूकता के साथ ही एक्शन प्लान बनाया जाएगा। **-हिमांशु बागरी,** डीएफओ तराई पूर्वी वन डिवीजन हल्द्वानी

रेंजों में मगरमच्छों की सूची

क्रम संख्या	वन रेंज का नाम	संख्या
1.	किलपुरा	5
2.	खटीमा	4
3.	सुरई	138
4.	दक्षिणी जौलासाल	1
5.	बाराकोली	17
6.	डौली	17
7.	रनसाली	2
8.	किशनपुर	7
9.	गौला	21

एआरओ को बाइक ने मारी टक्कर, केस

हल्द्वानी, अमृत विचार : हाईकोर्ट में असिस्टेंट रिव्यू ऑफिसर सड़क दुर्घटना में घायल हो गए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी बाइक चालक टक्कर मारने के बाद मौके से फरार भी हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हाईकोर्ट में अधिवक्ता आकांक्षा पाठक निवासी रानीबाग ने पुलिस को बताया कि बीती 29 नवंबर को उनके पिता प्रकाश चन्द्र पाठक (हाईकोर्ट एआरओ) कार्यालय से घर को आ रहे थे। एनसीसी कैंप गेट के समीप सड़क पार करते समय ओवरस्पीड बाइक संख्या यूके 04 एएच 9384 ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में वह बुरी तरह से घायल हो गए। उनको एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

खतरा : मोबाइल फोन से बच्चों का तन और मन हो रहा है 'हैंग'

मोबाइल की लत के बढ़ रहे दुष्प्रभाव, संभाला नहीं तो और भी मुश्किलें होंगी खड़ी

नरेंद्र देव सिंह, हल्द्वानी

अमृत विचार: मोबाइल और वो भी स्मार्टफोन का इस्तेमाल बच्चों के समग्र विकास को बाधित कर रहा है। मोबाइल की वजह से बच्चों का तन, मन बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि बच्चों में मोबाइल के इस्तेमाल पर नजर रखनी चाहिए। कोशिश करें कि कम उम्र के बच्चों को मोबाइल पूरी तरह से ही न दिया जाए। कम उम्र में ही बच्चों की आंखें सूख रहीं हैं तो वहीं इयरबग के इस्तेमाल से उनके कान भी खराब हो रहे हैं। गलत पोजिशन में मोबाइल का इस्तेमाल बच्चों के शरीर के विकास में भी बाधा बन रहा है। यही नहीं बच्चों में कम उम्र में ही मानसिक विकार सामने आ रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि स्मार्ट फोन आने के बाद से इस तरह के मामलों में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। अब सभी अभिभावकों को अपने बच्चों के स्वास्थ्य के लिए उनको मोबाइल देने की प्रवृत्ति कम करनी होगी। यदि ऐसा नहीं किया गया तो भावी पीढ़ी के लिए घर में खतरनाक बीमारी बन रही है।

बच्चों की आंखें सूख रहीं हैं: डॉ. दत्ताल

बेस अस्पताल के पीएमएस और वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. केएस दत्ताल ने बताया कि बच्चों में देर तक स्मार्टफोन इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति बढ़ ही रही है। इससे बच्चों की आंखों में ड्रायनेस आ रही है। समस्या ज्यादा बढ़ जाती है तो बच्चों को लेकर अस्पताल आना पड़ रहा है। यहां तक की यह भी देखने में आया है कि जिन बच्चों के पहले से ही चश्मा लगा है वह भी देर तक स्मार्टफोन चलाते हैं। इससे उनकी आंखों पर और भी गलत असर हो रहा है। कहा कि 12 साल से कम उम्र के बच्चे को मोबाइल देना ही नहीं चाहिए।

माता-पिता ये करें

1. बच्चों के लिए स्क्रीन समय सीमा निर्धारित करें।
2. बच्चों को खेलने के लिए प्रोत्साहित करें।
3. अभिभावकीय नियंत्रण और निगरानी उपकरणों का उपयोग करें।
4. स्वयं भी बच्चों के साथ समय बिताएं।

माता-पिता भी सुधारें अपनी आदत: डॉ. पंत

डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल के मनोवैज्ञानिक डॉ. युवराज पंत ने कहा कि माता-पिता स्वयं भी देर तक मोबाइल देखते हैं। इस वजह से बच्चे भी उनको देखकर सीख रहे हैं। जिन घरों में छोटे बच्चे हैं पहले तो माता-पिता ही यह तय करें कि मोबाइल का कम इस्तेमाल करेंगे। कहा कि बच्चे जब मोबाइल देखते हैं तो ऐसी बातें भी देखते हैं जो कम उम्र के लोगों के लिए नहीं होती हैं। इससे कम उम्र में ही उनका मानसिक विकास प्रभावित हो रहे हैं। मोबाइल की देर तक इस्तेमाल में अगर बच्चों को रोका जाए तो वह हिंसक तक हो रहे हैं।

बच्चों के शारीरिक विकास पर भी असर: डॉ. ऋतु

राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी की बाल रोग विभाग की अध्यक्ष डॉ. ऋतु रखोलिया ने बताया कि बच्चे देर तक कभी गलत तरीके से लेटकर तो कभी गलत तरीके से बैठकर मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं। इससे उनका शारीरिक विकास बाधित होता है। कम उम्र में बच्चों का शरीर तेजी के साथ विकास करता है। ऐसे में मोबाइल की लत उन पर गलत प्रभाव डालती है। देखने में आ रहा है कि बच्चे बहुत ही कम उम्र में मोबाइल का इस्तेमाल करने लगे हैं। अब तो तीन से चार साल के बच्चे भी मोबाइल चला रहे हैं।

पंजाब पुलिस ने दो वारंटियों को पकड़ा, एक फरार हो गया

नैनीताल: पंजाब से फरार गैर जमानती वारंटियों को पंजाब पुलिस ने नैनीताल के एक होटल से गिरफ्तार किया। पुलिस की ढील के चलते एक वारंटी गिरफ्त से फरार हो गया। पुलिस वारंटी की खोजबीन में जुटी है। जानकरी के अनुसार धारा 420 के वारंटी मोहाली पंजाब निवासी पति-पत्नी विवेक कुमार व रितु अपने आठ वर्षीय बच्चे के साथ नैनीताल आ गए। वहीं पंजाब पुलिस की ओर से दोनों वारंटियों की मोबाइल लोकेशन ट्रेस की और टीम दोनों को पकड़ने के लिए नैनीताल पहुंच गई।

जहां कोतवाली पुलिस की मदद से पंजाब पुलिस ने दोनों वारंटियों को एक होटल से दबोच लिया। पुलिस दोनों वारंटियों को पकड़ कर कोतवाली ले आई। इस दौरान पुलिस की ढील के चलते विवेक पुलिस की गिरफ्त से भाग गया। पुलिस ने पीछा किया लेकिन वह फरार हो गया। जिसके बाद कई घण्टों तक पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगालती रही और फरार वारंटी को कई जगह ढूंढती रही लेकिन वह पुलिस के हाथ नहीं आया। कोतवाल हेम पंत ने बताया कि मामले में महिला वारंटी रितु को पंजाब पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। वहीं फरार वारंटी की तलाश की जा रही है।

राज्य में दिन-रात के तापमान में बड़ा अंतर

- प्रमुख शहरों में शुष्क मौसम बरकरार
- तापमान के अंतर से सर्दी के सितम के शिकार हो रहे लोग

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: उत्तराखंड में मौसम लगातार शुष्क बना हुआ है। बुधवार को राज्य के चार प्रमुख मौसम केन्द्रों देहरादून, पंतनगर, मुक्तेश्वर और नई टिहरी में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में उल्लेखनीय अंतर दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग देहरादून द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, रात को पारा तेजी के साथ गिर रहा है।

राजधानी देहरादून में अधिकतम तापमान 25.1 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक है। वहीं, न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री नीचे है। दिन में हल्की गर्माहट के बावजूद सुबह-शाम ठंड का प्रभाव महसूस किया गया। मैदानी क्षेत्रों में स्थित हल्द्वानी में अधिकतम तापमान 23.6 डिग्री रहा, जो सामान्य से एक डिग्री कम दर्ज हुआ। न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री नीचे रहा। हल्द्वानी में रात के समय ठंडक तेजी से बढ़ रही है। रात के समय पारे में जबरदस्त गिरावट आ रही है। पहाड़ी क्षेत्र मुक्तेश्वर में अधिकतम तापमान 18.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो मौसम के लिहाज से सामान्य बना रहा लेकिन न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री दर्ज हुआ, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है। भले ही रात के तापमान में हल्की बढ़ोतरी दिखी, फिर भी पहाड़ी ठंड अपने चरम की ओर है। नई टिहरी में अधिकतम तापमान 17.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 4.7 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1 डिग्री कम है। यहां भी दिनभर ठंडी हवाएं चलती रहीं और मौसम पूरी तरह शुष्क रहा।

स्वास्थ्य पर बढ़ रहा असर

तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव के कारण लोग सर्दी-जुकाम और अस्थमा जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सुबह-शाम बढ़ती ठंड में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। बेस अस्पताल के फिजिशियन डॉ. जितेंद्र भट्ट ने कहा कि पर्याप्त मात्रा में गर्म कपड़ें पहनें और साथ ही गुनगुने पानी का सेवन करें।

ज्योलीकोट में हुआ सड़क हादसा एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: ज्योलीकोट में राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क हादसा हो गया। एक मोटर साइकिल पर सवार दो लोगों को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत अस्पताल ले जाते समय हो गई। दूसरे युवक का उपचार अस्पताल में चल रहा है।

पुलिस के अनुसार मेहताब आलम और सुहैल हुसैन निवासीगण कालाढूंगी ज्योलीकोट से हल्द्वानी की ओर बाइक पर जा रहे थे। शुक्रवार अपरान्ह के समय ज्योलीकोट बाजार से आगे संकरे मोड पर सामने से नैनीताल की ओर एक ट्रक आ रहा था। अचानक दोनों ही भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में बाइक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। दोनों ही युवक बुरी तरह से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें निजी वाहन से उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। बताया गया कि गंभीर रूप से घायल सुहैल ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। दूसरे युवक का उपचार चल रहा है। घटना की वजह से राजमार्ग पर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने किसी तरह से जाम को खुलवाकर यातायात सुचारू किया। फिलहाल घटना की जांच जारी है।

ज्योलीकोट में हाईवे पर ट्रक-बाइक की टक्कर के बाद सूचना पर पहुंची पुलिस।

रामलीला मैदान से पकड़ा स्मैक तस्कर

हल्द्वानी : पुलिस के अनुसार बीती चार दिसंबर को रामलीला ग्राउंड में नशेड़ी प्रवृत्ति के लोगों की मौजूदगी की सूचना मिली। पुलिस ने रामलीला ग्राउंड की पार्किंग की गाड़ियों के बीचों-बीच रामलीला ग्राउंड के पुराने मंच के पास एक संदिग्ध व्यक्ति मिला। पुलिस को देखकर वह सकपका गया। तलाशी लेने पर उसके पास से स्मैक मिली। वजन करने पर पता चला कि आरोपी के 11.60 ग्राम स्मैक है। इसके साथ ही आरोपी के पास से कुल 10.50 हजार रुपये भी बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम फैज सैफी (31) निवासी आम का बगीचा के पास वार्ड न. 59 बनभूलपुरा बताया। पुलिस के अनुसार आरोपी पुलिस तस्करी का काम करता है। मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

लोनिवि के टेंडर में मचा बवाल, सात दबोचे

- एक लाइसेंसी रिवॉल्वर और इनोवा कार पुलिस ने की सीज
- ठेकेदार को टेंडर डालने से रोकने पर हुआ विवाद

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) कार्यालय रामनगर में सोमवार को टेंडर प्रक्रिया के दौरान दो पक्षों में कहासुनी और हंगामा हो गया। ठेकों को लेकर हुए विवाद में कुछ लोगों द्वारा अन्य ठेकेदारों को टेंडर डालने से रोकने और एक बाबू के साथ हाथापाई की भी चर्चा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुँची और माहौल बिगाड़ रहे सात लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस एक्ट में चालान कर दिया।

पुलिस ने मौके से एक इनोवा वाहन सीज किया और बन्नाखेड़ा निवासी दयाल सिंह पन्नू की लाइसेंसी रिवॉल्वर भी जब्त कर ली।

कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि सज्जन सिंह, दयाल सिंह पन्नू, नरेंद्र सिंह, सर्वजीत सिंह, विक्की सिंह, सुखराज सिंह और सरदूल सिंह को हिरासत में लिया गया। ये सभी उसी इनोवा वाहन से कार्यालय पहुंचे थे, जिसे बाद में पुलिस ने सीज कर दिया। उन्होंने कहा कि सभी का पुलिस एक्ट में चालान किया गया है। साथ ही उन्होंने विभागों को कार्यालय परिसर में जल्द सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश भी दिए।

उधर निर्माण खंड लोनिवि के अधिशासी अभियंता संजय चौहान ने बताया कि कोटाबाग, बैलपड़ाव आदि क्षेत्रों की सड़कों के निर्माण कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने प्रक्रिया बाधित करने का प्रयास किया, जिसकी सूचना एसडीएम प्रमोद कुमार और पुलिस को दी गई। पुलिस ने समय पर पहुंचकर स्थिति नियंत्रण में कर ली। बाद में सभी टेंडर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। उन्होंने कहा कि भविष्य में टेंडर प्रक्रिया के दौरान कार्यालय के अंदर केवल ठेकेदार और उनका अधिकृत स्टाफ ही प्रवेश कर सकेगा। बाहरी लोगों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा और पुलिस प्रशासन से सुरक्षा भी मांगी जाएगी। विभागीय अधिकारियों और स्टाफ ने टेंडर प्रक्रिया के दौरान पहले से पुलिस बल उपलब्ध न होने पर कोतवाली पहुंचकर नाराजगी भी जताई।

रामनगर कोतवाल सुशील कुमार को जानकारी देते लोनिवि अधिकारी।

लोनिवि के पूर्व जेई के घर से सोना और नगदी चोरी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: चोरों ने लोनिवि से सेवानिवृत्त जेई के घर सेंध लगाकर आठ तोला सोना और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घरवालों को चोरी की भनक तक नहीं लगी। पुलिस ने संदेह के आधार पर घर के निचले हिस्से में किराये पर रहने वाली एक महिला को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

पुलिस के अनुसार सुरेश चंद्र तिवारी पत्नी प्रेमा तिवारी के साथ श्यामा गार्डन में रहते हैं। उनके दो बेटे अमेरिका और नोएडा में टेक्निकल फील्ड में नौकरी करते हैं। तिवारी ने बताया कि तीन दिसंबर की सुबह अलमारी के पास सामान बिखरा देख पत्नी को शक हुआ। जांच करने पर लॉकर से मंगलसूत्र, चांदी का कटोरा, चार-पांच अंगूठियां, करीब पांच हजार रुपये नकद समेत आदि गायब थे। सामान गायब होने पर दंपति ने घर में काफी खोजबीन की लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना देकर तहरीर दी। शुक्रवार को मुखानी पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास पूछताछ की। जांच के दौरान घर में किराये पर रहने वाली एक महिला पर पुलिस को शक हुआ, जिसे हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। एसओ मुखानी सुशील जोशी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, जल्द ही घटना का खुलासा होगा।

मॉकड्रिल : काठगोदाम में आतंकियों से भिड़ंत

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: दिल्ली में हुए बम विस्फोट के बाद नैनीताल जिले में आतंकी हमलों से बचाव को लेकर तैयारी जारी है। कैंचीधाम के बाद काठगोदाम रेलवे स्टेशन में आतंकवादी हमले को लेकर मॉकड्रिल की गई।

परिकल्पना के अनुसार शुक्रवार को रेलवे स्टेशन काठगोदाम पर एक व्यक्ति आसिफ ने जीआरपी थाना काठगोदाम को कुछ हथियारबंद लोगों द्वारा प्लेटफार्म नंबर एक पर फायरिंग करके रेलवे स्टेशन काठगोदाम के दक्षिणी छोर की तरफ भागने की सूचना दी गई। घटना की सूचना से तत्काल सिटी कंट्रोल रूम से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस अधीक्षक नगर मनोज कुमार कत्याल ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए हाई अलर्ट जारी किया और हल्द्वानी सीओ अमित कुमार को कार्यवाही को कहा। सीओ मौके पर कमान संभालने के साथ ही इलाके को सील कर दिया तथा सशस्त्र बलों के माध्यम से संपूर्ण रेलवे स्टेशन परिसर की घेराबंदी कर दी गई। परिकल्पना के अनुसार आतंकवादियों ने तीन लोगों को बंधक बनाया था, जवाबी कार्यवाही के दौरान आतंकवाद निरोधक दस्ते ने ऑपरेशन चलाकर दो आतंकवादियों को मौके पर मार गिराया, एक घायल व एक आतंकवादी को जीवित पकड़ बंधकों को सुरक्षित निकाला गया। जीवित पकड़े गए आतंकवादी से थाना जीआरपी काठगोदाम में लाकर पूछताछ की गई। उसने बताया कि एक बम प्लेटफार्म नंबर एक के टिकट घर के बाहर एक गत्ते की पेटी में लगाया गया है। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल चौहान, एफएसओ अमिंदर पाल सिंह आदि रहे।

काठगोदाम में मॉकड्रिल के दौरान एसपी मनोज कात्याल, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान व अन्य। ● अमृत विचार

हड्डी की गंभीर चोटों में सर्जरी की आवश्यकता

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेज के अस्थि रोग विभाग ने लेक्चर थियेटर में जटिल एवं चुनौतीपूर्ण मामलों पर विशेष सेमिनार किया। इसका उद्देश्य जटिल उपचारों की जानकारी साझा करना और मेडिकल विद्यार्थियों को व्यवहारिक शिक्षा प्रदान करना था।

सेमिनार में विभाग के वरिष्ठ विशेषज्ञ प्रो. डॉ. गणेश सिंह ने ओपन या कम्पाउंड फ्रैक्चर की गंभीरता पर बताते हुए कहा कि ऐसे मामलों में हड्डी त्वचा को फाड़कर बाहर निकल आती है, जिससे संक्रमण, मांसपेशी क्षति, नसों व रक्त वाहिनियों की चोट जैसी गंभीर स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे मामलों में त्वरित उपचार व विशेषज्ञ सर्जरी आवश्यक होती है। हड्डी के ट्यूमर पर बताया कि ये तेजी से बढ़ने वाले रोग होते हैं, जो हड्डी को कमजोर कर देते हैं। फेफड़ों तक फैलने का जोखिम भी अधिक रहता है। ऐसे मामलों में जटिल सर्जरी व कीमोथेरेपी की जरूरत होती है। उन्होंने बताया कि रीढ़ की नसों पर दबाव होने से रोगी में पैरालिसिस का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे कई ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए हैं। इस दौरान विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. पंकज सिंह, डॉ. उमेश, डॉ. हरिशंकर पांडे, डॉ. उषा जोशी, डॉ. प्रभात पंत, डॉ. अजय, डॉ. राहुल थे।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शनिवार, 6 दिसंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

पत्रकार नितेश जोशी को मातृ पर शोक

रामनगर : नगर के पत्रकार नितेश जोशी की 70 वर्षीय माता श्यामा जोशी का निधन हो गया। वे अपने पीछे हंसता-खेलता परिवार छोड़ गईं। शुक्रवार को विश्राम घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। चिता को मुखाग्नि उनके पुत्रों नितेश जोशी और भारत जोशी ने दी। नगर के सभी पत्रकारों ने उनके निधन पर गहरा शोक जताया। शोक व्यक्त करने वालों में विनोद पपनै, हरीश भट्ट, डॉ. जफर सैफी, चंचल गोला, गिरीश पांडे, गणेश रावत, नाजिम सलमान, त्रिलोक रावत, राजू वर्मा, अजीत गोस्वामी, राजीव अग्रवाल, बंटी अरोड़ा, नदीम वारसी, रोहित गोस्वामी, सलीम मलिक, खुशाल रावत, गोविंद पाटनी, दानिश खान, रागिब खान, नदीम कुरैशी, चंद्रसेन कश्यप, अमित बेलवाल, नवीन पोखरियाल, विक्की कश्यप, चंद्रशेखर जोशी, गगन कुमार, आसिफ इकबाल, विमला अधिकारी, मोहम्मद उस्मान, कैफ खान, नावेद सैफी आदि शामिल रहे।

श्यामा जोशी। (फाइल)

पूर्व सैनिक के निधन पर शोक व्यक्त किया

भीमताल : पूर्व सैनिक लीग भीमताल ने स्व. हवालदार (सेना मेडल) सुनील थापा के आकस्मिक निधन पर शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि व्यक्त की। इस दौरान उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। वक्ताओं ने कहा कि स्व. सुनील थापा हंसमुख एवं मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे और लीग में हमेशा सहयोग देते थे। यहां एनबी जोशी, कृपाल सिंह रौतेला, सुशील खड़का, घनश्याम खड़क, संदीप गोरखा, लवेन्द्र रौतेला, करन सिंह जलाल, जीवन पलडिया रहे।

बाल विवाह मुक्त भारत को जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

भीमताल : बाल विकास परियोजना भीमताल के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र वार्ड संख्या-8 में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बाल विवाह के परिणाम को प्रभावी ढंग से जनता के सामने प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर लोगों को इस प्रथा को समाप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित लोगों ने बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ ली और समाज में बाल विवाह रोकने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री गीतिका, इंदु व अंकित राम आदि मौजूद थे।

प्रोफेसर पर अभद्र व्यवहार का आरोप, छात्रों का हंगामा

आक्रोशित छात्र नेताओं ने बीएफए विभाग में की तालाबंदी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: डीएसबी परिसर के बीएफए विभाग में शुक्रवार को छात्र नेताओं ने प्रो. एमएस. मावरी पर छात्राओं से अभद्र एवं अशोभनीय भाषा प्रयोग का आरोप लगाते हुए विभाग में तालाबंदी कर दी। लगभग चार घंटे चली इस कार्रवाई से विभागीय कार्य बाधित रहा। जिससे विभाग में गहमागहमी का माहौल रहा।

छात्र महासंघ अध्यक्ष आशीष कबड़वाल, छात्रसंघ अध्यक्ष करन सती और सचिव आयुष आर्या के नेतृत्व में छात्रों ने विभाग के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। विरोध-प्रदर्शन कर रहे छात्र प्रो. एमएस. मावरी को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। छात्रों का आरोप है कि प्रोफेसर मावरी छात्राओं से अनुचित भाषा का प्रयोग करते हैं तथा जानबूझकर छात्रों को फेल करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रो. मावरी द्वेषभावना के चलते

बीएफए विभाग में तालाबंदी करते छात्र पदाधिकारी। ● अमृत विचार

● बोले छात्र-प्रो. मावरी ने त्यागपत्र नहीं दिया तो करेंगे उग्र आंदोलन

असाइनमेंट भी स्वीकार नहीं करते। छात्रों द्वारा की गई तालाबंदी के दौरान विभाग का टीचिंग स्टाफ भी भीतर ही बंद रहा। कला संकायाध्यक्ष प्रो. रजनीश पांडे मौके पर पहुंचे और छात्रों को आश्वासन दिया कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिकायत पत्र कुलपति को भेजा जाएगा। आश्वासन के बाद छात्रों ने दोपहर करीब दो बजे तालाबंदी समाप्त कर दी। छात्र नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सोमवार तक प्रो. मावरी त्यागपत्र नहीं देते, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। इस दौरान प्रो. एच.सी.एस. बिष्ट, प्रो. सावित्री कैड़ा जंतवाल, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. हृदयेश कुमार शर्मा, महासंघ अध्यक्ष आशीष कबड़वाल, सचिव आयुष आर्या, अध्यक्ष करन सती, वेदांत पांडे, अतुल रावत, भानु प्रताप सिंह सहित कई छात्र मौजूद रहे।

नव वर्ष की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक

भीमताल, अमृत विचार: नौकुचियाताल में पर्यटन कारोबारियों ने क्रिसमस और नव वर्ष की तैयारियों को लेकर नौकुचिया हाउस में बैठक आयोजित की। यहां हुई बैठक में वक्ताओं ने भीमताल-नौकुचियाताल सड़क को ठीक कराने की मांग की। उन्होंने ठंड को देखते हुए क्षेत्र में अलाव की व्यवस्था कराने के साथ ही साफ-सफाई को दुरुस्त कराने की मांग उठाई गई।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि नैनीताल में होने वाले विंटर कार्निवाल के तहत भीमताल और नौकुचियाताल में भी विभिन्न प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

बैठक में थाना भीमताल से कोतवाल राजेश यादव, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी राहुल कुमार, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अधिकारी विश्व मोहन गिरी, के.के. पाठक, सिंचाई विभाग से शंकर, जिलेदार अनिल चनौतिया, अर्जुन बर्मा, रणवीर महरा, संजीव भट्ट, चंद्रदत्त बृजवासी, महिपाल महरा, आयुष जोशी आदि उपस्थित रहे।

कालाढूंगी में विधायक बंशीधर भगत को ज्ञापन सौंपते जिप्सी संचालक। ● अमृत विचार

जिप्सी संचालकों ने विधायक भगत से की परमिट जारी कराने की मांग

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: शुक्रवार को जिप्सी संचालक विधायक बंशीधर भगत के आवास पहुंचे और उन्हें जल्द परमिट जारी कराने की मांग की। जिप्सी संचालकों ने बताया कि हाल ही में परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम ने कालाढूंगी में बिना परमिट चल रही कॉर्बेट जंगल सफारी की तीन जिप्सियों का चालान किया, जिससे संचालकों में रोष है।

उनका कहना है कि पिछले वर्ष से उन्होंने आरटीओ कार्यालय में परमिट को आवेदन किया है, लेकिन आज तक परमिट जारी नहीं हुआ। 2024 दिसंबर में कॉर्बेट जंगल सफारी खोली गई, और विधायक के निर्देश पर कहा गया था कि परमिट जारी होने तक कोई कार्रवाई नहीं होगी, लेकिन बुधवार को तीन जिप्सियों का चालान कर दिया गया। कहा कि उनकी रोजी-रोटी संकट में पड़ गई है। उन्होंने शीघ्र परमिट या वैकल्पिक परमिट उपलब्ध कराने की मांग की।

ग्रामीणों ने पूर्व की भांति हक-हकूक देने की मांग की

कालाढूंगी : ग्रामीणों ने विधायक बंशीधर भगत को ज्ञापन सौंपते हुए पूर्व की भांति हक-हकूक उपलब्ध कराने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्रवासियों को निहाल नदी से हर वर्ष हक-हकूक मिलते थे, लेकिन तीन वर्षों से वन विभाग केवल एक परमिट जारी कर रहा है, जिसमें मात्र 20 घनमीटर रेता दिया जा रहा है। इससे काश्तकारों के मकान व गौशालाओं का निर्माण अधर में लटक गया है। विधायक भगत ने रामनगर वन प्रभाग के डीएफओ ध्रुव मर्तोलिया से फोन पर बात कर समस्या के समाधान के निर्देश दिए। भाजपा नेता कुंदन बसेड़ा, विनोद बुढ़लाकोटी, सचिन मेहरा, कुंदन जंतवाल, मनोज पेटशाली, नीरज रावल, भगवान कुमटीया, सचिन वर्मा रहे।

मुख्यमंत्री से सम्मान प्राप्त करते दिव्यांग बच्चे। ● अमृत विचार

सीएम से पुरस्कार प्राप्त कर गदगद हुए दिव्यांग बच्चे

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: सीएम धामी के हाथों पुरस्कार प्राप्त करते हुए यूएसआर इंदु समिति के बच्चे गाड़ी नजर आए। बता दें कि विश्व दिव्यांगता दिवस पर मुख्यमंत्री ने यूएसआर इंदु समिति के दिव्यांग छात्रों दिशु मठपाल, जितेन्द्र पटवाल व भारती सैनी को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रमाणपत्र व पुरस्कृत राशि भेंट की थी। कार्यक्रम उपरांत समिति के प्रबंधतंत्र में संदीप रावत एवं हिमांशु रावत ने कहा कि विद्यालय में शिक्षा पाने वाले सभी दिव्यांग बच्चे शिक्षा के साथ साथ खेल जगत में भी निरंतर आगे बढ़ रहे है। उन्होंने कहा कि उन्हें भरोसा है कि उनके संस्थान के बच्चे आगे चलकर उनके विद्यालय का ही नहीं बल्कि प्रदेश का नाम भी रोशन करेंगे।

डीएम के दरबार में पहुंचा छोटा कैलाश के चुनाव का मामला

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: विकासखंड भीमताल के अंतर्गत पिंनरौ ग्राम सभा में स्थित देश-विदेश में ख्याति प्राप्त आदि कैलाश (छोटा कैलाश) में कराए गए चुनाव का प्रकरण जिलाधिका के पास पहुंच गया है।

क्षेत्र के कुछ श्रद्धालुओं और पूर्व में गठित आदि कैलाश मंदिर समिति के सदस्यों ने जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल से मुलाकात कर वर्तमान में कुछ लोगों द्वारा क्षेत्रवासियों को विश्वास में लिए बिना नई समिति का गठन किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। शिष्टमंडल ने अवगत कराया कि कुछ लोगों ने आदि कैलाश मंदिर समिति में बलपूर्वक चुनाव कराया है, जो समिति के बायलॉज के खिलाफ है। समिति का पंजीकरण

आदि कैलाश मंदिर समिति से संबंधित लोग मिले थे। उप जिलाधिकारी नैनीताल को समिति के बायलॉज का अध्ययन कर मामले में निर्णय लेने के निर्देश दिए गए हैं।
-ललित मोहन रयाल, जिलाधिकारी नैनीताल

9 जनवरी 2027 तक विधिसम्मत है। बिना किसी सूचना एवं एजेंडा के यह प्रक्रिया होना निंदनीय है। यहां तक कि समिति के स्थानीय सदस्य एवं जनप्रतिनिधि जो समिति के महत्वपूर्ण अंग हैं, उन्हें भी इस प्रक्रिया से बाहर रखा गया। समिति के अध्यक्ष के निधन के उपरांत पद रिक्त है, जिसका प्रभार बायलॉज के अनुसार उपाध्यक्ष को मिलना चाहिए था, क्योंकि समिति की वैधता 9 जनवरी 2027 तक है। इसलिए इस चुनाव का कोई औचित्य नहीं है। प्रतिनिधि मंडल ने आदि कैलाश (छोटा कैलाश) में प्रशासक-रिसीवर नियुक्त करने की मांग की।

नन्हें कलाकारों ने दिया प्रेम क्षमा व मानवता का संदेश

संवाददाता, नैनीताल

● ऑल सेंट्स' कॉलेज में क्रिसमस नाट्य एवं शैडो ड्रामा

अमृत विचार: ऑल सेंट्स कॉलेज में कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत क्रिसमस नाट्य मंचन और शैडो ड्रामा ने दर्शकों का मन मोह लिया। विद्यालय के वार्षिक क्रिसमस समारोह में स्टेजड भव्य प्रस्तुति ने आध्यात्मिकता, सौंदर्य और सृजनशीलता का अद्भुत समन्वय पेश किया। कार्यक्रम की शुरुआत शांत, तारों भरी रात्रि के प्रतीकात्मक दृश्य के साथ हुई। इसके बाद मरियम और जोसेफ की यात्रा तथा प्रभु यीशु के जन्म की कथा को नन्हें कलाकारों ने भावपूर्ण अभिनय और मधुर कैरोल्स के माध्यम से जीवंत किया। बच्चों की अभिव्यक्ति और मंच संचालन ने अभिभावकों व अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

शैडो ड्रामा कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। प्रकाश और छाया की अनूठी शैली में प्रभु यीशु द्वारा किए गए चमत्कारों को दर्शाते हुए प्रेम, क्षमा, त्याग और मानवता का सशक्त संदेश प्रस्तुत किया गया। मिनिमलिस्टिक प्रस्तुति, शांत संगीत और भावपूर्ण दृश्य संयोजन को दर्शकों ने खूब सराहा। प्रधानाचार्या अंजिना रिचर्ड्स ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रस्तुतियाँ बच्चों की सृजनात्मकता और मानवीय मूल्यों को प्रोत्साहित करती हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रशासन द्वारा कर्मचारियों को उपहार वितरित कर सद्भाव और सहभागिता का संदेश दिया गया।समारोह का समापन सभी के लिए शांति, सद्भाव और खुशी की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

मेडिकल स्टोरों में की छापामारी

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: औषधियों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गुमानपुर रामनगर क्षेत्र में औषधि निरीक्षक अर्चना ने शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया गया। औषधि निरीक्षक अर्चना ने बताया कि इस अभियान के दौरान कुल पांच औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी कैमरा, रेफ्रिजरेटर, एक्सपायरी बॉक्स के रखरखाव की जांच की गई। औषधि निरीक्षक ने दवाओं के क्रय-विक्रय जांच कर प्रभावी दवाओं को केवल डॉक्टर के वैध पर्चे पर ही विक्रय करने के लिए निर्देशित किया साथ ही औषधि निरीक्षक द्वारा सभी औषधि विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि मेडिकल स्टोर स्वामी नियमों का पालन करें। दो प्रतिष्ठानों का मौके पर क्रय विक्रय रोककर एवं तीन प्रतिष्ठान को अनियमितताओं के संबंध में सात दिनों के भीतर स्पष्टीकरण एवं अनुपालन आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान चार औषधीय नमूने गुणवत्ता जांच के लिए गए।

दुकानों का निरीक्षण करतीं औषधि निरीक्षक अर्चना। ● अमृत विचार

रामनगर पहुंची दिवाकर भट्ट की श्रद्धांजलि यात्रा

रामनगर: प्रमुख राज्य आंदोलनकारी व पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं फील्ड मार्शल दिवाकर भट्ट की श्रद्धांजलि यात्रा रामनगर शहीद पार्क पहुंची। श्रद्धांजलि सभा में आंदोलनकारियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रताप सिंह चौहान एवं इंद्र सिंह मनराल ने राज्य निर्माण में भट्ट के योगदान को याद करते हुए उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया। प्रभात ध्यानी, खड़क सिंह बगड़वाल, भुवन जोशी सहित अन्य आंदोलनकारियों ने आंदोलन की स्मृतियां साझा कीं। सभा में चंद्रशेखर जोशी, हरीश चंद्र भट्ट, सुरेंद्र सिंह नेगी, पुष्कर दुर्गापाल, योगेश सती, नवीन नैथानी, एनडी तिवारी, भुवन सिंह बिष्ट, अमित बिनवाल, मोहन कांडपाल रहे।

सीएमओ ने लालकुआं पीएचसी का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं जांची

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: सीएमओ नैनीताल डॉ. हरीश चंद्र पंत ने सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लालकुआं का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन नए भवन का मुआयना कर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बातचीत में सीएमओ ने बताया कि लालकुआं पीएचसी में मरीजों की संख्या अधिक रहने के कारण यहां एक अतिरिक्त चिकित्सक की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि रिक्त पद को जल्द भरा जाएगा। डॉ. पंत ने यह भी कहा कि नगर के पुराने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अर्बन पीएचसी खोलने का प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा, जिससे नगरवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इससे पूर्व उन्होंने पीएचसी परिसर में निर्माणाधीन नए भवन का निरीक्षण कर कार्य प्रगति की जानकारी ली। यहां सभासद भुवन पांडे, पीएचसी प्रभारी डॉ. प्रेमलता शर्मा, डॉ. लव पांडे, डॉ. अजय दीक्षित मौजूद रहे।

लालकुआं पीएचसी का निरीक्षण करते सीएमओ डॉ. हरीश चंद्र पंत। ● अमृत विचार

महाविद्यालय में लगा निःशुल्क पुस्तक मेला

हल्दूचौड़: एलबीएस डिग्री कॉलेज हल्दूचौड़ के यूओयू अध्ययन केंद्र में छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पुस्तकों का वितरण किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. सीमा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में यूओयू के क्षेत्रीय कार्यालय हल्द्वानी से रीजनल डायरेक्टर डॉ. रेखा बिष्ट एवं मधु डोगरा उपस्थित रहीं। अध्ययन केंद्र की समन्वय डॉ. रीता दुर्गापाल ने बताया कि अध्ययन केंद्र द्वारा नवम्बर और दिसम्बर माह में निःशुल्क पुस्तक वितरण किया जा रहा है। इस अवसर पर डॉ. कमला पांडे, डॉ. अनीता सिंह, डॉ. हेम चन्द्र पाण्डे, डॉ. गीता तिवारी पाण्डे, डॉ. नीलम कनवाल, डॉ. राजेन्द्र कुमार सनवाल, डॉ. गीता भट्ट, डॉ. बिपिन जोशी एवं राकेश, उमाशंकर दुम्का आदि मौजूद रहे।

निर्णय | प्रशासन और होटल एसोसिएशन की बैठक में बनी सहमति, आयोजन को लेकर किया विचार-विमर्श

सरोवर नगरी नैनीताल में फिर शुरू होगा विंटर कार्निवाल

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: क्रिसमस के अवसर पर नैनीताल में विंटर कार्निवाल को दोबारा शुरू करने की दिशा में जिला प्रशासन और नैनीताल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ने कदम आगे बढ़ा दिए हैं। गुरुवार को अपर जिलाधिकारी विवेक राय की अध्यक्षता में हुई महत्वपूर्ण बैठक में कार्निवाल को सफल बनाने को लेकर व्यापक मंथन किया गया।बैठक में 2017 तक आयोजित हुए विंटर कार्निवालों के फीडबैक की समीक्षा करते हुए इस वर्ष कार्यक्रम के स्वरूप, प्रबंधन और आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 के बाद से नैनीताल में विंटर कार्निवाल आयोजित नहीं हो सका है, ऐसे में इस बार इसे पुनः शुरू करने के लिए प्रशासन गंभीर प्रयास कर रहा है।

अपर जिलाधिकारी विवेक राय ने बताया कि बैठक में कार्निवाल के वित्तीय प्रबंधन, प्रायोजकों की व्यवस्था, स्थानीय लोक कला एवं संस्कृति को प्रोत्साहन, तथा विभागीय प्रदर्शनी जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि कार्निवाल को आकर्षक और प्रभावी बनाने के लिए सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया जाएगा।

कार्निवाल को लेकर नैनीताल में शुक्रवार को पर्यटन कारोबारियों के साथ बैठक करते अपर जिला अधिकारी। ● अमृत विचार

23 से 25 दिसंबर तक आयोजन

होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने सुझाव दिया कि विंटर कार्निवाल 23, 24 और 25 दिसंबर को आयोजित किया जाए और मसूरी की तर्ज पर इसे नैनीताल के वार्षिक पर्यटन कैलेंडर में स्थायी रूप से शामिल किया जाए।

होटल एसो. पहले ही दे चुका है ज्ञापन

होटल एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी रुचिर शाह ने बताया कि बीते दिनों एसोसिएशन द्वारा पर्यटन सचिव धीरज गर्ब्याल को पत्र भेजकर नैनीताल में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विंटर कार्निवाल पुनः शुरू करने की मांग की गई थी। इसी क्रम में अब 2017 के बाद पहली बार कार्निवाल आयोजित किए जाने की तैयारी शुरू हो गई है। बैठक में एसडीएम नवाजिश खलिक, जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी, होटल एसोसिएशन के महासचिव वेद साह, रुचिर साह सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

वाद-विवाद में राइंका पतलोट राज्य स्तर पर चौथी बार अव्वल

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: संस्कृत अकादमी की ओर से आयोजित संस्कृत स्पर्धाओं में वाद-विवाद प्रतियोगिता में राइका पतलोट लगातार तीसरी बार राज्य स्तर पर प्रथम एवं एक बार द्वितीय स्थान प्राप्त कर चुका है। इस वर्ष छात्रों के बौद्धिक विकास के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की आवश्यकता विषय पर इंटर कॉलेज पतलोट के कक्षा 11 के छात्र गुड्डू रुवाली एवं चन्दू त्रिपाठी ने मार्गदर्शक शिक्षक डॉ. हेमन्त कुमार जोशी के निर्देशन में खंड, जनपद और फिर राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में 13 जनपदों के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। दोनों छात्रों ने कनिष्ठ वर्ग की वाद-विवाद स्पर्धा में भी लगातार दो बार राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। समूहगान में हल्द्वानी के केवीएम पब्लिक स्कूल के छात्रों ने मार्गदर्शक शिक्षक अजय के निर्देशन में राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। ओखलकांडा विकासखंड के राइंका पश्यां की दीपिका परगांई ने मार्गदर्शक शिक्षक राजेश चंद्र पोखरिया के निर्देशन में आशुभाषण में प्रथम स्थान पाया। संस्कृत शिक्षा निदेशक कंचन देवरांगी, कुलपति प्रो. दिनेश शास्त्री, विधायक आदेश चौहान, सचिव प्रो. मनोज पंत ने विजेता छात्रों एवं दल-शिक्षकों को पुरस्कृत किया। वरिष्ठ वर्ग की छह में से तीन में नैनीताल विजेता रहा। जिसके लिए चल वैजयन्ती पुरस्कार शील्ड प्रदान की गई।

वाद-विवाद स्पर्धा में स्थान प्राप्त करने वाले राइका पतलोट के विद्यार्थी। ● अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

लाइन मेंटेनेंस के चलते 7 घंटे बिजली गुल

हल्द्वानी : विद्युत लाइन मेंटेनेंस के लिए यूपीसीएल ने शुक्रवार को गौलापार बिजलीघर से दिनभर बिजली की आपूर्ति बंद रखी। यूपीसीएल की ओर से बिजलीघर से सुबह 9 बजे से शाम 4 तक बिजली की आपूर्ति बंद रही। क्षेत्र में सुबह से ही बिजली की आपूर्ति बंद होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली नहीं होने से ट्यूबवेल भी चालू नहीं हो सके और लोगों को पेयजल संकट भी झेलना पड़ा। यूपीसीएल शहरी क्षेत्र के ईई प्रदीप कुमार ने बताया कि लाइन मेंटेनेंस कार्य किए जाने से आपूर्ति बाधित रही। काम पूरा होते ही बिजली की आपूर्ति शुरू कर दी गई थी।

सीवर लाइन बिछाने के दौरान नाले की दीवार टूटने से बढ़ी मुश्किलें

हल्द्वानी : राजपुरा में सीवर लाइन बिछाने के दौरान बरसाती नाले की दीवार टूट गई है, जिस कारण पानी भरने पर सीवर का काम बंद करना पड़ा। दीवार टूटने से गंदा और बदबूदार पानी जमा होने पर लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने जल निगम से इसका शीघ्र समाधान करने की मांग की। राजपुरा में इन दिनों जल निगम सीवर लाइन बिछाने का काम कर रहा है। शुक्रवार को खोदाई के दौरान लाइन नंबर तीन में बरसाती नाले की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। नाले से बहकर आ रहा गंदा पानी जमा होने पर निर्माण बंद कर दिया गया। स्थानीय लोगों के समस्या के समाधान की मांग करने पर जल निगम के सहायक अभियंता पुष्कर आर्या ने बताया कि शीघ्र ही समस्या का समाधान कर निर्माण शुरू किया जाएगा।

सिख फेडरेशन आज सौंपेगी ज्ञापन

हल्द्वानी : सिख फेडरेशन की ओर से खालसा नेशनल बालिका इंटर कॉलेज, श्री गुरु तेग बहादुर टॉवर व अन्य मुद्दों को लेकर आज दोपहर 12 बजे जिलाधिकारी को कैंप कार्यालय में ज्ञापन सौंपेगी।

रोटरी क्लब के टिनशेड का किया निरीक्षण

हल्द्वानी : रोटरी क्लब ने स्वच्छ गौला, स्वच्छ हल्द्वानी के अंतर्गत इलेक्ट्रिक शवदाह गृह परिसर में जनता की सुविधा के लिए दो टिन शेड का निर्माण कराया है। नगर आयुक्त परितोष वर्मा, सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट और नगर निगम के एई नवल नौटियाल ने शुक्रवार को इसका निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद नगर आयुक्त ने रोटरी क्लब को उनके कार्यों के लिए बधाई दी। इस दौरान रोटरी क्लब के अध्यक्ष मनोज शाह, सचिव आशीष दुम्का, अनिल कर्नाटक, एमसी डालाकोटी, वीके शर्मा, जेके चड्ढा और सौरव साह आदि उपस्थित रहे।

हर पात्र को मतदाता सूची में शामिल करना मकसद

जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने एसआईआर को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ललित मोहन रयाल ने शुक्रवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर प्रारंभिक तैयारियों की राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी दी ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

डीएम ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1950 के अनुच्छेद 324, खंड-21 के तहत केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने शक्तियों का प्रयोग कर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किए जाने के लिए आरपी एक्ट-1950 में प्रावधान है। निर्वाचन आयोग ने अलग-अलग वर्षों में इससे पूर्व 11 बार एसआईआर पूरे देश में किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में वर्ष 2003 में एसआईआर किया गया था। आयोग का इस पूरी प्रकिया के पीछे उद्देश्य हर पात्र मतदाता को मतदाता सूची में शामिल करना है। अब तृतीय चक में उत्तराखंड के लिए एसआईआर होगा।

उन्होंने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 326 में प्रावधान है कि प्रत्येक मतदाता भारत का नागरिक हो, अर्हता तिथि पर 18 वर्ष से कम आयु नहीं होनी चाहिए, किसी भी कानून के तहत अन्यथा अयोग्य नहीं होने पर मतदाता सूची में पंजीकृत होने का हकदार होगा। राज्य में निर्वाचक नामावलियों का 1. जनवरी 2003 की अर्हता तिथि के आधार पर अंतिम बार गहन पुनरीक्षण वर्ष 2003 में किया गया था। राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की जिज्ञासाओं को भी शांत किया गया।

इस दौरान एडीएम विवेक राय, एसडीएम राहुल शाह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी हंसा दत्त पांडे, कांग्रेस से जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल, सुहेल अहमद सिद्दीकी, गोविन्द बिष्ट, भाजपा से प्रकाश पटवाल, रंजन सिंह बर्गली, दिनेश चन्द्र खुल्बे, बीएसपी से आसिफ हुसैन, कृष्ण चन्द्र आदि उपस्थित थे।

एसआईआर को लेकर बैठक करते जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल। ● अमृत विचार

भारत में जन्मे लोगों की नागरिकता तीन श्रेणियों में वगीकृत

- डीएम ने नागरिकता के बारे में बताया कि नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा-3 के अनुसार 26 जनवरी 1950 या उसके बाद भारत में जन्मे व्यक्तियों को तीन श्रेणियों में वगीकृत किया गया है। पहली श्रेणी में 26 जनवरी 1950 या उसके बाद लेकिन 1 जुलाई 1987 से पहले जन्मे व्यक्ति अर्थात 30 जून 1987 तक है।
- दूसरी श्रेणी में वह व्यक्ति जिनका जन्म 1 जुलाई, 1987 को या उसके बार किन्तु नागरिकता संशोधन अधिनियम-2003 के लागू होने से पहले हुआ हो अर्थात 3 दिसंबर 2004 से पहले 2 दिसंबर 2004 तक तथा जिनके माता-पिता में से कोई एक उनके जन्म के साथ भारत का नागरिक हो।
- तीसरी श्रेणी में 3 दिसंबर 2004 या उसके बाद जन्मे व्यक्ति जहां- (क) उसके माता-पिता दोनों भारत के नागरिक हैं या (ख) जिसके माता-पिता में से एक भारत का नागरिक हो तथा दूसरा उसके जन्म के समय अवैध प्रवासी न हो।

एसआईआर के लिए निर्धारित दस्तावेजों की सूची

- किसी भी केंद्र व राज्य सरकार/पीएसयू के नियमित कर्मचारी/पेंशनभोगी को जारी किया गया कोई पहचान पत्र/पेंशन भुगतान आदेश।
- एक जनवरी 1987 से पहले भारत में सरकार स्थानीय प्राधिकरणों / बैंको / डाकघर / एलआईसी / पीएसयू द्वारा जारी कोई भी पहचान पत्र / प्रमाण-पत्र /दस्तावेज।
- सक्षम प्राधिकारी की ओर से जारी जन्म प्रमाण-पत्र, पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालयों से जारी मैट्रिकुलशन/ शैक्षिक प्रमाण पत्र।
- सक्षम राज्य प्राधिकारी की ओर से जारी स्थायी निवास प्रमाण पत्र।
- वन अधिकार प्रमाण-पत्र, ओबीसी/एससी/एसटी या सक्षम प्राधिकारी से जारी कोई भी जाति प्रमाण-पत्र।
- राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहां भी मौजूद हो)। राज्य/स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा तैयार किया गया परिवार रजिस्टर।
- सरकार द्वारा जारी कोई भूमि/मकान आवंटन प्रमाण-पत्र।
- आधार अधिनियम की धारा-9 के अनुसार, आधार संख्या या उसका प्रमाणीकरण, किसी आधार संख्या धारक के संबंध में नागरिकता या निवास का कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगा या उसका प्रमाण नहीं होगा।

राजनीतिक दल नियुक्त कर सकता है बूथ लेवल एजेंट

हल्द्वानी : डीएम रयाल ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देश हैं कि मतदाता सूची के प्रत्येक भाग के लिए राष्ट्रीय राजनीतिक दलों की ओर से प्रत्येक बूथ के लिए बूथ लेवल एजेन्ट (बीएलए) नियुक्त किया जा सकता है। बीएलए मतदाता सूची के उस संबंधित भाग में पंजीकृत मतदाता होना चाहिए। जहां उसे नियुक्त किया गया है। मतदाता सूची के उसी भाग से बीएलए उपलब्ध न होने की स्थिति में, उसी विधान सभा क्षेत्र के किसी भी पंजीकृत मतदाता से बीएलए नियुक्त किया जा सकता है। बीएलए उस भाग की प्रारूप सूची में प्रविष्टियों की जांच करेगा ताकि मृत या स्थानान्तरित मतदाताओं की प्रविष्टियों की पहचान की जा सके। केंद्रीय चुनाव आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी के लिए राजनैतिक दलों की ओर से नियुक्त बीएलए को एसआईआर गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के उद्देश्य से मतदेय स्थलवार बीएलए की नियुक्ति करें। बताया कि भाजपा और कांग्रेस की ओर से बीएलए-1 की नियुक्ति की गई है। भाजपा की ओर से 212 बीएलए-2 की नियुक्ति की गई है। उन्होंने राष्ट्रीय राजनीतिक दलों से 20 दिसंबर तक बीएलए-1 तथा बीएलए-2 की नियुक्ति सूची उपलब्ध कराने के की अपील की।

आरएसएस के सर कार्यवाह नौ से कुमाऊं के तीन दिनी प्रवास पर

हल्द्वानी : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले तीन दिवसीय कुमाऊं प्रवास पर नौ दिसंबर को पहुंच रहे हैं।

यह जानकारी देते हुए प्रांत संघ चालक डॉ. बहादुर सिंह बिष्ट ने बताया कि सरकार्यवाह नौ दिसंबर की सुबह रुद्रपुर पहुंचकर प्रमुख नागरिक गोष्ठी में प्रतिभाग कर समाज के प्रमुख लोगों के साथ विभिन्न समसामयिक विषयों पर संवाद स्थापित करेंगे। वह 10 दिसंबर को हल्द्वानी प्रवास में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न श्रेणी के कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे व शाम को हल्द्वानी नगर के स्वयंसेवकों के साथ बैठक करेंगे। वह 11 दिसंबर को समाज के प्रमुख धार्मिक, सामाजिक, व्यापारिक व बुद्धिजीवी वर्ग के साथ अलग-अलग चर्चा-वार्ता करेंगे।

शाम को 3 से5 तक एमबीपीजी कॉलेज में सामाजिक सद्भाव बैठक में प्रतिभाग कर समाज के विभिन्न वर्गों के साथ संवाद स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर पूरे देश भर में शताब्दी वर्ष कार्यक्रम चल रहे हैं जिसके निमित्त सभी देशवासियों को संघ कार्य की जानकारी देते हुए प्रत्येक घर तक संघ को पहुंचाने का लक्ष्य हैं।

जलभराव से निजात दिलाने को बनाएं कार्ययोजना: नगर आयुक्त

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने शुक्रवार को यूयूएसडीए के अधिकारियों के साथ रकसिया नाले का बिड़ला स्कूल से प्रेमपुर लोशज्ञानी तक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित किया गया, जहां पर नाले के पानी के बहाव के कारण आबादी क्षेत्र में जल भराव की समस्या होती है। उल्लेखनीय है कि हर साल बरसात के दौरान इस क्षेत्र में जलभराव होने से घरों और दुकानों में पानी घुस जाता है। साथ ही सड़क पर वाहनों का आवागमन प्रभावित होने से जाम लगता है। नगर आयुक्त ने ऐसे क्षेत्रों के लिए प्रभावी कार्य योजना बनाने के लिए यूयूएसडीए को निर्देशित किया। जिससे भविष्य में जल भराव की समस्या से निजात पाया जा सके। निरीक्षण के दौरान यूयूएसडीए के प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह, सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट, एई नवल नौटियाल आदि उपस्थित रहे। इधर, नगर आयुक्त ने निगम के काठगोदाम स्थित बालक इंटर कॉलेज और बालिका इंटर कॉलेज का निरीक्षण भी किया। दोनों ही स्कूलों में दो-दो स्मार्ट क्लास चलाने के लिए कक्षा कक्षों को चिन्हित किया गया। नगर आयुक्त ने बताया कि निगम के दोनों ही स्कूलों में स्मार्ट क्लास चलाने से यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों को शैक्षिक लाभ मिलेगा। इस दौरान सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट, सहायक अभियंता नवल नौटियाल रहे।

यूयूएसडीए के अधिकारियों के साथ रकसिया नाले का निरीक्षण करते नगर आयुक्त परितोष वर्मा।

मल्हार बटालियन 15 कुमाऊं रेजीमेंट ने युद्ध सम्मान दिवस मनाया

हल्द्वानी : इंदौर-ब्रवेस्ट ऑफ द ब्रेव के नाम से विख्यात मल्हार बटालियन 15 कुमाऊं रेजीमेंट का युद्ध सम्मान दिवस आरटीओ रोड स्थित बैंक्वट हॉल में मनाया गया। मुख्य अतिथि कुमाऊं रेजीमेंट के कमांडेंट ब्रिगेडियर संजय यादव वीएसएम रहे। कैप्टन चंद्रवीर सिंह बसेड़ा ने रेजीमेंट के ऐतिहासिक महत्व के बारे में अवगत कराया। इस मौके पर पर 1971 भारत-पाक युद्ध के जांबाज कैप्टन मोहन सिंह उलसाई, कैप्टन प्रताप सिंह डसीला, कैप्टन श्याम सिंह बिष्ट, समिति अध्यक्ष कैप्टन नारायण सिंह रौतेला, कैप्टन खड़क सिंह सौन, नैनीताल जिला सैनिक लीग अध्यक्ष कर्नल भूपाल सिंह रौतेला, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल रमेश सिंह, राजस्थान से पहुंचे कैप्टन भूपेंद्र हाडा, लखनऊ से कैप्टन दरबान सिंह बनकोटी आदि रहे।

जनप्रतिनिधियों ने उठाईं समस्याएं

ब्लॉक सभागार में आयोजित बैठक को संबोधित करते विधायक राम सिंह कैड़ा। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- धारी ब्लॉक के सभागार में बीडीसी बैठक आयोजित

अमृत विचार : भाजपा के भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने धारी ब्लॉक के सभागार में बीडीसी बैठक में जनप्रतिनिधियों की समस्याओं को सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के तत्काल समाधान के निर्देश दिए।

शुक्रवार को हुई बीडीसी बैठक में ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्यों, जनप्रतिनिधियों ने बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी मूलभूत समस्याओं को विधायक कैड़ा व अधिकारियों के सामने उठाया। इस पर विधायक ने कहा अधिकारी जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों व जनता से जुड़ी समस्याओं के समाधान करने का काम करें।

बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख भावना आर्या ने की। ब्लॉक प्रमुख भावना ने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। अधिकारियों से भी समस्याओं का समाधान करने की मांग की। साथ ही विधायक ने सभी को आश्वस्त भी किया गांवों में विकास कार्यों व समस्याओं के समाधान करने की दिशा में लगातार काम किया जाएगा।

इस दौरान ज्येष्ठ प्रमुख नंदाबल्ल्भ बृजवासी, जिपं सदस्य रेखा देवी, दीपक बिष्ट डीडीओ गोपाल गिरी गोस्वामी, एसडीएम अंशुल भट्ट आदि रहे।

डीएम को ज्ञापन सौंपते खनन वाहन स्वामी। ● अमृत विचार

80 क्विंटल वजन लागू करने की मांग

हल्द्वानी, अमृत विचार : गौला खनन मजदूर उत्थान समिति ने डीएम को ज्ञापन सौंपकर ट्रॉली में 80 और डंपर में 108 क्विंटल वजन लागू करने की मांग की। शुक्रवार को समिति अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने डीएम ललित मोहन रयाल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि वन विकास निगम ने इस बार नंधौर नदी में वजन में विसंगति की है जिस वजह से नियमानुसार खनन नहीं हो पा रहा है। उन्होंने पूर्व की भांति खनन डंपरों में 108 और ट्रैक्टर ट्राली में 80 क्विंटल से अधिक के वजन की निकासी पर एक दिन के लिए उक्त वाहन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। इससे खनन गेटों पर व्यवस्था सुचारू रूप से चल सकेगी। इस दौरान जीवन कबडवाल, इंद्र सिंह नयाल, नवीन चंद्र जोशी थे।

पार्षद ने की विधायक सुमित हृदयेश से जनसमस्याओं के समाधान की मांग

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : पार्षद इमरान खान ने विधायक सुमित हृदयेश से मिलकर हल्द्वानी के वार्ड 28 से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। प्रमुख रूप से उन्होंने सती कालोनी, कृष्ण कालोनी, धर्मपाल कालोनी और सफदर साहब के बगीचे में सीवर लाइन से वंचित क्षेत्रों का मुद्दा उठाया।

इमरान खान ने बताया कि इन क्षेत्रों का पहले सर्वे किया गया था, लेकिन अब तक इन्हें सीवर लाइन से जोड़ा नहीं जा सका है। उन्होंने विधायक से आग्रह किया कि इस मामले में जल निगम को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए जाएं। विधायक सुमित हृदयेश ने इस पर सहमति जताते हुए जल निगम को आवश्यक कदम उठाने के लिए आदेशित किया। इसके अलावा, वार्ड 28 में पानी की समस्या को भी प्रमुख मुद्दा के रूप में रखा गया। पार्षद ने इस मुद्दे को जल्द हल करने की दिशा में कार्य योजना बनाने की बात की, जिससे इलाके के निवासियों को राहत मिल सके।

विधायक सुमित हृदयेश को ज्ञापन सौंपते पार्षद इमरान खान। ● अमृत विचार

ग्रामीणों को दी यूसीसी जानकारी

हल्द्वानी : जिला प्रशासन की ओर से समान नागरिक संहिता यूसीसी को लेकर जागरूकता अभियान जारी है। शुक्रवार को बाल विकास विभाग की ओर से मोटाहल्दू में हैड़ा गज्जर केंद्र में नुक्कड़ नाटक किया गया। इस नाटक के जरिए ग्रामीणों को जानकारी दी गई कि जिनका विवाह 27 जनवरी 2010 के बाद हुआ है, उन्हें यूसीसी में विवाह पंजीयन कराना अनिवार्य है।

विवाह पंजीयन के लिए नगर निगम, पालिका, व सीएससी केंद्र में निशुल्क पंजीयन करवा सकते हैं। इस दौरान ग्राम प्रधान केशवदत्त पंत, बाल विकास सुपरवाइजर पूनम गोस्वामी, त्रिलोक चंद्र, दिव्य राज सिंह, आंगनबाड़ी कार्यकत्री चंपा मेहता, चंद्रकला, कंचन तिवारी पार्वती, संगीता, शीला, गीतांजली, सुनीता नेगी, जानकी, पूनम मौजूद रहीं।

एमबीपीजी में 190 छात्रों ने छोड़ी परीक्षा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : एमबीपीजी कॉलेज में शुक्रवार को पहली पाली में बीए डिजास्टर रिस्पांस, बीएससी डिजास्टर प्रिपेरेडनेस और पब्लिक पॉलिसी की परीक्षाएं हुई। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए कॉलेज में कुल 60 परीक्षा कक्षों की व्यवस्था की गई थी। पहले सत्र में बीए डिजास्टर रिस्पांस, बीएससी डिजास्टर प्रिपेरेडनेस और पब्लिक पॉलिसी की परीक्षा आयोजित की गई।

बीए डिजास्टर रिस्पांस में 1594 छात्र उपस्थित रहे, जबकि 140 छात्रों ने परीक्षा नहीं दी। बीएससी में 503 छात्र उपस्थित रहे और 15 अनुपस्थित रहे। डिजास्टर प्रिपेरेडनेस में 52 उपस्थित और 30 छात्र अनुपस्थित रहे। पब्लिक पॉलिसी में 22 छात्र उपस्थित रहे, जबकि 4 छात्रों ने परीक्षा नहीं दी। शुक्रवार की परीक्षा में सभी पाठ्यक्रमों में कुल 2172 छात्र उपस्थित रहे, जबकि 190 छात्र अनुपस्थित रहे। एमबीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण रही और इस दौरान कोई नकलची नहीं पकड़ा गया।

इधर, राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में शुक्रवार को दूसरी पाली में बीकॉम ऑनर्स तृतीय सेमेस्टर में पंजीकृत 57 विद्यार्थियों में सभी ने परीक्षा दी। जबकि शेड्यूल के अनुसार पहली पाली में कोई परीक्षा नहीं थी।

लापरवाही 65 गाड़ियों से प्रत्येक वार्ड में रोजाना नहीं उठ पा रहा कूड़ा, लोग परेशान

आठ महीने के बाद भी नहीं मिल सके 55 कूड़ा वाहन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नगर निगम में कूड़ा कलेक्शन की समस्या बनी हुई है। इसका प्रमुख कारण है कि नगर निगम के पास कूड़ा कलेक्शन वाहनों की संख्या पर्याप्त नहीं है। निगम को 60 वार्डों में प्रति वार्ड दो वाहनों की जरूरत के हिसाब से 120 वाहनों की जरुरत है, लेकिन वर्तमान में निगम के पास 65 ही गाड़ियां उपलब्ध हैं, जिनका इस्तेमाल कूड़ा उठाने के लिए किया जाता है।

बीते मार्च में नगर निगम की पहली बोर्ड बैठक में 55 नए कूड़ा वाहन खरीदने का प्रस्ताव पारित हुआ था, जिससे शहरवासियों को शीघ्र ही नए कूड़ा वाहन मिलने की उम्मीद थी। लेकिन आठ माह बीतने और दूसरी बोर्ड बैठक होने के बावजूद अभी तक निगम को नए वाहन नहीं मिल सके हैं। वाहनों की कमी होने से वार्डों में नियमित कूड़ा नहीं उठाया जा रहा है, जिससे सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है और वार्ड के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर नए वार्डों में गाड़ियां एक या दो दिन छोड़कर पहुंच रही हैं, जिससे घरों का कूड़ा नहीं उठने से दिक्कतें हो रही हैं। उपलब्ध 65 वाहनों में भी कई बार वाहन खराब हो जाते हैं, जिससे संबंधित वार्ड में कूड़ा तीन दिन या उससे अधिक देरी में उठाया जाता है। कूड़ा नहीं उठने से सार्वजनिक स्थानों पर भी कूड़ा फेंका जाता है, जिससे गंदगी बढ़ती है। समस्या को लेकर वार्ड के पार्षद और स्थानीय लोग निगम में शिकायत करते हैं। जिस पर उन्हें शीघ्र समस्या का स्थायी समाधान होने का आश्वासन दिया जाता है।

नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि शासन स्तर पर वाहन खरीदने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। पहले चरण के तहत शीघ्र ही नगर निगम को 25 वाहन मिल जाएंगे।

वार्ड में तैनाती से कम कर्मचारी करते हैं कार्य

वार्डों में सफाई कर्मचारियों की तैनाती तो पर्याप्त है, लेकिन आए दिन शिकायत मिलते रहती है कि वार्डों में कई सफाई कर्मचारी काम नहीं करते हैं। जिससे वार्ड की सफाई व्यवस्था प्रभावित होती है। साथ ही सफाई कर्मचारियों और सफाई नायकों की आपसी खींचतान का खामियाजा भी वार्ड के लोगों को भुगतना पड़ता है।

इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने का प्रस्ताव भी था पारित

कुछ वार्डों में संकरी गलियां होने के कारण बड़े वाहन नहीं पहुंच पाते हैं, जिससे कूड़ा उठाने में दिक्कतें होती हैं। इस समस्या को लेकर निगम में शिकायतें और सुझाव दिए गए थे। पिछली बोर्ड बैठक में समस्या के समाधान के लिए छोटे इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने का प्रस्ताव भी पारित किया गया था।

विशेषज्ञों ने दिए बकरी पालन के टिप्स

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कृषि विज्ञान केन्द्र ज्योलीकोट में शुक्रवार को एक दिवसीय बकरी पालन प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। इसका शुभारंभ डॉ. संजय चौधरी ने बकरी पालन को कृषि व्यवसाय का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए हुए किया। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में बकरी पालन में बरती जाने वाली सावधानियां, आवास प्रबंधन, रोग की रोकथाम, टीकाकरण एवं रखरखाव के विषय में बताया।

डॉ. बलवान सिंह ने बकरी पालन व्यवसाय को कम निवेश में अधिक लाभ अर्जित करने के लिए छोटे एवं सीमांत किसानों के उपयुक्त बताया और प्रजनन प्रबंधन व चारा प्रबंधन पर चर्चा की। डॉ.. तरूणा वेला ने गोट वेली योजना के बारे में जानकारी दी जिसमें बकरी पालन को बढ़ावा देने के लिए ऋण सुविधा दी जाती है। कार्यक्रम में 65 कृषकों ने भाग लिया और कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञों ने भी सहयोग किया।

डॉ. कंचन नैनवाल और डॉ. अमित केसरवानी ने अनुसूचित जाति के कृषकों को गेहूं, डीबीडब्लू 222 का बीज वितरित किया। इस मौके पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. डीसी जोशी, डॉ. लक्ष्मी उपाध्याय, डॉ. पंकज उपाध्याय, डॉ. नितिन बिष्ट, डॉ. सुधा जुकारिया, डॉ. राकेश मेर, डॉ. शशि तिवारी, डॉ. महेन्द्र शर्मा, विमल शर्मा, दीप कुमार, सुभाष चन्द्र, महिपाल लोहनी, कैलाश कांडपाल, राजेन्द्र मौजूद रहे।

ज्योलीकोट में पशुपालकों को बकरी पालन की जानकारी देते विशेषज्ञ। ● अमृत विचार

अमृत विचार

हल्द्वानी , शनिवार,6 दिसंबर 2025

रुद्रपुर

सिटी ब्रीफ

अपंजीकृत इमीग्रेशन ऑफिस पर हो कार्रवाई

सितारगंज : सितारगंज ओवरसीज एजुकेशन सोसाइटी ने कोतवाल सुंदरम शर्मा से गैरकानूनी तरीके से चलाए जा रहे अपंजीकृत इमीग्रेशन ऑफिस पर कार्रवाई कर बंद करने की मांग की है। शुक्रवार को अध्यक्ष विक्रमजीत सिंह ने बताया कि वह पिछले 10 साल से सितारगंज में इमीग्रेशन ऑफिस चला रहे हैं। 12 इमीग्रेशन ऑफिस को मिलाकर एक एसोसिएशन का निर्माण भी किया है। एसोसिएशन में शामिल किसी भी इमीग्रेशन ऑफिस के स्वामी पर न कोई आपराधिक केस है और न ही कोई धोखाधड़ी या ठगी की शिकायत दर्ज है। वह सरकार और स्थानीय प्रशासन से समय-समय पर जारी गाइडलाइंस का कड़ाई से पालन करते हुए कार्य करते हैं। यह भी कहा कि शहर में कई ऐसे अपंजीकृत इमीग्रेशन ऑफिस भी संचालित है। जो नियमों के विरुद्ध जाकर काम करते हैं। उन्हीं के कारण अन्य इमीग्रेशन भी बदनाम हो रही है। वहां अमनदीप सिंह, गुरविंदर सिंह, नवकिरन सिंह भुल्लर आदि मौजूद रहे।

डीएम ने वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था देखी

रुद्रपुर : जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने शुक्रवार को ईवीएम वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। साथ ही सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान सुरक्षात्मक दृष्टि से लगाए गए सीसीटीवी कैमरों व अग्निशमन यंत्रों का जायजा भी लिया। उन्होंने वेयर हाउस व परिसर की साफ-सफाई कराने के निर्देश सहायक निर्वाचन अधिकारी को दिए।

शॉपिंग मॉल में घुसे आतंकी दोनों तरफ से चलीं गोलियां

मॉकड्रिल में पुलिस ने दिखाया दम, मुठभेड़ का किया अभ्यास

रुद्रपुर में आतंकी हमले की मॉकड्रिल करते पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

संवाददाता,रुद्रपुर

अमृत विचार : शहर में उस वक्त पुलिस हूटर की आवाज और भारी पुलिस फोर्स देख कर लोगों में हड़कंप मच गया। जब शहर के सबसे बड़े शॉपिंग मॉल में कुछ आतंकियों के छिपे होने की सूचना पुलिस को मिली। बस क्या था पुलिस के कमांडो ने मॉल को घेर लिया और जवानों ने मोर्चाबंदी कर दी। काफी देर तक कुछ लोग समझ न ही पाए। मगर थोड़ी देर बाद यह समझ में आ गया कि पुलिस मॉकड्रिल के माध्यम से अपनी सजगता को प्रदर्शित कर रही है।

शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार एसएसपी मणिकांत मिश्रा के आदेश पर सुबह दस बजे पुलिस को सूचना मिलती है कि नैनीताल हाईवे स्थित सबसे बडे शॉपिंग मॉल में तीन से चार हथियारबंद आतंकी छिप गए और कई लोगों को बंधक भी बना लिया है। सूचना मिलते ही वायरलैस पर सूचनाओं का आदान प्रदान होने ल गे और एसपी क्राइम निहारिका तोमर,एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी,सीओ भूपेंद्र सिंह, सीओ प्रशांत कुमार सशस्त्र पुलिस फोर्स और कमांडो के साथ मॉल पहुंचे। भारी पुलिस फोर्स और मोर्चाबंदी देख मॉल में मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया और लोग बाहर की ओर भागने लगे। काफी देर बाद पता चला कि पुलिस मॉकड्रिल के माध्यम से अपनी सजगता को प्रदर्शित कर रही है। इस दौरान कमांडो ने तीन आतंकियों को मुठभेड़ के बाद ढेर कर दिया और लोगों को बंधकमुक्त किया।

श्रमिकों को दी कानूनी अधिकारों की जानकारी

बाजपुर: जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधमसिंह नगर के तत्वावधान में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को कानूनी अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से शुक्रवार को जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन ग्राम लखनपुर स्थित श्रीराधेकृष्ण गौ सेवा सदन ट्रस्ट में किया गया, जिसकी अध्यक्षता ग्राम प्रधान विजय कुमार ने की। कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव योगेंद्र कुमार सागर के निर्देशन में संपन्न हुआ।

शिविर में पराविधिक कार्यकर्ता मोहम्मद शहीद ने नालसा (असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए कानूनी सेवाएं) योजना–2015 के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि इस योजना का उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को उनके कानूनी अधिकारों, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से मिलने वाले लाभ तथा कानूनी प्रतिनिधित्व तक पहुंच सुनिश्चित कराना है। योजना के अंतर्गत श्रमिकों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है, जिससे सामाजिक समावेश को बढ़ावा मिलता है और श्रमिकों एवं नियोक्ताओं दोनों में अधिकारों तथा जिम्मेदारियों को लेकर जागरूकता बढ़ाई जा सके। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय लोक अदालत, स्थाई लोक अदालत तथा नालसा की हेल्पलाइन 15100 के संबंध में भी अवगत कराया।

एकल अभियान के तहत सुंदरपुर और उदयनगर पहुंची शिक्षा-संस्कार यात्रा

दिनेशपुर में यात्रा में शामिल अतिथियों को तिलक लगाकर स्वागत करती महिलाएं।

संवाददाता, दिनेशपुर

- **एकल अभियान उत्तराखंड के भारत लोक शिक्षा परिषद रुद्रपुर चैप्टर के सौजन्य से वनयात्रा कार्यक्रम आयोजित किया**

अमृत विचार: एकल अभियान के अंतर्गत भारत लोक शिक्षा परिषद रुद्रपुर चैप्टर के तत्वावधान में ग्राम सुंदरपुर व उदयनगर में एकल अभियान के तहत शिक्षा- संस्कार यात्रा पहुंची। यात्रा में शामिल अतिथियों का स्थानीय महिला समिति ने अपनी बांग्ला संस्कृति परंपरा के अनुसार शंख-घंट वादन के साथ तिलक लगाकर अभिनंदन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

शुक्रवार को विद्यालय परिसर सुंदरपुर व उदयनगर में अतिथियों ने भारत माता व मां सरस्वती के चित्र के समक्ष मंत्रोच्चारण के बीच दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान विद्यालय के नन्हे बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व शैक्षणिक प्रदर्शन की प्रस्तुति से अतिथियों का मन मोह लिया।

ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति से कार्यक्रम को विशेष रूप से प्रेरक व सफल बनाया। यात्रा के आयोजन से ग्राम के विद्यालयों की शिक्षा- संस्कार यात्रा को नई ऊर्जा प्रदान की गई। ग्रामवासियों व अतिथियों के बीच आत्मीयता को सुदृढ़ किया। कार्यक्रम में अतिथि भारत लोक शिक्षा परिषद उत्तरी दिल्ली चैप्टर महिला समिति अध्यक्षा साधना गुप्ता, रुद्रपुर चैप्टर के अध्यक्ष विजय भूषण गर्ग, कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश कपूर, एकल अभियान के केंद्रीय सह अभियान प्रमुख खेमानंद सापकोटा, प्रभाग सचिव हरीश बजाज, बलदेव छाबड़ा, पुरुषोत्तम बंसल, अरुणा बंसल, भारत भूषण चूघ, दिनेश कालड़ा, प्रेरणा शर्मा, मीना शर्मा, ममता जीना, रश्मि रस्तोगी, मीनू त्यागी, सुनील ठुकराल, कुशल अग्रवाल, मधुर त्यागी, संजय साह, अरविन्द कन्नौजिया, तरुण कुमार सिंह मौजूद रहे।

10 करोड़ से अधिक की विकास योजनाओं को हरी झंडी

- **विभिन्न वार्डों में होगा सड़कों, नालियों, सौंदर्यीकरण और विकास कार्य**

संवाददाता, रुद्रपुर

महापौर विकास शर्मा।

अमृत विचार: नगर निगम ने 10 करोड़ से अधिक की विकास योजनाओं को हरी झंडी दे दी है। इसके तहत विभिन्न वार्डों में सड़कों, नालियों, सौंदर्यीकरण एवं सामुदायिक सुविधाओं को मजबूती देने के लिए निगम ने टेंडर प्रक्रियाएं आरंभ कर दी हैं। शीघ्र ही इन सभी परियोजनाओं पर निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

शुक्रवार को नगर निगम में महापौर विकास शर्मा ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि पार्षदों के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों एवं जन सामान्य से प्राप्त हुए सुझावों का परीक्षण कर नगर निगम ने व्यापक पैमाने पर विकास कार्यों को प्राथमिकता दी है। शहर के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए करीब 10.48 करोड़ रुपये की योजनाओं का खाका तैयार किया है। जिनमें 71 बड़े विकास कार्य और ढाई लाख से कम लागत के 79 छोटे कार्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि रुद्रपुर में जो भी विकास योजनाएं चल रही हैं वे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की दूरदृष्टि और प्रतिबद्धता का परिणाम हैं। शहर के व्यापक विकास का श्रेय उनका ही है। इस क्षेत्र से मुख्यमंत्री धामी का विशेष लगाव रहा है जो भी योजनाएं यहां से शासन को भेजी जाती है उन्हें प्राथमिकता दी जाती है। मुख्यमंत्री के सहयोग से ही नगर निगम रुद्रपुर शहर को एक आधुनिक और व्यवस्थित नगरी के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 10 करोड़ से अधिक के जो कार्य निगम कराने जा रहा है इन योजनाओं का प्रमुख उद्देश्य शहर के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना और नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। विशेष रूप से सड़कों और जल-निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा, जिससे आवागमन सुचारू होगा। कई बस्तियों में वर्षों से चली आ रही जलभराव की समस्याओं से राहत मिलेगी। इसके अलावा, सौंदर्यीकरण, सामुदायिक स्थलों के उन्नयन एवं अन्य नगरीय सुविधाओं को भी विस्तार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गति किसी भी हाल में थमने नहीं दी जाएगी। निगम ने सभी परियोजनाओं को पूर्ण पारदर्शिता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरा करने का संकल्प लिया है।

जब लिटिल किंग्डम स्कूल के बच्चों से मिले सीएम

- **सीएम को देख बच्चों में दिखा उत्साह, प्रबंधन ने बुके देकर किया स्वागत**

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: गुरुवार को जब डीडी चौक स्थित पंडित रामसुमेर शुक्ल की प्रतिमा के पास आए और जैसे ही लिटिल किंग्डम प्रीपेटरी स्कूल के बच्चों ने सीएम पुष्कर सिंह धामी को देखकर हाथ हिलाया तो सीएम धामी ने भी कक्षा पांच के विद्यार्थियों से मुलाकात की। जिसे देखकर स्कूल प्रबंधन ने सीएम धामी का बुके देकर स्वागत किया।

विधायक शिव अरोरा ने विद्यालय की प्रशंसा करते हुए बताया कि पिछले कई सालों से विद्यालय छोटे-छोटे बच्चों को बेहतर शिक्षा के साथ साथ भारतीय संस्कृति का भी बोध कराता है। इस दौरान सीएम ने विद्यार्थियों से व्यावहारिक मुलाकात की और उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए फोटोशूट कराया। इस मौके पर विद्यालय निदेशक हरिंदर सिंह पुरी, वरिष्ठ प्रशासक परविंदर पुरी, प्रधानाचार्य गायत्री खन्ना, उप-प्रधानाचार्य सिमरन पुरी, संचालक लक्ष्य शर्मा और खेल विभागाध्यक्ष विकास शर्मा आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

किच्छा में स्व. इंद्रासन सिंह को नमन करते गणमान्य लोग। ● अमृत विचार

इंद्रासन धान के जनक किसान इंद्रासन सिंह को किया याद

किच्छा : महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित व इंद्रासन धान के जनक वरिष्ठ किसान इंद्रासन सिंह की पुण्यतिथि पर तमाम व्यापारियों ने उन्हें याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की। नगर स्थित कृषि उत्पादन मंडी समिति परिसर में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा किच्छा तहसील अंतर्गत इंदरपुर निवासी किसान इंद्रासन सिंह को धान की नई खोज के लिए सम्मानित किया गया था तथा उन्हीं के नाम पर शोध की गई नई प्रजाति को इंद्रासन धान के रूप में जाना गया। इस धान की उपज आम धान के मुकाबले बहुत अधिक थी, जिसके चलते तराई एवं पूरे उत्तर प्रदेश के किसानों को इसका बहुत बड़ा लाभ मिला। पुण्यतिथि के अवसर पर व्यापारियों ने वरिष्ठ किसान इंद्रासन सिंह के सुपुत्र आनंद सिंह को सम्मानित किया। इस मौके पर सोनू गुप्ता, जगदीश अरोरा, रवि गुप्ता, जनार्दन सिंह, प्रमोद शर्मा, नवीन शर्मा, शक्ति कक्कड़, पवन शर्मा, आसाराम, अर्जुन खनायक, नेपाल सिंह, सुरेश चंद्र सिंह, जावेद मलिक, मनोज सिंह आदि मौजूद रहे।

7 कुमाऊं रेजिमेंट ने मनाया छंब दिवस

संवाददाता, खटीमा

खटीमा में छंब दिवस मनाते सात कुमाऊं रेजिमेंट के पूर्व सैनिक। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सात कुमाऊं रेजिमेंट के पूर्व सैनिकों ने शुक्रवार को छंब दिवस धूमधाम से मनाया। जिसमें युद्ध में शहीद हुए जवानों की याद में दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। वहीं पूर्व सैनिकों ने कुमाउनी गीतों पर जमकर झूमे।

वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान के युद्ध के दौरान छंब के मोर्चे पर वीर जवानों के शौर्य, पराक्रम और शहादत को याद किया गया। अमाऊं स्थित एक निजी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में सात कुमाऊं रेजिमेंट के पूर्व सैनिकों ने देश की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले शहीद वीर जवानों की याद में दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही छम्ब के मोर्चे पर सात कुमाऊं रेजिमेंट के शौर्य और पराक्रम को याद किया। पूर्व सैनिकों ने बताया कि सात कुमाऊं रेजिमेंट के वीर जवानों ने युद्ध में पाकिस्तान की सेना के छक्के छुड़ा दिए थे। कार्यक्रम के दौरान पूर्व सैनिकों ने -हम छूं कूमयां, हम छू कुमाऊं, खोल दे माता खोल भवानी, बेड़ू पाको बारमासा... आदि कुमाऊनी गीतों पर मचे झूमे। इस दौरान ऑनरी कैप्टन दीवान सिंह, कुंदन सिंह, प्रेम सिंह धामी, भूपेंद्र खोलिया, दीवान सिंह रुमाल, कुंवर सिंह खनका, त्रिलोक धामी, लाली चंद, राजेंद्र वल्दिया, राजेंद्र सिंह, चंचल सिंह, रघुवीर चंद, गंगा देवी आदि मौजूद रहे।

विशेषज्ञ डॉ. संजय सिंह को सम्मानित करते प्रधानाचार्य डॉ. मधुसूदन मिश्र।

नए युग की आवश्यकताओं का ज्ञान होना जरूरी

दिनेशपुर : विशेषज्ञ डॉ. संजय सिंह ने विद्यार्थियों को भविष्य निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने अपनी विशिष्ट स्टोरीटेलिंग तकनीक का उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को विविध करियर संभावनाओं, लक्ष्य निर्धारण, कौशल संवर्धन, विज्ञान एवं तकनीक के बदलते परिदृश्यों तथा नये युग की आवश्यकताओं के बारे में अत्यंत रोचक व प्रभावशाली ढंग से जागरूक किया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य व शिक्षकों ने डॉ. संजय सिंह को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। शुक्रवार को अटल उत्कृष्ट स्व. चितरंजन राहा राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित प्रेरणादायक विशेषज्ञ वार्ता के दौरान मोनाड पब्लिक स्कूल के निदेशक विशेषज्ञ डॉ. संजय सिंह ने अपनी जीवंत कहानियों, वास्तविक उदाहरणों और प्रेरक अनुभवों से छात्रों में जिज्ञासा, आत्मविश्वास और व्यापक सोच को प्रोत्साहित किया। विद्यार्थियों ने पूरे सत्र में अत्यंत उत्साह के साथ सहभागिता की। विद्यार्थियों द्वारा कई महत्वपूर्ण प्रश्न साझा करते हुए पूछे। प्रधानाचार्य डॉ. मधुसूदन मिश्र ने डॉ. संजय सिंह का आभार व्यक्त किया।

संगत को गुरबाणी के अमृत संदेशों से निहाल किया

- **गुरुद्वारा साहिब नानकसर ठाठ गजरौला में समागम का आयोजन**

संवाददाता, बाजपुर

गुरुवाणी का यशगान करता भाई दलजीत सिंह खालसा का रागी जत्था।

अमृत विचार: गुरुद्वारा साहिब नानकसर ठाठ गजरौला में चल रहे सात दिवसीय गुरु मान्यो ग्रंथ समागम के पांचवें दिन का समागम श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक बाणी से भरपूर रहा।

समागम में प्रसिद्ध धर्म प्रचारक जत्थों में भाई केवल सिंह मेहता पंजाब, कविशर जत्था भाई स्वर्ण सिंह राही, कथावाचक भाई गुरशरण सिंह प्रचारक धर्म प्रचार कमेटी श्री अमृतसर साहिब एवं कथा वाचक भाई त्रिलोक सिंह यूके वाले तथा प्रसिद्ध प्रचारक भाई अमरजीत सिंह गालिब खुर्द ने संगत को गुरबाणी के अमृत संदेशों से निहाल किया। धर्म प्रचारक जत्थों ने अपने प्रवचनों में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी, चार साहिबजादों तथा उनके परिवार की महान शहादत को अत्यंत भावपूर्ण शब्दों में स्मरण करते हुए, गुरवाणी में निहित मानव सेवा, त्याग, समर्पण, साहस और धर्म की रक्षा के सिद्धांतों को संगत के समक्ष विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया। गुरु घर की सीख को आधुनिक जीवन में लागू करने तथा समाज में प्रेम और सद्भाव को प्रोत्साहित करने पर विशेष बल दिया गया। गुरुद्वारा साहिब के मुख्य सेवादार बाबा प्रताप सिंह ने सभी संत महापुरुषों व संगत का आभार व्यक्त किया तथा सिरोपा व स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। समागम में संत बाबा करनैल सिंह, भाई अनमोल सिंह, दिलीप सिंह, सुरजीत सिंह, जोग सिंह, कुलवंत सिंह, हरपाल सिंह, रविंद्र सिंह आदि मौजूद रहे। गुरुद्वारा साहिब नानकसर ठाठ गजरौला के मुख्य सेवादार बाबा प्रताप सिंह ने बताया कि सात दिसंबर को विशाल कीर्तन दरबार सजेगा जिसमें पंथ प्रसिद्ध जत्थे कथा कीर्तन करेंगे एवं अमृत संचार कराया जाएगा। साथ ही धन-धन बाबा कुंदन सिंह जी की याद में रक्तदान कैंप व मेडिकल कैंप का आयोजन किया जाएगा।

बढ़ेगा बोझ | नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने बिजली दरों में बढ़ोतरी के प्रस्ताव पर जताई चिंता

बिजली दरों में बढ़ोतरी जनविरोधी फैसला : आर्य

संवाददाता, हल्द्वानी

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य।

अमृत विचार: नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि बिजली दरों में 16.23 प्रतिशत की बढ़ोतरी का प्रस्ताव ऊर्जा निगम बोर्ड ने पास कर दिया है। इससे साफ है कि आने वाले दिनों में बिजली उपभोक्ताओं पर बड़ी मार पड़ने वाली है। कहा कि आम जनता पहले ही महंगाई की मार से त्रस्त है। वहीं, बिजली बिल में भारी वृद्धि से घरों का बजट गड़बड़ाना स्वाभाविक है।

आर्य ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा बिजली की दरों को बढ़ाने को मंजूरी देना पूरी तरह से जनविरोधी फैसला है। इससे प्रदेश की मेहनती जनता पर महंगाई का और ज्यादा बोझ बढ़ेगा व उनका जीवन और भी अधिक त्रस्त व कष्टदायी होगा। कहा कि उत्तराखंड को ऊर्जा प्रदेश कहा जाता है। ये उत्तराखंड का दुर्भाग्य ही है कि, यहां के जिन निवासियों ने बिजली परियोजनाओं के निर्माण के लिए गांव- शहरों और संस्कृति का अस्तित्व तक गंवाया अब उन्हें ही महंगी बिजली खरीदने को मजबूर किया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार पहले गुणवत्ता युक्त बिजली प्रदान करे। न तो पर्याप्त बिजली मिल रही है न मेंटेनेंस हो रहा है। ऐसे में शुल्क बढ़ाने का प्रस्ताव बेमानी है। सरकार को इस पर तुरन्त पुनर्विचार करना चाहिए। कहा कि एक तरफ घटती आय व मांग की वजह से देश की उत्पादकता दर लगातार नीचे जा रही है। वहीं, प्रदेश में बिजली की दरें ऊपर जा रही हैं। कारोबारी व जनता, सब त्रस्त हैं। उत्तराखंड में बिजली दर बढ़ने से निवेशक और दूर होगा।

आर्य ने कहा कि ऊर्जा विभाग के उच्च अधिकारी महंगे दामों पर बिजली खरीद रहे हैं, यह एक जांच का विषय है। उत्तराखंड ऊर्जा प्रदेश होने के बावजूद भी यहां की जनता के लिए यह एक खिलवाड़ है, जो कि सरकार पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर रसोई गैस, पेट्रोलियम पदार्थ तथा खाद्य पदार्थों के लगातार बढ़ रहे दामों के बाद राज्य सरकार द्वारा बिजली की दरों में भारी वृद्धि का प्रस्ताव जनता को मंहगाई के दोहरे बोझ से लादने का काम किया जा रहा है। कहा कि प्रदेश की जनता को अब डबल इंजन की सरकार का ऐसा विकास नहीं चाहिए जिससे जनता की जेब पर सरकार रात दिन डाका डालने का काम करे। सरकार द्वारा लगातार बढ़ाई जा रही बिजली दरों में वृद्धि का फैसला आम नागरिक की जेब पर सीधा प्रहार है। यह वृद्धि विकास नहीं, शोषण का प्रतीक है।

ब्रीफ न्यूज

सेमल के पेड़ में अज्ञात कारणों से लगी आग

बाजपुर : रामराज रोड पर गुरुवार की देर रात सड़क किनारे खड़े सेमल के पेड़ में अज्ञात कारणों से आग लग गई। अचानक भड़की आग से पेड़ के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन भी चपेट में आने से बाल–बाल बच गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। वहीं राहगीरों ने पेड़ से उठती लपटें देख तुरंत इसकी वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल किया और लोगों को सावधानी बरतने की अपील की। घटनास्थल पर कुछ देर तक अफरातफरी का माहौल रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार पेड़ के पास से गुजर रही बिजली लाइन तक आग की लपटें पहुंच जातीं तो गंभीर दुर्घटना हो सकती थी। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि हाईटेंशन लाइन के आसपास मौजूद सूखे पेड़ों की समय–समय पर कटिंग कर उनकी सुरक्षा जांच की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।चित्र परिचय : 05 बीजेपी–पी 09, 10 में बाजपुर, शुक्रवार की सुबह प्रदेश के बार्डर पर वाहनों की चेकिंग करती पुलिस।

दोराहा बार्डर पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया

बाजपुर : उत्तराखंड–उत्तर प्रदेश की सीमा दोराहा स्थित बार्डर पर पुलिस ने शुक्रवार को सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। बार्डर क्षेत्र में प्रवेश करने वाले वाहनों की बारीकी से तलाशी ली गई। नियम विरुद्ध पाए गए कई वाहनों के मौके पर ही चालान किए गए। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पुलिस पिछले कई दिनों से बार्डर क्षेत्र में यह अभियान लगातार चला रही है। अभियान का उद्देश्य अपराध नियंत्रण, संदिग्ध गतिविधियों पर रोक और सीमा क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना है। दौरान चेकिंग पुलिस ने दोपहिया और चारपहिया वाहनों के कागजात, हेलमेट, सीट बेल्ट, लाइसेंस व अन्य सुरक्षा मानकों की जांच की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सीमा क्षेत्र संवेदनशील होने के कारण यहां नियमित गश्त और चेकिंग आवश्यक है, ताकि अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें और यातायात नियमों का पालन करें, जिससे दुर्घटनाओं एवं अव्यवस्था से बचा जा सके।

पुलिस ने अवैध शराब सहित एक दबोचा

खटीमा : सत्रहमील पुलिस ने बृहस्पतिवार को ग्राम वनगवां निवासी जसपाल सिंह को अवैध कच्ची शराब लेकर जाते हुए जाते हुए पकड़ा। पुलिस को आरोपी की तलाशी में उसके कब्जे से 34 पाउच अवैध शराब बरामद हुई। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

ड्यूटी नहीं आने पर ऑपरेटर को पीटा

- सिडकुल कंपनी में बुलाकर ठेकेदार ने किया हमला, सिडकुल पुलिस चौकी को सौंपी तहरीर

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: थाना पंतनगर इलाके में एक ऑपरेटर को बुलाकर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप था कि ठेकेदार द्वारा साथियों के साथ हमला किया। घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सिंह कॉलोनी शांति बिहार निवासी नरेश राजपूत सिडकुल की साइलेंसर बनाने वाली कंपनी में ऑपरेटर का काम करता है और बुजुर्ग पिता के साथ रहता है। बताया जा रहा है कि कुछ दिनों से पिता की तबीयत ठीक नहीं होने के कारण नरेश चार दिन से ड्यूटी पर नहीं गया।

शुक्रवार को कंपनी ठेकेदार ने ऑपरेटर को धोखे से कंपनी बुलाया और साथियों के साथ मिलकर लाठी डंडे से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। जिससे वह चोटिल हो गया और ठेकेदार ने जान से मारने की धमकी देते हुए सिडकुल कर्मी को बाहर निकाल दिया। घायल ने जिला अस्पताल पहुंचकर अपना मेडिकल परीक्षण कराया और सिडकुल चौकी पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

30 फीसदी ब्याज दिया, फिर भी पिटाई

रुद्रपुर: कोतवाली इलाके के गांव भूरारानी में एक युवक द्वारा 30 फीसदी ब्याज देने के बाद भी सूदखोरों ने हमला कर अधमरा कर दिया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गांव भूरारानी निवासी पीयूष ने बताया कि वह अपने मामा अनिल कालरा के साथ रहता है। कुछ समय पहले उसने सूदखोरों से कुछ रुपये ब्याज पर लिए थे और 30 फीसदी तक ब्याज भी देता रहा। शुक्रवार की सुबह वह कमरे में सो रहा था कि तभी सूदखोर हमलावर लाठी-डंडों से आए और हमला कर घायल कर दिया। बीच बचाव को आए मामा-मामी के साथ भी अभद्रता की और हाथापाई कर चोटिल कर दिया। भीड़ एकत्रित होता देख, सूदखोर फरार हो गए।

कहा-दोबारा अतिक्रमण करने पर सामान जब्त करने के साथ ही कटेगा चालान

अतिक्रमण करने वाले व्यापारियों को दी चेतावनी

संवाददाता, बाजपुर

बाजपुर के मुख्यमार्ग पर सड़क तक सामान फैलाए बैठे व्यापारी को हिदायत देते एसएसआई जसविंदर सिंह। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नगर के मुख्यमार्ग पर फैले अतिक्रमण के खिलाफ पुलिस ने शुक्रवार को अभियान चलाया। सड़क और फुटपाथ तक सामान फैलाकर बैठे व्यापारियों को सख्त निर्देश देते हुए अंतिम चेतावनी दी गई कि दोबारा अतिक्रमण की स्थिति मिलने पर सामान जब्त करने के साथ ही चालानी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

उच्चाधिकारियों के निर्देश पर एसएसआई जसविंदर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नैनीताल स्टेट हाईवे पर कोतवाली के सामने से मुड़िया तिराहा तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान के दौरान सड़क किनारे एवं नाले के ऊपर रखे अवैध ढेर, डिस्प्ले बोर्ड और दुकानदारी का सामान हटवाया गया। पुलिस टीम ने बताया कि मुख्यमार्ग पर अतिक्रमण के कारण आवागमन प्रभावित होने की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। इसी को ध्यान में रखते हुए अभियान चलाया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि आगे अतिक्रमण मिलने पर न सिर्फ जुर्माना ठोका जाएगा, बल्कि सामान जब्त कर सख्त कार्रवाई भी की जाएगी। व्यापारियों से अपील करते हुए पुलिस टीम ने कहा कि सड़क और फुटपाथ को खाली रखें, ताकि आमजन को यातायात में किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो। इस दौरान एसआई कैलाख चंद्र नगरकोटी, एएसआई भरत भंडारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस एवं होमगार्ड के जवान मौजूद रहे।

नजूल पर बसे लोगों को बिजली कनेक्शन नहीं देने पर भड़के अरोरा

एसडीओ को लगाई फटकार, बोले-जब डीडीए से वार्ता हो गयी तो फिर क्यों नहीं दिए कनेक्शन

संवाददाता, रुद्रपुर

30 हजार परिवारों को बिजली कनेक्शन नहीं मिलने का मुद्दा गरमाया

एसडीओ को फटकार लगाते विधायक शिव अरोरा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नजूल और दानपात्र पर बसे 30 हजार परिवारों को बिजली कनेक्शन नहीं मिलने का मुद्दा उस समय गरमा गया जब रम्पुरा कि कुछ महिलाएं बिजली कनेक्शन के आवेदन के लिए यूपीसीएल कार्यालय पहुंचीं। वहां उनकी फाइल को लौटा दिया गया। साथ ही कहा गया कि बिना नक्शा पास किये बिजली कनेक्शन नहीं दिया जाएगा। जानकारी मिलते ही विधायक शिव अरोरा एसडीओ कार्यालय पहुंचे और जमकर फटकार लगायी।

शुक्रवार को रम्पुरा की कुछ महिलाएं बिजली कनेक्शन के आवेदन के लिए अटरिया मोड़ स्थित एसडीओ अन्नू अरोरा के कार्यालय पहुंची। जब उन्होंने बिजली के कनेक्शन के लिए आवेदन किया तो उनको यह कह कर लौटा दिया गया कि बिना नक्शा पास किये बिजली कनेक्शन नहीं दिया जाएगा। इससे महिलाएं आक्रोशित हो गयी। इस बीच सूचना पर विधायक अरोरा भी एसडीओ कार्यालय पहुंच गये।

इस दौरान उन्होंने एसडीओ को फटकार लगाते हुए कहा कि जब तीन दिन पूर्व जिला विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से उनकी वार्ता हो गयी थी तो फिर आवेदन क्यों नहीं लिए जा रहे हैं। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि नजूल व दानपात्र पर बसे हजारों परिवारों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी का कनेक्शन रोका गया तो उन्हें किसी भी हद तक जाना पड़े तो जाएंगे।

इस अवसर पर राधेश शर्मा, राजेंद्र राठौर, धीरेश गुप्ता, राजकुमार साह, मनोज मदान, जीतेन्द्र संधू, पिंटू पाल, राज कोली, चंद्रसेन चंदा, मयंक कक्कड़, विष्णु समेत कई लोग मौजूद रहे।

स्थायी समाधान नहीं निकला तो डीएम कार्यालय के समक्ष धरना देने को तैयार

रुद्रपुर : विधायक अरोरा ने एसडीओ कार्यालय से जिलाधिकारी नितिन भदौरिया से दूरभाष पर वार्ता की और सख्त नाराजगी जाहिर की। साथ ही कहा कि प्राधिकरण ने जब आश्वस्त कर दिया कि उस नियम से नजूल व दानपात्र के लोग बाहर रहेंगे। बावजूद यूपीसीएल रम्पुरा, जगतपुरा के लोगों को कनेक्शन देने को मना कर रहा है। यह ठीक नहीं है ऐसे बिल्कुल नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि वह 30 हजार परिवारों को परेशान होते नहीं देख सकते। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार में अधिकारियों के ऐसे आदेश सरकार की मंशा के बिलकुल अनुरूप नहीं है ऐसा बिल्कुल नहीं चलेगा। स्थायी समाधान नहीं निकला तो जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर दरी बिछाकर धरना देना पड़े तो वह इसके लिए भी तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी से वार्ता हुई है। सोमवार को 11.30 बजे जिलाधिकारी कार्यालय जाएंगे और विद्युत कनेक्शन की समस्या का समाधान हर कीमत पर निकलेगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में हुई युवक की मौत

किच्छा: कोतवाली अंतर्गत ग्राम निवासी युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से परिजनों में कोहराम मच गया। अचानक स्वास्थ्य खराब होने के बाद युवक को इलाज के लिए परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे थे। जहां चिकित्सकों ने जांच के उपरांत युवक को मृत घोषित कर दिया।

कोतवाली अंतर्गत कलकत्ता फॉर्म पुलिस चौकी क्षेत्र में स्थानीय निवासी मिढ़ई लाल ने बताया कि उसका बड़ा बेटा 32 वर्षीय सोनू मेहनत मजदूरी करता था। स्वास्थ्य खराब होने के कारण सोनू विगत दो दिनों से मजदूरी पर नहीं गया था तथा गुरुवार की शाम अचानक उसकी हालत ज्यादा बिगड़ गई। परिजन तुरंत उसे नगर के सरदार बल्लभभाई पटेल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां चिकित्सकों ने जांच के उपरांत सोनू को मृत घोषित कर दिया।

सोनू की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच प्रारंभ कर दी। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो जाएगा। सोनू का छोटा भाई 23 वर्षीय प्रिंस है।

मेडिकल वेस्ट फैलाने पर पांच हजार का जुर्माना

काशीपुर में मेडिकल स्टोर स्वामी का चालान काटते निगम कर्मी। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: नगर निगम प्रशासन का अतिक्रमण हटाओ और स्वच्छता अभियान शुक्रवार को भी जारी रहा। टीम ने प्रतिष्ठानों पर चालानी कार्रवाई कर जुर्माना वसूला।

नगर आयुक्त रविंद्र बिष्ट के निर्देश पर स्वास्थ्य एवं सफाई निरीक्षक मनोज बिष्ट के नेतृत्व में निगम टीम ने नई सब्जी मंडी में स्थित भारत फार्मा मेडिकल द्वारा फैलाये गए मेडिकल वेस्ट का पांच हजार रूपये का चालान किया। साथ ही सब्जी विक्रेताओं व दुकानदारों को मौके पर बुलाकर सख्त हिदायत दी कि इस प्रकार से कूड़े को न फैलाएं। साथ ही एक नोटिस भी जारी किया गया है जिसमें यह स्पष्ट किया गया कि भविष्य में इस प्रकार के मेडिकल वेस्ट/कूड़े फैलाने पर औषधि नियंत्रण विभाग को उक्त दुकान का ड्रग लाइसेंस निरस्त हेतु पत्र प्रेषित किया जाएगा। वहीं शुक्रवार को भी निगम की टीम ने विशेष अभियान के तहत तत्काल प्रभाव से 6 अवैध कूड़ेदानों को हटाया व 2 अस्वच्छ यूरिनल पॉइंट्स को जेसीबी द्वारा ध्वस्त किया गया। साथ ही अभियान के दौरान सम्पूर्ण क्षेत्र में नागरिकों को जन जागरूकता और जुर्माने के साथ स्पष्ट संदेश दिया गया कि निगम के कर्मचारी कूड़ा फैलाने वाले व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखेंगे और कूड़ा फैलाने वालों पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। अभियान के दौरान मौके पर मौजूद 30-35 व्यक्तियों को व्यक्तिगत रूप से बताया गया कि वे कूड़े को केवल डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण वाहन में ही डालें। जिन क्षेत्रों में वाहन की पहुंच सुनिश्चित नहीं है, वहां के नागरिकों को यह सुविधा दी गई कि वे मोबाइल 63979 77996 पर अपनी शिकायत दर्ज करें।

न्यायालय का निर्णय, परिवार को देने होंगे 14.74 लाख

संवाददाता, रुद्रपुर

- वर्ष 2022 में हुआ था सड़क हादसा, मृतक परिवार ने दायर की थी याचिका

अमृत विचार: वर्ष 2022 में सड़क हादसा प्रकरण की सुनवाई करते हुए न्यायालय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने दोषी फर्मों को पीड़ित परिवार को 14.74 लाख रुपये सात फीसदी साधारण ब्याज के साथ देने का आदेश दिया है।

याचिकाकर्ता पक्ष के अधिवक्ता मोहम्मद साकिब व अधिवक्ता आरिफ ने बताया कि गदरपुर महतोष की रहने वाली परवीन, सबीना, सनोवर, नाजमीन, अफसा, आलिया नूर, शाहिदा बेगम, मोहम्मद अहमद और एक नाबालिग ने अदालत में याचिका दायर करते हुए बताया था कि 8 जनवरी 2022 की रात्रि साढ़े 8 बजे पिता, पति और भाई कच्ची सड़क पर खड़े होकर सवारी का इंतजार कर रहे थे। इस बीच तेज रफ्तार कैंटर एचआर-55 जे-2077 ने टक्कर मार दी थी। जिसमें भाई सलीम की मौत हो गई, जबकि पति व पति गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

दायर याचिका में मैसर्स प्रियांशु हाइड्रोलिक पंप सर्विस तौरु रोड गुड़गांव हरियाणा, बिट्टू सिंह धनपुरा टांडा बदली और श्रीराम जनरल इंश्योरेंस कंपनी सीतापुरा राजस्थान को परिवादी बनाया गया। प्रकरण की सुनवाई न्यायालय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण एवं तृतीय अपर जिला जज मुकेश चंद्र आर्य की अदालत में हुई। जहां दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अदालत ने मैसर्स प्रियांशु हाइड्रोलिक पंप सर्विस और बिट्टू सिंह को याचिकाकर्ता पारिवारिक सदस्यों को सात फीसदी साधारण ब्याज की दर से 14.47 लाख रुपये देने का आदेश दिया।

18.13 किग्रा गांजे के साथ तीन दबोचे

काशीपुर: पुलिस ने बृहस्पतिवार को नौगजा कब्रिस्तान के पास वाहन चेकिंग के दौरान एक बाइक पर सवार तीन युवकों को रोक लिया। बाइक की टंकी पर एक कट्टा रखा था। पूछताछ में बाइक सवार तीनों युवक ने अपना नाम जीवन कुमार व धीरज निवासी जेके अस्पताल के पास टांडा उज्जैन और कुनाल पांडे निवासी हनुमान मंदिर के पास मोहल्ला महेशपुरा बताया। उनके पास से बरामद कट्टे को चेक करने पर उसमें से 18.13 किग्रा गांजा बरामद हुआ। पूछने पर आरोपियों ने बताया कि वे इस गांजे को लेने के लिए कुंडेश्वरी गए थे। बताया कि गुलशेर निवासी हरियावाला, सन्नी निवासी सुभाषनगर तथा मनीष बोरा निवासी श्यामपुरम और दीपक हुड्डा निवासी ग्राम जुड़का के रहने वाले हैं।

वैज्ञानिक पुलिस अन्वेषण का सिस्टम देखा

- एसएसपी ने फ्रिंगर प्रिंट प्रक्रिया का देखा डेमो, अधीनस्थों को दिए आवश्यक निर्देश

संवाददाता, रुद्रपुर

वैज्ञानिक अन्वेषण की जानकारी लेते एसएसपी मणिकांत मिश्रा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने वैज्ञानिक पुलिस अन्वेषण के तहत फिंगर प्रिंट प्रक्रिया का डेमो देखा और अधीनस्थों को आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर अपराधियों को सजा दिलाने में अहम योगदान देने का आदेश दिया। जिसके तहत एक प्रशिक्षण का भी आयोजन हुआ।

शुक्रवार को प्रशिक्षण में एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने वैज्ञानिक अन्वेषण के लक्ष्य की दिशा में नेट ग्रिड, नफीस व घटनास्थल पर किस प्रकार फिंगर प्रिंट लेने की प्रक्रिया का डेमो देखा। इस दौरान प्रशिक्षक महिला सिपाही डौली जोशी ने तकनीकी की बारीकियों को समझाया। एसएसपी ने कहा कि किसी भी अपराधी को कड़ी सजा दिलाने में वैज्ञानिक जांच अहम होती है। घटनास्थल पर चांस फिंगर प्रिंट अहम होता है। ऐसे में विवेचक या फिर घटनास्थल पर मौजूद अधिकारी फिंगरप्रिंट लेने में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरते।

उन्होंने बताया कि यह एक राष्ट्रीयकृत, स्वचालित फिंगर प्रिंट पहचान प्रणाली है। इसका लक्ष्य सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अपराधियों के फिंगर प्रिंट डेटाबेस को एकीकृत करके, जांच में संदिग्धों की पहचान को तेज और त्रुटिहीन बनाना है। जांच एजेंसियों को वांछित खुफिया जानकारी को सर्च करने में मदद करता है। इस मौके पर एसपी क्राइम निहारिका तोमर, सीओ प्रशांत कुमार आदि मौजूद रहे।

तैयारी

कार्यकर्ताओं ने अभियान को सफल बनाने के लिए अपने–अपने सुझाव साझा किए

दिल्ली चलो अभियान को लेकर कांग्रेस ने बनाई रणनीति

संवाददाता, बाजपुर

बाजपुर, कैंप कार्यालय में दिल्ली रैली को लेकर बैठक करते नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के बाजपुर कैंप कार्यालय में शुक्रवार को आगामी 14 दिसंबर को प्रस्तावित दिल्ली चलो अभियान को लेकर विस्तृत चर्चा एवं रणनीतिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और ब्लाक स्तर के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी ने अभियान को सफल बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव भी साझा किए।

बैठक के दौरान नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि कांग्रेस परिवार पूरी प्रतिबद्धता, दृढ़ता और सामूहिक शक्ति के साथ जनता की आवाज को लोकतांत्रिक तरीके से दिल्ली तक पहुंचाने को तैयार है। उन्होंने कहा कि यह अभियान किसी औपचारिक कार्यक्रम की तरह नहीं, बल्कि जनसरोकारों की रक्षा, लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती और संवैधानिक मूल्यों की पुनर्स्थापना के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। आर्य ने कहा कि प्रदेश के हर वर्ग, हर क्षेत्र और हर समस्या को केंद्र में रखकर यह अभियान चलाया जा रहा है। चाहे महंगाई, बेरोजगारी, गिरती अर्थव्यवस्था, किसानों की चुनौतियां हों या संस्थानों की स्वायत्तता का सवाल, इन सभी मुद्दों को लेकर कांग्रेस जनता की आवाज को केंद्र सरकार तक मजबूती से पहुंचाएगी। बैठक में संगठन को और मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपने तथा अभियान से संबंधित परिवहन, यात्रा मार्ग, समन्वय एवं सुरक्षा व्यवस्था पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर से लेकर ब्लाक और जिला स्तर तक जनसंपर्क अभियान तेज करने के निर्देश दिए गए। उत्तराखंड किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं यात्रा प्रभारी हरमिंदर सिंह ढिल्लो ने कहा कि जनता का भरोसा और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी ही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है। 14 दिसंबर को जब कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतांत्रिक रूप से अपनी बात रखेंगे, तो उनकी आवाज पहले से भी अधिक बुलंद होगी। इस मौके पर नगरपालिकाध्यक्ष गुरजीत सिंह गित्ते, ब्लाक प्रमुख प्रति जोरावर सिंह भुल्लर, नगराध्यक्ष सत्यवान गर्ग, श्रीनिवास गर्ग, डीके जोशी, नवदीप सिंह कंग आदि मौजूद रहे।

पांच माह से फरार आरोपी दबोचा

रुद्रपुर: थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में पिछले पांच माह से फरार 307 के आरोपी विशाल दास निवासी संजय नगर खेड़ा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी ट्रांजिट कैंप मोहन चंद्र पांडेय ने बताया कि विवेक नगर ट्रांजिट कैंप निवासी राम भजन दिवाकर ने मुकदमा दर्ज कराया था कि 17 अप्रैल को उसका भतीजा सुनील का किरायेदार धर्मेंद्र के साले हिमांशु से विवाद हो गया था। प्रकरण में आपसी समझौता भी हुआ था। 20 अप्रैल की रात्रि साढ़े 10 बजे जब भाई मदन दिवाकर घर लौट रहा था। तभी धर्मेंद्र ने साथियों के साथ मिलकर भाई पर ईंट, पत्थर और लाठी डंडे से हमला बोल दिया। सिर पर ईंट से वार भी किया गया। जिसके बाद भाई लहूलुहान हो गया।

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर की गई ठगी

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: ग्राम जोगीपुरा निवासी रोहित कुमार ने कोतवाली पुलिस में तहरीर सौंपी। इसमें बताया कि खुशदीप सिंह निवासी बाजपुर दोराहा से रुद्रपुर रोड आरसल-पारसल फार्म तहसील बाजपुर में कार्य करता था। जो कि वर्तमान में कलश मंडप रोड, मैदा मिल गली नंबर-1 काशीपुर में दुकान चलाता है। आरोप लगाया कि खुशदीप सिंह ने उसे दुबई में परफ्यूम कंपनी में सुपरवाइजर की नौकरी दिलाने का झांसा दिया। इसके एवज में 1,68,800 रुपये उसने ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। जबकि 1,30,200 रुपये नगद ले लिए। रोहित ने बताया कि उसने उसको फर्जी टूरिस्ट वीजा एवं फर्जी टिकट दे दिया। गलत वीजा होने के कारण दुबई एयरपोर्ट से उसको वापस कर दिया गया। जब उसने खुशदीप सिंह ने रुपये वापस करने को कहा तब वह बहाने करने लगा। बीती 15 अगस्त को रुपये वापस मांगने पर उसने मना कर दिया और दोबारा मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। तहरीर देने पर पुलिस ने दोनों पक्ष को बुलाया। तब आरोपी ने पूरी रकम वापस करने की बात कही और बीती 22 अगस्त 2025 तक का समय मांगा। आरोप लगाया इसके बाद आरोपी ने रुपये वापस करने के बजाय उसको धमकी देने लगा।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शनिवार,6 दिसंबर 2025

सिटी ब्रीफ

संविधान निर्माता को आज दी जाएगी श्रद्धांजलि

काशीपुर : संविधान निर्माता भारत रत्न, बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महा परिनिर्वाण दिवस शनिवार को सुबह 9 बजे पुरानी सब्जी मंडी में छोटे नीम के नीचे स्थित उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी जाएगी। महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अलका पाल ने नगर व क्षेत्र के समस्त कांग्रेसजन, पदाधिकारी, पार्षद गण, अनुसांगिक संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से नियत समय पर पहुंचकर अपनी सहभागिता निभाने की अपील की है।

दो किशोर लापता

काशीपुर : कुंडा थाना क्षेत्र के गंगापुर निवासी दयाराम ने पुलिस को तहरीर सौंपी। इसमें बताया कि बीती 4 दिसंबर की सुबह उनका 15 वर्षीय बेटा निखिल अपने दोस्त 13 वर्षीय मनीष पुत्र मदन पाल के साथ बिना बताए कहीं चला गया और घर वापस नहीं लौटा। दोनों की काफी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों की गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

प्रशासन ने जेसीबी से तोड़े अतिक्रमण

काशीपुर : शुक्रवार को जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष जय किशन के आदेश पर प्रशासन ने जेसीबी की मदद से खड़कपुर देवीपुरा, फांसियापुर और बैलजुडी में अतिक्रमण ध्वस्त किए। उपजिलाधिकारी अ भय प्रताप सिंह के नेतृत्व में तहसीलदार पंकज चंदोला और राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने अतिक्रमण हटाए।

खटीमा के प्रधानाचार्य को हाईकोर्ट से राहत

स्कूल की फीस के गबन करने के मामले में निचली अदालत में चल रही आपराधिक कार्रवाई हुई रद्द

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने खटीमा के एक प्रधानाचार्य के खिलाफ स्कूल की फीस का गबन करने के मामले में निचली अदालत द्वारा जारी समन आदेश व निचली अदालत में चल रही आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया है ।

आरोपी प्रधानाचार्य केंद्रपाल सिंह पर खटीमा के एक इंटर कॉलेज के छात्रों की जुलाई 2003 से अक्टूबर 2003 तक की फीस में हेरफेर करने के जुर्म में खटीमा थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मामले में उनके खिलाफ खटीमा की अदालत ने सम्मन जारी किया है, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की पीठ के समक्ष याची के अधिवक्ता ने तर्क रखा कि फीस रिकॉर्ड रखने में प्रधानाचार्य का कोई लेना-देना नहीं था क्योंकि यह काम स्कूल के क्लर्क द्वारा किया जाता था। प्रारंभिक आरोप पत्र 31 जुलाई 2004 को केंद्र पाल सिंह के विरुद्ध दायर किया गया था लेकिन आगे की जांच के बाद 12 अगस्त 2008 को एक पूरक आरोप पत्र दायर किया गया, जिसमें क्लर्क बसंत बल्लभ ओली को आरोपी बनाया गया और केंद्र पाल सिंह को अपराधों से बरी कर दिया गया था। राज्य/प्रतिवादी ने भी जवाबी हलफनामे में इस तथ्य पर विवाद नहीं किया कि पूरक आरोप पत्र में केंद्र पाल सिंह द्वारा कोई अपराध न किए जाने की बात कही गई थी। न्यायालय ने पाया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट, खटीमा ने 12 अगस्त 2008 के पूरक आरोप पत्र पर संज्ञान नहीं लिया और 31 जुलाई 2004 के पहले आरोप पत्र के आधार पर ही 22 मार्च 2010 को केंद्रपाल सिंह को समन जारी कर दिया।

पंद्रह दिवस में पेश करें जांच रिपोर्ट: हाईकोर्ट

नैनीताल : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी . नरेद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने अपात्र विकलांगता प्रमाणपत्रों के जरिए शिक्षा विभाग में आरक्षण का लाभ ले रहे दर्जनों कार्मिकों के प्रमाणपत्रों की जांच की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। विभाग द्वारा अब तक की गई जांच रिपोर्ट कोर्ट में पेश नहीं करने पर कोर्ट ने उन्हें 15 दिन का अंतिम अवसर देते हुए जांच रिपोर्ट पेश करने को कहा है। मामले के अनुसार नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड, उत्तराखंड शाखा द्वारा जनहित याचिका में आरोप लगाया गया कि अपात्र लोग धोखाधड़ी से 'दृष्टिबाधित' श्रेणी के तहत आरक्षण का लाभ ले रहे हैं, जिससे वास्तविक दिव्यांग उम्मीदवार अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित हो रहे हैं लेकिन इस मामले में प्रशासनिक स्तर पर शिकायतें करने के बावजूद कोई ठोस और पारदर्शी कार्रवाई नहीं हो सकी। राज्य मेडिकल बोर्ड में 2022 में हुए मूल्यांकन में शिक्षा विभाग दिव्यांग श्रेणी के कई कर्मचारी मेडिकल जांच के लिए जानबूझकर उपस्थित नहीं हुए, जिससे उनके प्रमाण पत्रों के जाली होने का गहरा संदेह पैदा होता है। याचिकाकर्ता की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि इस मामले को देखने वाले राज्य आयुक्त, दिव्यांग जन ने भी शिकायत को खारिज कर दिया था और एम्स ऋषिकेश से पुन: सत्यापन की मांग को नजरअंदाज़ कर दिया था इसलिए मामले की जांच कराई जाए।

कमेटी में करें सदस्यों को शामिल

नैनीताल : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने वन क्षेत्रों में रह रहे पारंपरिक लोगों को बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं से सरकार द्वारा वंचित रखने तथा उनको विस्थापित करने के मामले पर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार को निर्देश दिए कि वन क्षेत्रों में रह रहे लोगों के दावों व उनके अधिकारों की सुनवाई के लिए गठित कमेटी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्यों को भी शामिल किया जाए ताकि उन्हें फॉरेस्ट राइट एक्ट के तहत पट्टे प्राप्त हो सके और मूलभूत सुविधाएं मिल सके।

मुख्य शिक्षा अधिकारी को दें प्रत्यावेदन

नैनीताल : हाईकोर्ट ने एक सहायक अध्यापक के नियम विरुद्ध किए गए स्थानान्तरण के मामले में याची को मुख्य शिक्षा अधिकारी अल्मोड़ा के समक्ष प्रत्यावेदन देने को कहा है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी ने इस मामले में सरकारी अधिवक्ता द्वारा दिए गए बयान को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ता को संबंधित मुख्य शिक्षा अधिकारी के समक्ष अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता देते हुए रिट याचिका का निस्तारण कर दिया। याचिकाकर्ता गौरव पन्त जो वर्ष 2001 में सरकारी प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्त हुए थे और वर्ष 2015 में सरकारी जूनियर हाईस्कूल में सहायक अध्यापक के रूप में पदोन्नत हुए थे, उन्होंने अपने तबादले को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता को 24 जून 2023 के आदेश से सरकारी प्राथमिक विद्यालय, कृष्णादास साह, हवालबाग, अल्मोड़ा से सरकारी प्राथमिक विद्यालय, कलोटा, धौलादेवी में स्थानांतरित कर दिया गया था। याचिकाकर्ता की आपत्ति थी कि तबादला आदेश से उनका कैडर पूरी तरह से बदल दिया गया है। उन्होंने तर्क दिया कि उन्हें सरकारी प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक के रूप में स्थानांतरित किया गया है, जबकि वे वर्ष 2015 में, सरकारी जूनियर हाईस्कूल में सहायक अध्यापक के पद पर पदोन्नत हो चुके थे। इस मामले में राज्य सरकार ने बताया कि तबादला आदेश में केवल टंकण की गलती थी, जिसे बाद में सुधार दिया गया है।

जिला पंचायत ने जनपद में 29 निर्माण कार्यों को दी स्वीकृति

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: ग्रामीण क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए जिला पंचायत ने जनपद में कुल 29 निर्माण कार्यों को स्वीकृति प्रदान की है। इन कार्यों पर लगभग 1.80 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि व्यय की जाएगी। सभी परियोजनाओं को 120 दिनों के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वीकृत कार्यों में बाजपुर सहित विभिन्न गांवों में सीसी रोड, खड़ंजा, नाली, इंटरलाकिंग टाइल्स व मरम्मत कार्य शामिल हैं। प्रमुख रूप से ग्राम रामनगर खुर्द में खड़ंजा निर्माण, ग्राम पारसपुर 74 एवं 74-बी में नाली व सोलिंग, रामनगर कला 74 व चामुंडा वाला हेड में सीसी रोड एवं नाली, ग्राम सरबहद्रपुर व खंडेरा में सीसी रोड, ग्राम गुलजारपुर और साहबजादाखेड़ा में सीसी रोड, ग्राम बेरीखेड़ा में नाली व मार्ग निर्माण, ग्राम रतनपुर टांडा में सीसी रोड, ग्राम भगतपुर वाजिदपुर में सीसी रोड, ग्राम महमूदपुर–मेलाघाट में सोलिंग व नाली निर्माण शामिल हैं। इसके अलावा ग्राम सलेमपुर राजस्व-झोरिया में सीसी रोड, ग्राम हेमपुर दीपा में नाली व सोलिंग, ग्राम धाकड़वाला और पनेसर में मार्ग निर्माण, ग्राम गढ़ी नेगी में नाली व सीसी रोड, ग्राम बनगांव में सोलिंग व इंटरलाकिंग, ग्राम जलालनगर में सीसी रोड, ग्राम तेगबहादुरनगर व नेहरा में सीसी रोड, ग्राम मनोड़ा टांडा में इंटरलाकिंग टाइल्स, ग्राम खुरना-नजारावाला में खड़ंजा मार्ग, ग्राम चक्कीखेड़ा व पिपलिया नंबर-4 में सीसी रोड, ग्राम धारा नंबर-3 में खड़ंजा निर्माण, ग्राम गढ़ीखुर्द में सीसी रोड, ग्राम नानकपुरा-कुमाऊं कालोनी में सीसी रोड, ग्राम मझौला गुसाईं–करनपुरा में नाली एवं इंटरलाकिंग, ग्राम पंचायत हेमपुरा में सामुदायिक भवन निर्माण तथा ग्राम रतनपुरा के विभिन्न मार्गों पर सीसी रोड और नाली निर्माण स्वीकृत किए गए हैं। विभाग द्वारा कार्यों की सूची के अनुसार टेंडर प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। अपर मुख्य अधिकारी ने सभी संबंधित एजेंसियों को कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखने के दिशा-निर्देश दिए हैं। साथ ही निर्माण स्थल पर सूचना पट लगाना, मानक गुणवत्ता के अनुसार कार्य कराना तथा भुगतान माप पुस्तिका एवं सत्यापन के बाद ही जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित एजेंसी पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। कार्य स्वीकृत होने से गांवों में उत्साह है। स्थानीय निवासियों ने कहा कि लंबे समय से जर्जर सड़कों और नालियों की समस्या बनी हुई थी।

विधिक शिविर में असंगठित श्रमिकों को जानकारी देते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

विधिक शिविर में दी असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को जानकारी

खटीमा : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव के आदेशानुसार टीम ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए कानूनी सेवा योजना के तहत नौगवां ठग्गू की ग्राम प्रधान राखी देवी के अध्यक्षता में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पीएलवी आरबी सिंह राणा ने श्रमिकों के पात्र व्यक्तियों जैसे भवन निर्माण मजदूर, पत्थर तोड़ने वाले, खेती करने वाले, फेरी वाले, दूध बेचने वाले, सिलाई, बुनकर, भट्ठों में काम करने वाले, ऑटो चालक इत्यादि को लेबर कार्ड बनवाने तथा उनके लाभ के बारे में बताया। पैनल अधिवक्ता चंचल सिंह, शाहना बेगम द्वारा ग्रामीणों को असंगठित श्रमिकों को निशुल्क कानूनी सेवा प्रदान करना तथा न्याय तक पहुंच सुनिश्चित हो योजना के तहत जानकारी दी। श्रमिकों को भवन एवं निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के लाभ, पेंशन, चिकित्सा सहायता, बीमा, बच्चों को शिक्षा सहायता तथा बेटी को शादी सहायता राशि और लेबर कार्ड पंजीकरण करने के जानकारी दी। इस मौके पर लाल सिंह, मीरा देवी और भरी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेड्डी का फूंका पुतला

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: सनातन धर्म के लिए आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करते हुए देवी देवताओं का अपमान करने से क्षुब्ध भारतीय जनता युवा मोर्चा काशीपुर के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा जिला अध्यक्ष विनीत चौधरी के नेतृत्व में यहां महाराणा प्रताप चौक पर तेलंगाना के कांग्रेसी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का पुतला दहन किया गया।

कार्यक्रम में जिला महामंत्री भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रशान्त पण्डित, जिला मंत्री आलोक तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी आकाश अरोड़ा, मंडल अध्यक्ष अभिनव राजपूत, मंडल महामंत्री प्रियांशु कथुरिया, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा इंतजार हुसैन, मंडल अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा मोहम्मद फारुख खान, सचिन ठाकुर, करन भारद्वाज, पवन सैनी, आशु सैनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा अंकित शर्मा, राहुल खन्ना, बंटी अग्रवाल, सौभाग्य टंडन, अनिल यादव, विकास ठाकुर, अंकुश प्रजापति आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

काशीपुर में तेलंगाना के मुख्यमंत्री का पुतला फूंकते युवा मोर्चा पदाधिकारी।

खटीमा में तेलंगाना के मुख्यमंत्री का पुतला फूंकते अभाविप और छात्रसंघ के पदाधिकारी।

खटीमा में भी छात्रसंघ और अभाविप ने पुतला फूंककर जताया आक्रोश

खटीमा : हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्र संघ अध्यक्ष रोहित जोशी और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री द्वारा देवी देवताओं पर की गई अभद्र टिप्पणी पर पुतला दहन किया। मुख्य चौक पर एकत्र हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यों ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की। पुतला दहन करने वालों में छात्रसंघ उपाध्यक्ष घनश्याम राना, विश्वविद्यालय प्रतिनिधि सचिन सामंत, वंशिका शुक्ला, आकाश वर्मा, हेमंत कुमार, शानू भारती, सिमरन, संजना आदि मौजूद रहे।

पूर्व चेयरमैन की गिरफ्तारी को दबिश दे रही पुलिस

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार। भोलेनाथ पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का कथित वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने पूर्व पालिकाध्यक्ष हरीश दुबे के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस उसकी तलाश के लिए लगातार दबिश दे रही है। लेकिन वह घर में नहीं है। उनका मोबाइल भी स्विच ऑफ आ रहा है। इधर, शिकायतकर्ता दीपक गुप्ता और उसके समर्थकों ने आरोपी के गिरफ्तारी नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

वार्ड नंबर 7 के सभासद दीपक गुप्ता ने बताया कि पूर्व पालिकाध्यक्ष हरीश दुबे ने सोशल मीडिया में भगवान भोलेनाथ पर गलत टिप्पणी की है। भगवान भोलेनाथ के बारे में अपशब्दों कहते हुए उन्हें वीडियो में साफ सुना जा सकता है। कहा कि उन्होंने लोगों के बीच खड़े होकर हिन्दू धर्म की आस्था को आहत किया है। इससे लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है।

छवि धूमिल करने के लिए एआई से एडिट की वीडियो

कुछ दिनों पहले पूर्व पालिकाध्यक्ष हरीश दुबे ने सोशल मीडिया में एक वीडियो जारी कर बताया कि लोगों के बीच उनकी छवि को धूमिल करने के लिए षड्यंत्रकारियों ने एआई की मदद से उनकी वीडियो को एडिट किया। फिर, उसे फर्जी आईडी से सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। बताया कि उन्होंने मामले में एसएसपी को शिकायत दर्ज कराई है।

नानकमत्ता में 65 करोड़ के प्लान से मिलेगी जलभराव से निजात

संवाददाता, नानकमत्ता

अमृत विचार: नानकमत्ता नगर में लंबे समय से चली आ रही जलभराव की समस्या अब जल्द ही समाप्त होने वाली है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा नगर में पानी की निकासी के लिए ''डैमो प्लान'' पर की गई 65 करोड़ की घोषणा के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया है।

नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेम सिंह टुरना और पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा की गुहार पर मुख्यमंत्री ने यह बड़ा फैसला लिया था। बरसात के मौसम में स्थानीय निवासियों को जलभराव से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस संबंध में, जल संस्थान, पीडब्ल्यूडी और विद्युत विभाग की एक संयुक्त प्रशासनिक टीम ने शुक्रवार को नगर का विस्तृत सर्वे पूरा कर लिया है। टीम ने निर्णय लिया है कि नगर के बरसाती पानी को नानकसागर के समिट से निकलने वाले नाले में जोड़ा जाएगा। सर्वे टीम ने अपनी फाइनल रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौंप दी है, जिससे परियोजना को जल्द से जल्द शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। यह योजना जनता को परेशानी से स्थायी निजात दिलाएगी।

नानकमत्ता में पानी निकासी के लिए सर्वे करती टीम। ● अमृत विचार

काशीपुर बार एसोसिएशन के चुनाव 31 से पूर्व होंगे

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड नैनीताल के चेयरमैन द्वारा काशीपुर बार एसोसिएशन के चुनाव आगामी 31 दिसंबर से पूर्व सम्पन्न कराने हेतु निर्देशित किया गया है।

काशीपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष/सचिव को प्रेषित पत्र में कहा गया है कि 27 नवंबर 2025 को समस्त बार एसोसिएशन को एक पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया था कि बार काउंसिल ऑफ उत्तराखण्ड के चुनाव सम्पन्न होने तक राज्य की समस्त बार एसोसिएशन के चुनाव सम्पन्न न कराये जाएं तथा अधिसूचना जारी न की जाये, जिससे कि सहज और व्यवस्थित तरीके से बार काउंसिल के चुनाव सम्पन्न कराये जा सकें। उक्त क्रम में काशीपुर बार एसोसिएशन के सदस्य अधिवक्ताओं द्वारा हस्ताक्षर कर 02 दिसंबर 2025 को पत्र प्रेषित कर अवगत कराया गया है कि चुनाव पूर्व से ही माह दिसम्बर में प्रस्तावित हैं जिस हेतु चुनाव करवाने की अनुमति चाही गयी है, लिहाजा इस आग्रह पर काशीपुर बार एसोसिएशन को चुनाव सम्पन्न कराने की अनुमति इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि चुनाव प्रकिया से बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड के चुनाव प्रभावित न हों तथा 31 दिसंबर 2025 से पूर्व चुनाव सम्पन्न कराना सुनिश्चित करें।

राउमावि के बच्चों को कराया भोजन

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: एलायंस क्लब खटीमा द्वारा राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरिया मझोला पहुंचकर करीब सौ बच्चों को दोपहर का भोजन कराया। स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन प्राप्त कर छात्रों के चेहरे खिल उठे।

क्लब की इस पहल मुख्य उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना रहा। पौष्टिक भोजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों ने कहा कि आज के समय में जंक फूड एवं फास्ट फूड का सेवन विशेष कर बच्चों एवं युवाओं द्वारा किया जा रहा है जो स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है। बच्चों को पौष्टिक भोजन के प्रति जागरूक करना बेहद आवश्यक है। क्लब अध्यक्ष जितेंद्र पारुथी ने कहा कि बच्चों के चेहरे की खुशी ने हम सबके दिल को एक संतुष्टि प्रदान हुई। कार्यक्रम का संयोजन मनोज कन्याल ने द्वारा किया गया। क्लब की महिला सदस्यों ने पम्पलेट और स्लोगन के माध्यम से बच्चों को भोजन का महत्व बताया और भोजन बर्बाद न करने का संदेश दिया। इस मौके पर क्लब सचिव बादल सक्सेना, कोषाध्यक्ष कमल गहतोड़ी, विश्वजीत पाल, राकेश कुमार रॉक्सी, पंकज टम्टा, प्रभारी प्रधानाचार्य साधो सिंह, पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. महेंद्र प्रताप पांडे, मनोज कुमार चन्याल, तारावती, केसर पारुथी, प्रेरणा गुप्ता, रूचि गहतोड़ी आदि रहे।

खटीमा में बच्चों को दोपहर का भोजन कराते एलायंस क्लब के लोग। ● अमृत विचार

उपलब्धि सीनियर वर्ग के श्लोकोच्चारण में प्रथम, समूह नृत्य में द्वितीय स्थान पाया

12 वें वर्ष डायनेस्टी ने लहराया परचम

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी ने दो से चार दिसंबर तक महाजन भवन हरिद्वार की उत्तराखंड संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। डायनेस्टी की टीमों ने जूनियर वर्ग के श्लोकोच्चारण, समूह नृत्य, नाटक, समूहगान में प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं सीनियर वर्ग के श्लोकोच्चारण में प्रथम, समूह नृत्य में द्वितीय और समूहगान में तृतीय स्थान हासिल कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। संस्कृत नाटक जूनियर वर्ग में पियूष भट्ट को उत्कृष्ट अभिनेता, राशिका राना को उत्कृष्ट अभिनेत्री, संस्कृत नाटक सीनियर वर्ग में दिव्या नेगी को उत्कृष्ट अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया। विद्यालय के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर जिले को कनिष्ठ वर्ग में वैजयंती पुरस्कार व वरिष्ठ वर्ग में उप वैजयंती पुरस्कार से नवाजा गया। प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट ने विद्यार्थियों, नाटक टीम के निर्देशक सुरेश ओली, संगीत प्रशिक्षक नर सिंह कुंवर, रेनू उपाध्याय, नृत्य प्रशिक्षक राहुल कुमार, संस्कृत प्रभारी पूरन पांडे, रमेश जोशी, चामू दानू, रूचि चौहान, दीपा डसीला, बसंत रावत को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, मनीष चंद पांडे आदि मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता डायनेस्टी के बच्चों के साथ आयोजक।

कच्ची शराब तस्करी कर रही महिला पर केस

सितारगंज : पुलिस ने अवैध कच्ची शराब की तस्करी कर रही महिला के विरुद्ध केस दर्ज किया है।

चिंतीमझरा निवासी विवेक चंद ने बताया कि शुक्रवार को वह अपने साथी करन के साथ घर के बाहर खड़ा था। तभी दो महिला एक बड़ा थैला लेकर ई-रिक्शा पर सवार होकर पास से गुजरी। उनके वहां से निकलते ही कच्ची शराब की तेज दुर्गंध आई। शक होने पर महिला का पीछा किया तो देखा कि उक्त दोनों महिला पास में रहने वाली एक महिला के घर घुस गई और थैला देकर बाहर आ गई। दोनों महिलाओं के निकलने के बाद जब पड़ोसी महिला को पकड़ कर उसे दिए थैले की जांच की, तो उसमें कच्ची शराब के दर्जनों पाउच बरामद हुई। जिसे बाद में पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

स्काउट्स एंड गाइड समागम में नोजगे रहा बेस्ट कैंपर

कुमाऊं मंडल स्काउट एंड गाइड समागम में शामिल बच्चे। ● अमृत विचार

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: हिन्दुस्तान स्काउट्स एंड गाइड समागम में नोजगे पब्लिक स्कूल के स्काउट एंड गाइड के विद्यार्थियों ने बेस्ट कैंपरिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। शांतिपुरी मैदान पंतनगर में दो से चार दिसंबर तक आयोजित हिन्दुस्तान स्काउट्स एंड गाइड समागम में नोजगे पब्लिक स्कूल के स्काउट एंड गाइड के विद्यार्थियों ने बेस्ट कैंपरिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुमाऊं मंडल के समागम में रामनगर, पंतनगर, रुद्रपुर, काशीपुर, नैनीताल, हल्द्वानी, लालकुआं, किच्छा, गदरपुर, बाजपुर, चम्पावत, हल्द्वानी आदि क्षेत्रों के विद्यालयों के स्काउट एंड गाइड ने प्रतिभाग किया। जिसमें गांठ बंधन, टैंट पिचिंग, आपदा प्रबन्धन, ध्वाजारोहण तकनीक, आपात कालीन बचाव, साहसिक गतिविधियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम, परेड आदि का आयोजन हुआ। इस अवसर पर प्रबन्ध निर्देशिका सुरेंद्र कौर, प्रधानाचार्य आरिज अल्वी ने विद्यार्थियों एवं उनके मेंटर स्काउट मास्टर ललित चन्द और गाइड कैप्टन अनीता परवाल को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

ब्रीफ न्यूज

हरिद्वार में हाथियों का उत्पात, कार क्षतिग्रस्त

हरिद्वार : हरिद्वार के जगजीतपुर क्षेत्र में शुक्रवार सुबह उस समय अफरातफरी मच गई, जब तीन हाथी अचानक जंगल से निकलकर कॉलोनी में आ पहुंचे। जिस वक्त घटना हुई, लोग अपने घरों में सो रहे थे और सड़कों पर सन्नाटा पसरा था। कॉलोनी में घूमते हुए कुत्तों के तेज भौंकने से एक हाथी रास्ता भटक गया और दौड़ते हुए एक संकरी गली में घुस गया। गली में खड़ी एक कार से हाथी टकरा गया, जिससे वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसका हॉर्न लगातार बजने लगा। हॉर्न की तेज आवाज से हाथी कुछ क्षण के लिए विचलित हुआ, लेकिन तुरंत खुद को संभालते हुए शांत भाव से गली से बाहर निकल गया और आगे बढ़ गया। कार के हॉर्न बजने के बाद जब लोग बाहर निकले, तो उन्हें गाड़ी क्षतिग्रस्त अवस्था में दिखी, लेकिन समझ नहीं आया कि यह हुआ कैसे। गली में लगे सीसीटीवी कैमरों ने पूरे घटनाक्रम को रिकॉर्ड किया जिससे पूरी स्थिति स्पष्ट हुई। उधर, स्थानीय लोगों ने विभाग से हाथियों के रियायशी इलाकों मे प्रवेश करने पर रोकथाम लगाने की मांग की है।

किशोरी अचानक लापता

हरिद्वार : भूपतवाला क्षेत्र से गुरुवार देर शाम 13 वर्षीय किशोरी अचानक लापता हो गई। परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा तो नगर कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज करायी। बेटी के लापता होने के बाद से परिजन सदमे में है। उन्होंने पुलिस से गुहार लगाई है कि किशोरी को जल्द बरामद किया जाए। पुलिस ने कहा कि, तलाश की जा रही है। कोई भी जानकारी मिलती है तो परिजनों को तुरंत सूचित किया जाएगा।

चरस के साथ तस्कर और खरीदार गिरफ्तार

चमोली : थाना थराली पुलिस ने 963 ग्राम चरस बरामद कर दो आरोपी गिरफ्तार किए हैं। थानाध्यक्ष थराली विनोद चौरसिया ने बताया कि देवाल तिराहा क्षेत्र में चेकिंग के दौरान बोलरो वाहन की डिग्गी से टेप में लिपटा पैकेट मिला जिसमें 963 ग्राम चरस बरामद हुई। पुलिस ने गाड़ी चालक पंकज सिंह निवासी घेस, देवाल को मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पंकज ने बताया कि वह यह चरस कर्णप्रयाग में प्रीतम पंवार निवासी ऋषिकेश को सौंपने जा रहा था, जिसके लिए उसे 50 हजार रुपये दिए गए थे। तकनीकी व खुफिया इनपुट के आधार पर पुलिस ने प्रीतम पंवार को भी पकड़ लिया। सत्यापन में जब उसने सौदे की बात स्वीकार की, तो उसे भीं गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री धामी आज और कल बागेश्वर के दौरे पर

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी छह-सात दिसंबर को जिले के दो दिनी दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह विभिन्न बैठकों में प्रतिभाग करेंगे, विकास योजनाओं की समीक्षा कर जनसभा को संबोधित करेंगे।

ज़िलाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री 10:50 बजे जीटीसी हैलीपैड देहरादून से प्रस्थान करके 11:40 बजे मेलाडुंगरी हैलीपैड, गरुड़ पहुंचेंगे। 12:10 से एक बजे तक पर्यटक आवास गृह बैजनाथ में वरिष्ठ नागरिकों एवं प्रबुद्धजनों के साथ भेंट-वार्ता करेंगे। 1:35 बजे बैजनाथ से बागेश्वर हेतु प्रस्थान करेंगे। 2:15 से 3 बजे तक भाजपा जिला कार्यालय मंडलसेरा में विभिन्न संगठनों/एसोसिएशनों के पदाधिकारियों के साथ संवाद करेंगे। तथा 3:30 बजे तक भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर चार बजे कलेक्ट्रेट सभागार में विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक करेंगे। 5:45 बजे लोनिवि विश्राम गृह में रात्रि विश्राम करेंगे। 7 दिसंबर को सुबह 8:30 बजे बागनाथ मंदिर में दर्शन एवं पूजा के बाद सैनिक कल्याण विभाग द्वारा झंडा लगाए जाने का कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। 10 बजे बागेश्वर विश्राम गृह से कपकोट हेतु प्रस्थान करेंगे। 11:15 से 11:50 बजे तक विवेकानंद विद्या मंदिर, कपकोट में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के बाद 12 बजे से एक बजे तक केदारेश्वर मैदान, कपकोट में जनसभा में प्रतिभाग करेंगे इसके बाद देहरादून रवाना होंगे।

मुख्यमंत्री धामी की प्राथमिकता-जनसेवा: 533.79 लाख की लागत से प्रारम्भ होने जा रहा निर्माण

टनकपुर में स्थापित होगा नया मिनी विकास भवन

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचार: आदर्श चम्पावत की परिकल्पना के अनुरूप तथा टनकपुर क्षेत्र की वर्षों पुरानी जनभावनाओं को सम्मान देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पूर्णागिरि तहसील, टनकपुर में मिनी विकास भवन/बार भवन का निर्माण अब शीघ्र ही 533.79 लाख रुपये (अनुमानित) की लागत से प्रारम्भ होने जा रहा है।

मुख्यमंत्री धामी द्वारा टनकपुर में मिनी विकास भवन स्थापित किए जाने का प्रमुख उद्देश्य पहाड़ी एवं मैदानी क्षेत्रों से जुड़े नागरिकों को प्रशासनिक सेवाएं उनकी दहलीज पर उपलब्ध कराना है, ताकि लोगों को सामान्य कार्यों के लिए जिला

मुख्यालय तक बार-बार न जाना पड़े। टनकपुर चूंकि चम्पावत जिले का व्यापारिक, धार्मिक, परिवहन एवं सीमा-संबंधी गतिविधियों का प्रमुख केन्द्र है, ऐसे में यहां मिनी विकास भवन बनने से न केवल स्थानीय प्रशासनिक पहुंच सुगम होगी बल्कि पूर्णागिरि धाम आने वाले लाखों श्रद्धालुओं, सीमांत क्षेत्र के ग्रामीणों, व्यवसायिक गतिविधियों से जुड़े लोगों को त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराना भी संभव हो सकेगा।

यह भवन आदर्श चम्पावत मॉडल के अनुरूप एकीकृत प्रशासनिक सेवाओं का हब बनेगा, जिसमें राजस्व, विकास, सामाजिक कल्याण, जन शिकायतों के निस्तारण तथा अन्य आवश्यक विभागों की सेवाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी। परिणामस्वरूप लोगों का समय, धन एवं श्रम बचेगा तथा शासन-प्रशासन से उनकी सहभागिता और भी मजबूत होगी। साथ ही, शारदा कॉरिडोर-जो पर्यटन, धार्मिक आवागमन, स्थानीय व्यापार और सीमांत विकास को नई गति प्रदान करेगा, उसकी गतिविधियों के प्रभावी संचालन, समन्वय एवं निगरानी में भी यह भवन अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नयी प्रशासनिक पहचान मिलेगी

मिनी विकास भवन के माध्यम से टनकपुर और पूर्णागिरि क्षेत्र को नयी प्रशासनिक पहचान मिलेगी, स्थानीय विकास कार्यों में तीव्रता आएगी, युवाओं को अधिक अवसर प्राप्त होंगे तथा नागरिकों को सुगम, समयबद्ध और पारदर्शी शासन सेवाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री धामी द्वारा टनकपुर को आदर्श चम्पावत के सशक्त अवयव के रूप में विकसित करने का यह निर्णय, सीमा क्षेत्र तक मजबूत, संवेदनशील एवं आधुनिक प्रशासनिक व्यवस्था पहुंचाने की प्राथमिकता में है।

मातम में बदली शादी की खुशियां, मची चीख पुकार, दूल्हे का भांजा भी घायल

मां-बेटे समेत पांच लोगों की मौत होना दे गया परिवारों को जिंदगी भर का गम

संवाददाता, चम्पावत/लोहाघाट

अमृत विचार: शादी की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं और चीख पुकार मच गई। बरात का वाहन खाई में गिरने से मां-बेटे समेत पांच लोगों की मौत होना कई परिवारों को जमाने भर का गम दे गया। वहीं, पूरे इलाके में शोक का आलम है।

जानकारी के अनुसार, पिथौरागढ़ के सेराघाट के किलोटा गांव से चम्पावत जिले के पाटी क्षेत्र के बालातड़ी में बरात आयी थी। विवाह संपन्न होने के बाद गुरुवार रात सभी बराती अलग-अलग वाहनों से लौट रहे थे। एक बोलेरो वाहन में दूल्हे की बहन भावना चौबे और उनके दो बेटे प्रियांशु व चेतन, दूल्हे का भाई भास्कर पंडा, दो रिश्तेदार प्रकाश चंद्र उनियाल व सुरेश नौटियाल, प्रकाश के भाई केवल चंद्र उनियाल, प्रकाश का बेटा धीरज उनियाल, राजेश जोशी सवार थे। यह वाहन देवीदत्त पांडे रात करीब 10 बजे लेकर

मृतकों के परिवारों को आर्थिक सहायता के चेक तैयार करते अधिकारी। ● अमृत विचार

निकला था। विवाह स्थल से करीब 100 किमी दूर बाराकोट तहसील में बाघधारा के पास अचानक बोलेरो अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी और चीख पुकार मच गई।

इस हादसे में भावना, प्रियांशु, प्रकाश व केवल उनियाल और सुरेश नौटियाल की मौत हो गई जबकि चेतन, राजेश और धीरज की हालत खतरे से बाहर बतायी गयी। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विराज राठी व डॉ. अजीम ने बताया कि घायलों में से भास्कर की हालत गंभीर होने के कारण उसे हायर सेंटर रेफर किया गया। हादसे का कारण वाहन चालक का नशे में होना बताया गया। चालक के एल्कोमीटर से जांच के बाद सैंपल हल्द्वानी भेजा गया है। आरोपी के खिलाफ लोहाघाट थाने में तहरीर दी गई है। एसओ अशोक कुमार सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है।

घायल धीरज उनियाल।

घायल चेतन चौबे।

घायल राजेश जोशी।

सीसीटीवी रिकार्डिंग 45 दिनों तक सुरक्षित रखें मेडिकल स्टोर स्वामी

चम्पावत : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव भवदीप रावते के नेतृत्व में औषधि नियंत्रण एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने सुरक्षित दवा, सुरक्षित जीवन अभियान के अंतर्गत जिला अस्पताल के आस-पास मौजूद मेडिकल प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान चार मेडिकल प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर दवाओं के भंडारण, लाइसेंस एवं विक्रय से संबंधित प्रावधानों की विस्तृत जांच की गई।

प्राधिकरण के सचिव ने फर्म स्वामियों को औषधियों के सही भंडारण, एक्सपायर्ड दवाओं को पृथक रखने एवं उनके उचित निस्तारण, तथा बिना डाक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक्स के उपयोग और बिक्री न करने के निर्देश दिए। औषधि निरीक्षक हर्षिता ने मेडिकल स्टोर स्वामियों को बिना चिकित्सीय परामर्श के कफ सिरप का विक्रय न करने और मेडिकल प्रतिष्ठान लाइसेंस की शर्तों का पालन सुनिश्चित करने को कहा। मेडिकल स्टोरों को अपने प्रतिष्ठानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग न्यूनतम 45 दिनों तक सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए।

पशु सेवा केंद्र पौधार के संचालन की उम्मीद जगी

लमगड़ा के पौधार में बंद पशु सेवा केंद्र। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

- जिलाधिकारी ने केंद्र के संचालन के आदेश जारी किए
- केंद्र के संचालन से काश्तकारों को मिलेगा सीधा लाभ

अमृत विचार: लमगड़ा ब्लॉक के पौधार स्थित पशु सेवा केंद्र के संचालन की उम्मीद जगी है। जिलाधिकारी ने केंद्र के संचालन के आदेश जारी किए हैं। केंद्र के संचालन से काश्तकारों को सीधा लाभ मिलेगा।

डीएम अंशुल सिंह ने बीती दो दिसंबर को लमगड़ा क्षेत्र का निरीक्षण किया था। तहसील दिवस की सुनवाई से लौटते समय ग्रामीण हिम्मत सिंह ने पौधार में केंद्र के बंद होने की जानकारी डीएम को दी। साथ ही होने वाली परेशानियों के बारे में भी बताया। इसके बाद डीएम केंद्र के निरीक्षण के लिए पौधार पहुंच गए। यहां व्यवस्थाओं और काश्तकारों के सामने आ रही परेशानी का जायजा लिया। जानकारी मिली कि केंद्र काफी समय से बंद है। इस पर डीएम ने पशु सेवा केंद्र को खोलने और डॉक्टर की नियुक्ति के निर्देश जारी कर दिए। डीएम के निर्देश के बाद केंद्र में एक बार फिर सेवाओं का संचालन शुरू हो गया है। सीवीओ योगेश अग्रवाल ने बताया कि हर बुधवार और गुरुवार को पशुधन प्रसार अधिकारी यहां उपलब्ध रहेंगे। पशुपालकों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

सिटी मांटेसरी स्कूल ने जीता फाइनल

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार : मिशन इंटर कॉलेज रानीखेत में स्व. केडी बेलवाल स्मृति ट्रस्ट द्वारा आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच खेला गया जिसमें सिटी मांटेसरी स्कूल गनियाद्योली की टीम विजयी रही। मुख्य अतिथि संयुक्त मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात ने विजेता टीम को सम्मानित किया।

मिशन इंटर कॉलेज में शिक्षक रहे स्व. केडी बेलवाल की स्मृति में प्रतिवर्ष वॉलीबॉल प्रतियोगिता एवं उनकी पत्नी लोककर्मी स्व. कमला बेलवाल की स्मृति में ऐपण प्रतियोगिता का आयोजन होता आया है। जिसमें विकासखंड के कई विद्यालय शिरकत करते हैं। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में इस बार नौ टीमों ने हिस्सा लिया जिसमें सिटी मांटेसरी स्कूल और रानीखेत मिशन इंटर कॉलेज की टीमों के

वॉलीबॉल प्रतियोगिता के प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त करतीं संयुक्त मजिस्ट्रेट।

बीच रोमांचक फाइनल मुकाबला हुआ जिसमें सिटी मांटेसरी स्कूल गनियाद्योली की टीम विजयी रही। फाइनल में निर्णायक की भूमिका शिवराज बिष्ट और मनमोहन देव ने निभाई। ऐपण प्रतियोगिता में आर्मी पब्लिक स्कूल की रंजना साह प्रथम, रानीखेत मिशन इंटर कॉलेज की स्नेहा कुमारी द्वितीय व राजकीय आदर्श बालिका इंटर कॉलेज की आर्या तृतीय स्थान पर रही। ऐपण प्रतियोगिता में डॉ. रजनी भट्ट, बीना साह और रीना वर्मा निर्णायक रहे। ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष की भांति इस बार भी रानीखेत मिशन इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य हेमंत कुमार अग्रवाल व संचालन अनिल मनी ने किया। कार्यक्रम में बेलवाल ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी जगदीश बेलवाल, सदस्य कैलाश पांडे, अतुल अग्रवाल, विजय लाल साह, अगस्त लाल साह, जीवन चंद्र पांडे, अनिल पांडे, सिटी मांटेसरी स्कूल प्रधानाचार्य विनोद खुल्बे, खेल प्रशिक्षक दीपक मेहरा आदि मौजूद रहे।

दो राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे शुरू

नैनीताल: कुमाऊं विवि के मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित दो राष्ट्रीय स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी विवि को विवि अनुदान आयोग (यूजीसी) और शिक्षा मंत्रालय के भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रकोष्ठ ने सौंपी है।

देशभर से केवल चार विश्वविद्यालयों का चयन किया है, जिनमें कुमाऊं विवि का शामिल होना बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। केंद्र की निदेशक प्रो. दिव्या जोशी ने बताया कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य देश के शिक्षण संस्थानों में भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रम में समेकित करने के लिए शिक्षकों की क्षमता का विकास करना है। प्रतिभागियों को भारतीय बौद्धिक परंपराओं की मूल अवधारणाओं के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

खाई में गिरी कार, चालक घायल

- सोमेश्वर के सिरकोट के पास गुरुवार रात हुआ हादसा

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: अल्मोड़ा-बागेश्वर मोटरमार्ग में सिरकोट के समीप एक कार अनियंत्रित होकर 250 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। गुरुवार रात हुए इस हादसे का जानकारी सुबह ग्रामीणों द्वारा पुलिस को दी गई। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर घायल व्यक्ति को खाई से बाहर निकाला।

जानकारी के मुताबिक सिरकोट से करीब एक किमी दूरी पर एक कार गुरुवार रात अनियंत्रित होकर 250 मीटर गहरी खाई में गिर गई। कार में नंदा देवी निवासी सागर वर्मा पुत्र सुभाष वर्मा सवार थे। कार के क्षतिग्रस्त होने के कारण वह अंदर ही फंस गए। घायलावस्था

सिरकोट के समीप हुई कार दुर्घटना में रेस्क्यू अभियान चलाती टीमें। ● अमृत विचार

में उन्होंने मदद के लिए आवाज लगाई, लेकिन रात का समय होने से उनकी मदद को कोई नहीं पहुंचा। सुबह होने पर लोगों को घटना की जानकारी मिल पाई। सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस, फायर और एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू शुरू कर दिया। कटर की मदद से कार को काटा गया। तब जाकर घायल सागर को निकाला जा सका। इसके बाद उन्हें उपचार के लिए बेस अस्पताल भेजा गया। रे

स्क्यू में एनटीडी चौकी प्रभारी कृष्ण कुमार, एसआई पंकज सिंह, ओम प्रकाश, मुकेश सिंह, आनंद सिंह, धीरेन्द्र सिंह, श्याम लाल, रवि आर्य, मोहम्मद अशरफ, कुलदीप, कृष्णा सिंह, कैलाश जोशी, पुष्कर मेहता थे।

किसानों को मशीन की जानकारी दी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: डुम्मिढ़ और डिगरा गांवों में वीपीकेएएस संस्थान हवालबाग की ओर से कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान किसानों को मंडुवा थ्रेशर-कम-पर्लर का प्रशिक्षण दिया गया। बताया कि इस मशीन में मंडुवा की मड़ाई में मेहनत कम लगेगी और लागत में भी बचत होगी।

भाकृअनुप-विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की ओर से डुम्मिढ़ गांव में हुए कार्यक्रम के दौरान अनुसूचित जाति व गरीबी रेखा से नीचे की श्रेणी के 31 किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। वहीं, डिगरा गांव में 39 किसानों ने भाग लिया। तकनीशियन सुरेंद्र सिंह ग्वाल व फसल कटाई उपरान्त इंजीनियरिंग व प्रौद्योगिकी पर अखिल भारतीय समन्वित

कृषकों को मंडुवा थ्रेशर-कम-पर्लर मशीन का प्रशिक्षण देते वैज्ञानिक। ● अमृत विचार

अनुसंधान परियोजना के अन्य स्टाफ ने मशीन की विशेषताएं बताई। बताया कि मशीन की मंडुवा व मादिरा की मड़ाई क्षमता 40-60 किलो प्रति घंटा, मंडुवा की पर्लिंग क्षमता 60-80 किलो प्रति घंटा और मादिरा का छिलका निकालने की क्षमता ढाई से चार किलोग्राम प्रति घंटा है। यह मशीन एक फेज बिजली से आसानी से चलाई जा सकती है। गांव की महिला किसानों ने स्वयं मंडुवा थ्रेशर चलाकर इसका अनुभव भी प्राप्त किया। यहां ग्राम प्रधान बिमल देवी भी मौजूद रहीं।

समारोह | मुख्य अतिथि प्रो. जगत सिंह बिष्ट ने कहा बच्चों को अपने भीतर छिपी शक्तियों को पहचानने की जरूरत

धूमधाम से मनाया गया राइंका नाई का वार्षिकोत्सव

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: राइंका नाई में शुक्रवार को विद्यालय का द्वितीय वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय की वार्षिक पत्रिका मोनाल और त्रैमासिक न्यूज पत्र नाई न्यूज का लोकार्पण भी किया गया।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, विद्यालय गीत, आपरेशन सिंदूर गीत, विज्ञान नाटक, कुमाउनी लोकनृत्य, बरसो से मेघा हिंदी नृत्य आदि की प्रस्तुति दी। वार्षिकोत्सव समारोह का मुख्य अतिथि प्रो. जगत सिंह बिष्ट, विशिष्ट अतिथि नीरज पंत, प्रधानाचार्य डॉ. पवनेश ठकुराठी ने दीप जलाकर शुभारंभ

समारोह के दौरान वार्षिक पत्रिका का विमोचन करते अतिथि। ● अमृत विचार

किया। इस दौरान मुख्य अतिथि प्रो. जगत सिंह बिष्ट ने कहा कि बच्चों को अपने भीतर छिपी शक्तियों को पहचानने की जरूरत है। बच्चों को निरंतर अध्ययन कर आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि नीरज पंत ने कहा कि विद्यार्थी परिश्रम के बल पर ही शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. पवनेश ठकुराठी ने कहा कि इस बार का वार्षिकोत्सव आपरेशन सिंदूर के वीर जवानों को समर्पित है। समारोह में 12वीं की छात्रा दीपिका भंडारी को इंटरमें ताकुला ब्लॉक टॉप करने तथा 10वीं की छात्रा सपना बिष्ट को रणजीत सिंह अल्मिया मेधावी विद्यार्थी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मान के रूप में दोनों छात्राओं को पांच-पांच हजार की धनराशि व प्रतीक चिह्न भेंट किये गए। समारोह में 12वीं की छात्रा खुशबू बिष्ट को पहरू द्वारा आयोजित कविता प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने पर एक हजार रुपये व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मोहन सिंह कमला देवी राष्ट्रभाषा पुरस्कारों और प्रतिभा पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। यहां क्षेपं सदस्य निर्मल सिंह नयाल, तारा देवी, भगवत राम, नंदन सिंह नयाल, गणेश चंद्र शर्मा, डा. विनोद कुमार आर्या, अंकित जोशी, अर्पण कुमार साह, डॉ. मुकेश चंद्र, भीम सिंह रावत, अंजलि आर्या, विभा गुरूरानी, पंकज देवड़ी, चंदन बिष्ट, कमला देवी, शीला देवी, नीमा नयाल, सुनीता आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

शनिवार, 6 दिसंबर 2025

सपने देखो, सपने देखो, सपने देखो। सपने विचारों में बदल जाते हैं और विचार कार्य में परिणत होते हैं।

-एपीजे अब्दुल कलाम, पूर्व राष्ट्रपति

बहुध्रुवीय सार्थक साझेदारी

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यात्रा और उस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई वार्ता भारत की कूटनीति के लिए ऐसे समय निर्णायक महत्व रखती है, जब वैश्विक शक्ति-संतुलन तेजी से बदल रहा है। अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ लगाने के बाद पैदा हुई खटास, पश्चिम–रूस तनाव तथा यूक्रेन संघर्ष की अनिश्चितता- इन सबके बीच यह यात्रा अत्यंत दूरगामी प्रभाव छोड़ने वाली है। रूस से ट्रेड अमेरिकी टैरिफ से निबटने का बेहतर विकल्प है। पुतिन मोदी संवाद के दौरान दोनों देशों ने आपसी हितों से जुड़े सभी अहम क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों को खुलकर साझा किया। यूक्रेन संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों का असर, एशिया-प्रशांत में शक्ति-संघर्ष, ऊर्जा सुरक्षा और बहुपक्षीय मंचों पर समन्वय- इन पर भारत-रूस की स्पष्टता आने वाले समय में नई रणनीतिक दिशा तय करेगी। भारत की 'मल्टी-अलाइनमेंट' नीति में यह वार्ता संतुलन का एक मजबूत स्तंभ बन सकती है। ऊर्जा, रक्षा, खाद तथा व्यापार के मोर्चों पर कई अहम समझौते भारतीय रिफाइनरियों के लिए दीर्घकालिक रियायती तेल सप्लाई, कोयले और प्राकृतिक गैस के लिए सुरक्षित कॉरिडोर, खाद और क्रूड फॉस्फेट की स्थिर आपूर्ति, उच्च तकनीकी वाली रक्षा प्रणालियों के संयुक्त उत्पादन जैसे कदम आपसी भरोसे को मजबूत करेंगे। एस-400 डिलीवरी के अगले चरण, ब्रह्मोस के निर्यात संस्करण तथा एयरोस्पेस और समुद्री प्रणालियों में सहयोग को भी गति मिल सकती है।

अमेरिकी टैरिफ के बाद की यह यात्रा भारत का दृश्यमान संदेश है कि वह किसी एक ध्रुव की नीतियों का बंधक नहीं बन सकता। वाणिज्य और समाज के व्यापक क्षेत्रों- फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, खाद्य उत्पाद, उपभोक्ता वस्तुएं, शिक्षा, संस्कृति और मीडिया में यह यात्रा विशेष प्रभाव डालेगी। भारतीय दवाइयां और चिकित्सकीय उपकरण रूस में पहले ही उच्च विश्वसनीयता रखते हैं, अब संयुक्त अनुसंधान, जेनेरिक दवाओं की संयुक्त फैक्ट्रियां और अस्पताल सहयोग नए अवसर खोलेंगे। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण में रूस ने भारतीय निर्यात बढ़ाने की गंभीर रुचि दिखाई है। कारोबारी रिश्तों की बात करें तो 'ईस्टर्न इकोनॉमिक कॉरिडोर' के तहत भारतीय निवेश को प्रोत्साहन और रूस के आर्कटिक सेक्टर में सहयोग दोनों ही देशों के लिए रणनीतिक मूल्य रखते हैं। खाद जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारत की निर्भरता रूस से मिल रही स्थिर आपूर्ति के कारण अधिक सुरक्षित होगी।

पुतिन की यह यात्रा, जी 20, ब्रिक्स, एससीओ और संयुक्त राष्ट्र जैसे बहुपक्षीय मंचों- पर सामूहिक एजेंडा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विशेषकर ब्रिक्स के विस्तार, वैश्विक दक्षिण की आवाज़ को मजबूत करने और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में सुधार के मुद्दों पर भारत-रूस एकजुटता इन संगठनों में नई गति ला सकती है। कुल मिलाकर मोदी सरकार के लिए यह यात्रा न केवल विदेश नीति के लिहाज़ से, बल्कि राजनीतिक-संदेश और रणनीतिक स्वायत्तता के सिद्धांत की पुनर्पुष्टि के रूप में भी असाधारण रूप से महत्वपूर्ण है। अमेरिका के साथ संबंधों में आई क्षणिक गिरावट के बीच यह यात्रा भारत की 'स्वतंत्र और बहुध्रुवीय' विदेश नीति की परिपक्वता का प्रमाण है।

प्रसंगवश

डॉ. आंबेडकर का सामाजिक राजनीतिक दर्शन

इंग्लैंड से लौटने के बाद जब डॉ. आंबेडकर ने भारत की धरती पर कदम रखा, तो समाज में छुआछुत और जातिवाद चरम पर था। उन्हें लगा कि यह सामाजिक कुप्रवृत्ति और खंडित समाज देश को कई हिस्सों में तोड़ देगा। सो उन्होंने हाशिए पर खड़े अनुसूचित जाति-जनजाति एवं दलितों के लिए पृथक निर्वाचिका की मांग कर परोक्ष रूप से समाज को जोड़ने की दिशा में पहल तेज कर दी। अपनी आवाज को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उन्होंने 1920 में, बंबई में साप्ताहिक मूकनायक के प्रकाशन की शुरुआत की, जो शीघ्र ही पाठकों में लोकप्रिय हो गया। दलित वर्ग के एक सम्मेलन के दौरान उनके दिए गए भाषण से कोल्हापुर राज्य का स्थानीय शासक शाहु चतुर्थ बेहद प्रभावित हुआ और डॉ. अंबेडकर के साथ उसका भोजन करना रुढ़िवाद से ग्रस्त भारतीय समाज को झकझोर गया।

अरविंद जयतिलक

लेखक

डॉ. अंबेडकर ने मुख्यधारा के महत्वपूर्ण राजनीतिक दलों को जाति व्यवस्था के उन्मूलन के प्रति नरमी पर वार करते हुए उन नेताओं की भी कटु आलोचना की, जो अस्पृश्य समुदाय को एक मानव के बजाए करुणा की वस्तु के रूप में देखते थे। ब्रिटिश हुकूमत की विफलताओं से नाराज अंबेडकर ने अस्पृश्य समुदाय को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए एक ऐसी अलग राजनीतिक पहचान की वकालत की, जिसमें कांग्रेस और ब्रिटिश दोनों का कोई दखल न हो। 8 अगस्त 1930 को उन्होंने एक शोषित वर्ग के सम्मेलन के दौरान अपनी राजनीतिक दृष्टि को दुनिया के सामने रखा और कहा कि हमें अपना रास्ता स्वयं बनाना होगा और स्वयं राजनीतिक शक्ति शोषितों की समस्याओं का निवारण नहीं हो सकती। उनको शिक्षित करना चाहिए, उनका उद्धार समाज में उनका उचित स्थान पाने में निहित है। उनको अपना रहने का बुरा तरीका बदलना होगा। उनको शिक्षित होना चाहिए। एक बड़ी आवश्यकता उनकी हीनता की भावना को झकझोरने और उनके अंदर दैवीय असंतोष की स्थापना करने की है, जो सभी ऊंचाइयों का स्रोत है।

डॉ. अंबेडकर सिर्फ हिंदू समाज में व्याप्त कुरीतियों और सामाजिक भेदभाव के ही विरोधी नहीं थे, बल्कि वे इस्लाम धर्म में व्याप्त बाल विवाह की प्रथा और महिलाओं के साथ होने वाले दुर्व्यवहार के भी कटु आलोचक थे। उन्होंने लिखा है कि मुस्लिम समाज में तो हिंदू समाज से भी कहीं अधिक बुराईयां हैं और मुसलमान उन्हें भाईचारे जैसे नरम शब्दों के प्रयोग से छिपाते हैं। उन्होंने मुसलमानों द्वारा अर्जल वर्गों के खिलाफ भेदभाव, जिन्हें निचले दर्जे का माना जाता था, के साथ मुस्लिम समाज में महिलाओं के उत्पीड़न की दमनकारी पर्दा प्रथा की जबरदस्त निंदा की। डॉ. अंबेडकर स्त्री-पुरुष समानता के प्रबल पक्षधर थे।

उन्होंने इस्लाम धर्म में स्त्री-पुरुष असमानता का जिक्र करते हुए कहा कि बहुविवाह और रखैल रखने के दुपरिणाम शब्दों में व्यक्त नहीं किए जा सकते, जो विशेष रुप से एक मुस्लिम महिला के दुख के स्रोत हैं। वे हिंसामुक्त समानता पर आधारित समाज के पैरोकार थे। दरअसल अंबेडकर ही एकमात्र राजनेता थे जो छुआछुत की निंदा करते थे। जब 1932 में ब्रिटिश हुकूमत ने उनके साथ सहमति व्यक्त करते हुए अछूतों को पृथक निर्वाचिका देने की घोषणा की तब महात्मा गांधी ने इसके विरोध में पुणे की यरवदा सेंट्रल जेल में आमरण अनशन शुरु कर दिया। यह अंबेडकर का प्रभाव ही था कि गांधी जी ने अनशन के जरिए रुढ़िवादी हिंदू समाज से सामाजिक भेदभाव और अस्पृश्यता को खत्म करने की अपील की।

फूड सब्सिडी और किसानों की चिंताएं

राजेश श्रीनेत

वरिष्ठ पत्रकार

कृषि से जुड़ी नीतियां और समर्थन प्रणालियां देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। हाल के वर्षों में दो चीजें समान रूप से बढ़ी हैं। एक ओर किसानों में खेती के लाभ को लेकर चिंताएं गहरी होती जा रही हैं और दूसरी ओर सरकार का फूड सब्सिडी पर खर्च रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है। इन दोनों स्थितियों का एक साथ उभरना स्वाभाविक रूप से यह सवाल खड़ा करता है कि क्या बढ़ती फूड सब्सिडी वास्तव में किसानों के हितों को मजबूत कर रही है या यह लाभ अधिकतर उपभोक्ताओं तक ही सीमित है।

देश में फूड सब्सिडी का अर्थ केवल सस्ता अनाज उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि यह देश की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में से एक है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत करोड़ों परिवारों को अत्यंत रियायती दरों पर अनाज दिया जाता है। इसके अलावा कोविड-19 जैसी आपात स्थितियों के दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने सब्सिडी के भार को और बढ़ाया। इन योजनाओं को चलाने के लिए सरकार को पहले किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाज खरीदना होता है, फिर उसका भंडारण करना, ढुलाई कराना और अंत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से जरूरतमंदों तक पहुंचाना होता है। इन सभी चरणों की बढ़ती लागत मिलकर फूड सब्सिडी को बहुत बड़ा आर्थिक बोझ बना देती है। पिछले एक दशक में यह बोझ कई गुना बढ़ चुका है और सरकार के कुल बजट में इसका हिस्सा अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

दूसरी ओर, किसानों की स्थिति वेतनभोगी तबके की तरह स्थिर नहीं होती। खेती प्राकृतिक जोखिमों पर निर्भर करती है और उत्पादन लागत लगातार बढ़ती जा रही है। खाद, डीज़ल, श्रम, कीटनाशक और कृषि संबंधी मशीनरी सब कुछ महंगा होता जा रहा है। ऐसे में किसानों को मिलने वाला मूल्य कई बार उनकी लागत तक भी नहीं पहुंच पाता। यूं तो न्यूनतम समर्थन मूल्य एक सुरक्षा कवच की तरह दिखता है, पर वास्तविकता यह है कि देश के लगभग 6–8% किसान ही अपनी उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेच पाते हैं। अधिकांश किसानों की फसल खुले बाजार में बिकती है, जहां मांग और आपूर्ति के आधार पर कीमतें काफी बदलती रहती हैं। यह अस्थिरता किसानों की चिंताओं को और बढ़ा देती है।

इसके अलावा सरकार द्वारा मुख्य रूप से धान और गेहूं की खरीद होने के कारण किसान सुरक्षित विकल्प के रूप में इन्हीं फसलों को उगाने पर निर्भर रहते हैं। इससे न केवल मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होती है, बल्कि जल संसाधनों पर भी अत्यधिक दबाव पड़ता है। साथ ही अन्य फसलों- जैसे दालें, तिलहन, बागबानी अपने वास्तविक मूल्य से वंचित रह जाती है, क्योंकि इनके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य आधारित मजबूत खरीद प्रणाली नहीं है। जिन किसानों को अपनी उपज इन फसलों में लगानी होती है, उन्हें अक्सर अधिक जोखिम उठाना पड़ता है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भी अब अधिक स्पष्ट हो चुका है। बेमौसम बरसात, अतिवृष्टि, सूखा या अत्यधिक तापमान यह सभी खेती की लागत और उत्पादन पर गहरा असर डालते हैं। जब जोखिम बढ़ता है और समर्थन प्रणाली अपर्याप्त रहती है, तो किसान स्वाभाविक रूप से असुरक्षा महसूस करता है। ऐसे में केवल फूड सब्सिडी बढ़ जाने से किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं आता।

यह समझना महत्वपूर्ण है कि फूड सब्सिडी मुख्य रूप से उपभोक्ताओं और गरीब वर्गों को राहत देने का साधन है। सरकार महंगे दाम पर अनाज खरीदकर उसे बेहद कम दाम पर देती है, जिससे सब्सिडी की मात्रा बढ़ती है। इस प्रक्रिया में किसान को सिर्फ बिक्री का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलता है, पर यह लाभ केवल उन किसानों तक सीमित है, जिनकी फसल वास्तव में सरकारी खरीद में शामिल होती है। बाकी किसानों को इस बढ़ती सब्सिडी से प्रत्यक्ष रूप से कोई फायदा नहीं मिलता, जबकि सरकार के बजट में कृषि संरचनाओं के अन्य सुधारों पर खर्च सीमित रह जाता है।

किसानों का कहना है कि यदि सरकार उपभोक्ताओं के लिए इतनी बड़ी सब्सिडी वहन कर सकती है, तो किसानों की आय बढ़ाने, लागत कम करने और कृषि से जुड़े जोखिम घटाने पर भी समान ध्यान दिया जाना चाहिए। उनका यह तर्क भी उचित है कि कृषि को लाभकारी बनाए बिना केवल उपभोक्ता सब्सिडी बढ़ाते रहना दीर्घकालिक समाधान नहीं हो सकता। किसान देश की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ हैं, और यदि वही आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे तो उत्पादन पर इसका असर पड़ना स्वाभाविक है।

इस जटिल परिस्थिति से बाहर निकलने के लिए व्यापक सुधारों की आवश्यकता है। कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे भंडारण, परिवहन, कोल्ड चेन और प्रोसेसिंग इकाइयों को मजबूत किए बिना किसानों को बेहतर लाभ दिलाना मुश्किल है। इसके साथ बाजार सुधारों की भी जरूरत है, जहां किसान बिचौलियों पर निर्भर न रहें और डिजिटल प्लेटफॉर्म या किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से सीधे खरीदारों से जुड़ सकें। फसल में विविधता लाने को भी किसानों को प्रोत्साहित करके, खासकर दलहन और तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देकर, भारत आयात पर निर्भरता भी घटा सकता है और किसानों की आय भी बढ़ा सकता है। लागत कम करने के उपाय जैसे- आधुनिक सिंचाई तकनीक, जैविक विकल्प और उन्नत बीज भी किसानों की मदद कर सकते हैं।

अंत में यह कहा जा सकता है कि फूड सब्सिडी का बढ़ना देश की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक है, पर यह किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं है। किसानों की आय, कृषि लागत, जोखिम स्तर और बाजार व्यवस्था सुधारने पर समान रूप से ध्यान देना होगा।

हाल के वर्षों में दो चीजें समान रूप से बढ़ी हैं। एक ओर किसानों में खेती के लाभ को लेकर चिंताएं गहरी होती जा रही हैं और दूसरी ओर सरकार का फूड सब्सिडी पर खर्च रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है।

आमने

फॉरेन डिग्निटरीज कोई आता है, तो हमें मिलने नहीं दिया जाता। अटल बिहारी वाजपेई के समय होता था। मनमोहन सिंह के समय होता था, लेकिन आजकल नहीं होता। जब फॉरेन डिग्निटरीज आती हैं, तो विदेश मंत्रालय उनको सजेस्ट करता है कि किससे मिलना है, किससे नहीं।

-राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष

सामने

विदेश में जाकर भारत के लोकतंत्र को राहुल गांधी कोसते हैं। राहुल गांधी पॉलिटिक्स को लेकर सीरियस नहीं हैं। आज तक बता दीजिए कि कोई भी जिम्मेदार व्यक्ति विदेश जाकर भारत को कोसता हो, पर राहुल गांधी विदेशी धरती पर हमेशा भारत को कोसते रहते हैं।

-सतीश चंद्र दुबे, केंद्रीय मंत्री

बढ़ रहे हैं अंतरिक्ष मौसम के खतरे

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

अभी एथियोपिया से उठे ज्वालामुखी के गुबार से हवाई जहाजों के संचालन में आ रहे व्यवधान का संकट चल ही रहा था कि सूर्य किरणों से उत्पन्न विकिरण से सारी दुनिया में लोकप्रिय कोई साढ़े छह हजार एयर बस ए-230 के सॉफ्टवेयर गड़बड़ा गए और उनकी उड़ान रोकनी पड़ी। 30 अक्टूबर को न्यूयॉर्क के लिए उड़ान भर रही जेटब्लू एयरलाइंस के जहाज को सूर्य-विकिरण की मार पड़ी। इससे जहाज में झटके लगे और 15 यात्री घायल हो गए। इस घटना के बाद पूरी दुनिया में कोहराम मचा और पता चला कि यह समस्या एलीवेटर एंड एइलरॉन कंप्यूटर (एलाक) से जुड़ी है, जो विमान की पिच और रोल को नियंत्रित करती है।

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब सूर्य-विकिरण और विशेष रूप से सौर तूफानों के कारण एयरबस जैसे आधुनिक विमानों के संचालन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा हो। 1994 में, एक तीव्र सौर तूफान ने कनाडा के एनीक-ई 2 संचार उपग्रह को निष्क्रिय कर दिया था और इसी दौरान कुछ विमानों में नेविगेशन और संचार संबंधी दिक्कतों का पता चला था। उसके बाद सन् 2008 में हुई थी जब एक क्वांटस एयरलाइंस के एयरबस A330 विमान में सोलर रेडिएशन के कारण एयर डेटा इनर्शियल रेफरेंस यूनिट में संभावित गड़बड़ी हुई थी, जिससे विमान अचानक नीचे झुक गया था। तब भी दुनिया भर की हवाई कंपनियों को बड़े पैमाने पर सॉफ्टवेयर अपग्रेड और परिचालन समायोजन करने पड़े थे। वैसे यह बेहद जटिल मुद्दा है, जो अंतरिक्ष मौसम, विमानन इलेक्ट्रॉनिक्स और उड़ान सुरक्षा से जुड़ा है।

सूर्य-विकिरण का सीधा संबंध सूर्य से उत्सर्जित होने वाले उच्च-ऊर्जा वाले कणों और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों से होता है। जब सूर्य पर कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) या सौर ज्वाला जैसी घटनाएं होती हैं, तो इससे सौर ऊर्जावान कण (सोलर एनेरजेटिक पार्टिकल यानी एसईपी) और गैलेक्टिक कॉस्मिक किरणें (जीसीआर) उत्पन्न होते हैं। पृथ्वी का वायुमंडल और चुंबकीय क्षेत्र हमें इनमें से अधिकांश से बचाता है, लेकिन 28,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर उड़ने वाले वाणिज्यिक विमान इनके प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इससे विमानन इलेक्ट्रॉनिक्स या एवियोनिक्स सिस्टम में डेटा करप्शन हो जाता है।

सिंगल इवेंट अपसेट (एसईयू) बहुत उच्च ऊर्जा वाले कण होते हैं, जो विमान के माइक्रोप्रोसेसरों और मेमोरी चिप्स से टकराते ही कुछ गड़बड़ियां पैदा कर सकते हैं। हाल की घटनाओं (जैसे एक जेटब्लू A230 की घटना) के विश्लेषण में पाया गया है कि तीव्र सोलर रेडिएशन एयरबस A320 परिवार के विमानों में एलाक जैसे महत्वपूर्ण फ्लाइट कंट्रोल कंप्यूटर के डेटा को दूषित कर सकता है। डेटा दूषित होने से विमान अनजाने में पिच डाउन (नीचे झुकना) जैसी अनियंत्रित हरकतें कर सकता है, जो उड़ान सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। वैसे समझना होगा कि यह पृथ्वी के वातावरण के बाहर की घटनाएं हैं और इसका संबंध सूर्य के 11-वर्षीय गतिविधि चक्र से है।

सौर तूफान के कारण जीपीएस/जीएनएसएस की सटीकता में कमी आ जाती है। इनके कारण आयन मंडल में गड़बड़ी पैदा होती है और नेविगेशन के लिए अनिवार्य जीपीएस और अन्य ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम सिग्नल इसके प्रभाव से कमजोर हो जाते हैं। यहां तक कि इससे रेडियो संचार ब्लैकआउट की स्थिति बन जाती है। सौर ज्वालाओं से उत्सर्जित एक्स-रे पृथ्वी के दिन के हिस्से में हाई-फ्रीक्वेंसी रेडियो संचार को पूरी तरह बाधित कर देते हैं। इसके चलते लंबी दूरी की (विशेषकर ध्रुवीय और महासागरीय) उड़ानों को आसमान की ऊंचाई में राह नहीं दिखती।

तीव्र सौर तूफानों के दौरान, बहुत ऊंचाई पर चालक दल और यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए विकिरण की अधिक मात्रा दूरगामी खतरनाक है, हालांकि यह आमतौर पर सीमित होता है। भारत में अभी इसका कोई सीधा असर नहीं दिखा है, लेकिन डीजीसीए ने भारतीय वायुयान संचालकों को तत्काल प्रभाव से आवश्यक सॉफ्टवेयर अपग्रेड करने का अनिवार्य निर्देश जारी किए हैं। इस घटना ने भारत में विमानन नियामक निकायों और एयर लाइनों के बीच अंतरिक्ष मौसम के खतरों और उनके एवियोनिक्स पर संभावित प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ाया है, जिससे भविष्य में रेडिएशन-प्रतिरोधी प्रणालियों के महत्व पर ज़ोर दिया जा रहा है।

सूर्य वर्तमान में अपने सौर चक्र 25 के अधिकतम चरण की ओर बढ़ रहा है, जिसके आने वाले महीनों में चरम पर पहुंचने की संभावना है। इस चरण में, सौर तूफानों और विकिरण की घटनाएं अधिक बार और तीव्र होने की संभावना है, जिससे एवियोनिक्स पर दबाव बढ़ेगा। हाल के दशकों में मानव-जनित ग्रीन हाउस गैसों का वार्मिंग प्रभाव, सूर्य की गतिविधि में मामूली बदलावों से कहीं अधिक शक्तिशाली रहा है। धरती पर बढ़ता कार्बनडाईआक्सॉइड आयन मंडल के तापमान और संरचना को भी बदल रहा है, जो लगभग 100-500 किमी की ऊंचाई पर है। आयन मंडल में होने वाले ये बदलाव रेडियो तरंगों के संचरण को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे शॉर्टवेव रेडियो संचार में बाधा आ सकती है।

सूर्य-विकिरण और विशेष रूप से सौर तूफानों से एयरबस के संचालन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है। 1994 में, एक तीव्र सौर तूफान ने कनाडा के एनीक-ई 2 संचार उपग्रह को निष्क्रिय कर या था।

सोशल फोरम

ब्रिटेन में एशियाई महिला का पहला स्मारक

टीपू सुल्तान की वंशज, नूर इनायत ख़ान, जिनका असली नाम नूर-उन-निसा इनायत ख़ान था, भारतीय मूल की एक बहादुर ब्रिटिश जासूस थीं। इनका जन्म पहली जनवरी 1914 को हुआ था। नूर ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान मित्र देशों के लिए जासूसी की थी। ब्रिटेन के स्पेशल ऑपरेशंस एक्जीक्यूटिव (SOE) के रूप में प्रशिक्षित नूर, द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान फ्रांस के अधिकार क्षेत्र में भेजी जाने वाली पहली महिला वायरलेस ऑपरेटर थीं। जर्मनी द्वारा गिरफ्तार किए जाने, भयंकर यातनाएं दिए जाने और अंततः गोली मारकर हत्या किए जाने से पहले, वे फ्रांस में एक गुप्त मिशन के तहत नर्स का काम करती थीं। उन पर 10 महीनों तक क्रूर अत्याचार और लगातार पूछताछ की गई, लेकिन फिर भी गेस्टापो उनसे कोई भी राज़ नहीं उगलवा सकी। उनके अपरिमित साहस और बलिदान की कहानी आज भी पूरे यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस में याद की जाती है। उनकी सेवाओं के लिए उन्हें ब्रिटेन का सर्वोच्च नागरिक सम्मान जॉर्ज क्रॉस प्रदान किया गया। उनकी स्मृति में लंदन के गॉर्डन स्क्वेयर में एक सुंदर स्मारक स्थापित है- जो इंग्लैंड में किसी मुसलमान को समर्पित तथा किसी एशियाई महिला के सम्मान में पहला स्मारक है।

शोएब गाजी

ब्लॉगर

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

विश्व में अशांति और भय से बढ़ता हथियार कारोबार

दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में बढ़ते हथियारों का जखीरा केवल सुरक्षा का ही सवाल नहीं है, बल्कि यह मानवता के भविष्य पर एक गंभीर खतरा भी है। कोई भी देश हथियार इसलिए खरीदते हैं, ताकि वे अपनी सीमाओं की रक्षा कर सकें। रणनीतिक बढ़त बनाए रख सकें और बदलते भू-राजनीतिक हालात में खुद को एक मज़बूत राष्ट्र दिखा सकें, लेकिन यही हथियारों की दौड़ कई बार तनाव बढ़ाकर युद्धों की जमीन तैयार करती है, जोकि ठीक नहीं है।

हथियारों पर होने वाला भारी खर्च शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पानी, जलवायु संरक्षण और रोजगार जैसे बुनियादी क्षेत्रों से धन को खींच लेता है और इसका असर देश के विकास, अर्थव्यवस्था और इसके निवासियों पर भी पड़ता है। क्या यह बड़ी बात नहीं है कि आज के समय में दुनिया के विभिन्न शक्तिशाली व संपन्न देश इसका इस्तेमाल अपने आर्थिक लाभ, वैश्विक प्रभाव दिखाने और उद्योगों में बढ़त के लिए करते हैं, जबकि छोटे देश किसी दबाव में आकर या सुरक्षा के डर से हथियारों की इस अंधी दौड़ में शामिल हो जाते हैं। यह इसलिए दुनिया का खतरनाक कदम है, क्योंकि यह मानवता को सुरक्षा नहीं, बल्कि असुरक्षा की ओर धकेल रहा है। हथियारों की होड़ अंततः दुनिया में असंतुलन पैदा करती है।

सुनील महला

स्वतंत्र पत्रकार

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की नई रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। यह कोई अच्छी खबर नहीं है। रिपोर्ट बताती है कि कई देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। कहीं सीमा विवाद है, कहीं शक्ति दिखाने की होड़, तो कहीं सुरक्षा का डर। दुनिया में इस समय कई देशों के बीच तनाव तेजी से बढ़ रहा है। आज विभिन्न देश आधुनिक और महंगे हथियार खरीदने में बड़ी रकम लगा रहे हैं। इससे हथियार बनाने वाली कंपनियों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन दुनिया के लिए खतरे भी बढ़ रहे हैं। समस्या यह है कि जितने ज्यादा हथियार जुटाए जाते हैं, उतना ही ज्यादा टकराव या युद्ध की आशंका पैदा होती है।

सरकारों का पैसा रक्षा खरीद में खर्च होने लगता है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक विकास जैसे जरूरी क्षेत्रों पर कम ध्यान जाता है। यानी सुरक्षा के नाम पर खर्च तो बढ़ता है, लेकिन असुरक्षा भी कम नहीं होती। रिपोर्ट हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हथियारों पर बढ़ती निर्भरता वास्तव में शांति लाएगी या दुनिया को और ज्यादा तनाव और खतरे की ओर धकेल देगी। दुनिया की सबसे बड़ी 100 हथियार बनाने वाली कंपनियों ने पिछले साल से लगभग 6% ज्यादा पैसा कमाया है। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि हाल के समय में कई जगह लड़ाइयां और तनाव लगातार बढ़े हैं, जैसे यूक्रेन युद्ध और गाजा संघर्ष। जब कहीं युद्ध होता है या किसी देश को खतरा महसूस होता है, तो वे अपनी सुरक्षा बढ़ाने के लिए ज्यादा हथियार खरीदते हैं। इसी वजह से हथियारों की मांग तेजी से बढ़ गई और कंपनियों की बिक्री भी बढ़ी।

सिपरी की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की 100 सबसे बड़ी रक्षा कंपनियों ने 2024 में कुल 679 अरब डॉलर कमाए, जो यह दिखाता है कि वैश्विक स्तर पर युद्ध और तनाव अब एक भारी-भरकम कारोबार बन चुके हैं। यूक्रेन, गाजा और पूर्वी एशिया में बढ़ते संघर्षों ने हथियारों की मांग को तेजी से बढ़ाया है। इससे युद्धों का व्यावसायीकरण और कॉरपोरेट कंपनियों की भूमिका और मजबूत हो रही है। रिपोर्ट बताती है कि पश्चिम एशिया अब एक नया हथियार उत्पादक क्षेत्र बनकर उभर रहा है, जिससे वैश्विक सैन्य उत्पादन में विविधता आई है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

पाताल भुवनेश्वर

रहस्यमय पाताल लोक की दुनिया

प्रकृति के जितने करीब जाओ, उतना ही वह नए रूप में हमारे सामने आती है। बात उतराखंड की हो, तो इस देवभूमि में अनेक रहस्यमय स्थान है, जिनके दर्शन आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। ऐसा ही एक स्थान कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ जनपद में गंगोलीहाट कस्बे के समीप भुवनेश्वर गांव में है। यह है पाताल भुवनेश्वर गुफा। प्रकृति का एक अनबूझ रहस्य, जिसके लोक में पहुंचकर युगों-युगों का इतिहास एक साथ प्रकट हो जाता है। गुफा के भीतर लगभग उबड़-खाबड़, टेढे-मेढ़े पत्थरों पर पैर टिकाकर 84 सीढ़ियों से होकर गुजरते हुए आप पाताल लोक मे पहुंच जाते हैं। अंदर की अद्भुत दुनिया रोमांचित कर देती है। छोटी बड़ी विभिन्न देवी-देवताओं व पशु पक्षियों के आकार की शिलाएं। एक ऐसा रचना संसार, जिसकी बाहर रहते आपने कभी कल्पना भी नहीं कि होगी। धरती के भीतर बड़ी गुफा, जो कई भागों में बंट जाती है। बीच में मैदानी हिस्से भी फैले हुए हैं। गुफा के रास्ते के दोनों ओर जंजीर लगाई गई है, जिसे पकड़कर यात्री आते-जाते हैं। गुफा में जाने के लिए फीस भी रखी गई है।

दीपक नौगाई
लेखक, हल्द्वानी

भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीन

स्कंद पुराण के 103 वें अध्याय में पाताल भुवनेश्वर गुफा का वर्णन है, जिसमें व्यास जी ने कहा है कि मैं एक ऐसी जगह का वर्णन करता हूं, जिसके पूजन करने के संबंध में तो कहना ही क्या, जिसका स्मरण और स्पर्श मात्र करने से सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। वह सरयू रामगंगा के मध्य पाताल भुवनेश्वर है। वर्ष 2007 से यह गुफा भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीन है। भुवनेश्वर गांव निवासी स्वर्गीय मेजर समीर कोतवाल की स्मृति में गांव से गुफा की ओर जाने वाले मार्ग में बने प्रवेश द्वार को 'समीर द्वार' नाम दिया गया है। मेजर समीर 28 अगस्त 1999 को असम में उग्रवादियों से लड़ते हुए शहीद हुए थे। द्वार के बगल में मेजर की प्रस्तर प्रतिमा भी स्थापित है।

पौराणिक महत्व

कहते हैं कि इस अद्भुत गुफा के दर्शन त्रेतायुग में अयोध्या के राजा ऋतुपूर्ण ने पहली बार किया था। राजा चौपड़ खेलने के बहुत शौकीन थे। उनके मित्र राजा नल भी इस खेल के महारथी थे। पर एक बार वे इस खेल में अपनी पत्नी दमयंती को हार गए। राजा नल इस हार से बहुत शर्मिंदा हुए। वे राजा ऋतुपुर्ण को साथ लेकर हिमालय की यात्रा पर निकल पड़े। एक दिन घने जंगल में उन्हें असाधारण हिरण दिखा। राजा नल ने कहा इस हिरण को जिंदा पकड़ना है। दोनों उसे पकड़ने के लिए उसके पीछे लग गए। हिरण का पीछा करते हुए वे भुवनेश्वर गांव जा पहुंचे। शाम हो गई और हिरण भी कही दिखलाई नहीं दिया। राजा रास्ता भटक गए। रात में उन्हें स्वप्न हुआ और आवाज सुनाई दी- 'तुम क्षेत्रपाल देवता की तपस्या करो, वही तुम्हें रास्ता बताएंगे।' राजा तपस्या करने लगे। कुछ दिनों बाद क्षेत्रपाल ने दर्शन दिए और कहा कि इस स्थान पर एक बड़ी सुरंग है, जहां कई गुफाएं हैं और जहां कण-कण में भगवान शिव निवास करते हैं। क्षेत्रपाल ने राजा को इस दिव्य लोक में पहुंचा दिया।

गुफा में चौपड़ की आकृति

यह भी माना जाता है कि अपने अज्ञातवास में पांडव भी यहां आए थे। उन्होंने कुछ समय इस गुफा में वास किया था। गुफा के भीतर चौपड़ की आकृति भी बनी हुई है। 822 ई. में अपनी दिग्विजय यात्रा के दौरान आदि गुरु शंकराचार्य भी यहां आए। उन्होंने गुफा के अंदर एक जगह पर तांबे का शिवलिंग स्थापित किया। गुफा में जाने वाले श्रद्धालु इस शिवलिंग की पूजा अर्चना करते हैं। भुवनेश्वर गांव से कुछ ही दूर देवदार के घने वन के मध्य स्थित है- पाताल भुवनेश्वर गुफा। गुफा का प्रवेश द्वार लगभग चार फिट लंबा और डेढ फिट चौड़ा है। अत्यंत संकरी, फिसलनदार गुफा में टेढे-मेढ़े पत्थरों की सीढ़ी पर सावधानी से साकंल पकड़कर तीस फिट नीचे उतरना पडता है। एक बार में एक ही व्यक्ति उतर पाता है। उतरते ही नीचे एक बड़े मैदान मे आप खुद को पाते हैं, जहां से तीन ओर को लंबी-लंबी सुरंगें चली जाती हैं। धरती के भीतर एक अनोखी दुनिया, जिसकी आपने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। यहां चट्टानों मे प्राकृतिक कलाकृतियां हैं, जिन्हें पौराणिक कथाओं व मिथकों से जोड़ा गया है।

गाइड बताता है कि आप शेषनाग के शरीर की हड्डियों पर चल रहे हैं और आपके सिर के ऊपर शेषनाग का बना है। सुनते ही रौंगटे खड़े हो जाते हैं। गहराई से देखेंगे तो आप वास्तव में महसूस करेंगे कि कुदरत द्वारा तराशे पत्थरों मे नाग बन फैलाए है। फन के दाएं तरफ ऐरावत हाथी विराजमान हैं। जमीन मे बिल्कुल झुककर भूमि से चंद इंच की दूरी पर चट्टानों में हाथी के तराशे हुए पैरों को देखकर आपको मानना ही पड़ेगा कि आप जो सुन रहे हैं वो सच है।

रोमांचक दृश्य

गुफा में कुछ आगे बढ़ें, तो आप उस जगह पहुंच जाते हैं, जिसके विषय में कहा जाता है कि शिवजी ने गणेश जी का कटा हुआ मस्तक यहीं पर रखा था। गणेशजी के कटे मस्तक शिलारूपी प्रतीक के ठीक ऊपर 108 पंखुड़ियों वाला शवाष्टक दल ब्रहमकमल सुशोभित है। इस ब्रह्मकमल से पानी की बूंदे गणेश जी के मस्तक पर टपकती हैं। मुख्य बूंद आदिगणेश के मुख में गिरती हुई दिखाई देती है। जनमेजय के नाग यज्ञ का हवन कुंड भी गुफा के भीतर है। कहा जाता है कि अपने पिता राजा परीक्षित को श्राप मुक्त करने के लिए जनमेजय ने सारे नाग मारकर हवन कुंड में जला दिए थे, लेकिन तक्षत नामक नाग बच निकला था, जिसने बाद में बदला लेते हुए परीक्षित को डसकर मौत के घाट उतार दिया था। नाग यज्ञ कुंड के ऊपर शिला पर इस नाग का चित्र उभरा हुआ देख सकते हैं।

एक जगह गुफा की छत पर गाय के थन की आकृति नजर आती है। यह कामधेनु गाय का स्तन है। आगे बढ़े तो एक मुड़ी गर्दन वाला गरुड़ एक कुंड के ऊपर बैठा दिखाई देता है। लोकश्रुति है कि शिवजी ने इस कुंड को अपने नागों के पानी पीने के लिए बनाया था। इसकी देखरेख गरुड़ के हाथ में थी, लेकिन जब गरुड़ ने ही इस कुंड से पानी पीने की कोशिश की तो शिवजी ने गुस्से में उसकी गर्दन मोड़ दी और उसे श्राप देकर जड़वत बना दिया।

गुफा में एक स्थान पर शिवजी का मनोकामना कुंड भी है। मान्यता है कि इसके बीच बने छेद से धातु की कोई चीज पार करने पर मनोकामना पूर्ण होती है। उसके साथ कमली बिछी है और उसके नीचे बाघंबर बिछा है। वहीं पर पाताल भैरवी भी है, जो मुंडमाला पहने खड़ी हैं। मान्यता चाहे कुछ भी हो पर एकबारगी गुफा में बनी आकृतियों को देख लेने के बाद उनसे जुड़ी कथाओं पर भरोसा किए बिना नहीं रहा जाता। आश्चर्य यह है कि जमीन के इतने अंदर होने के बावजूद यहां घुटन महसूस नहीं होती अपितु शांति का अनुभव होता है। दूर-दूर से सैलानी इस अद्भुत गुफा को देखने आते हैं। कुछ श्रृद्धा से, कुछ रोमांच के अनुभव के लिए तो कुछ शांति की तलाश में।

लव बर्ड्स

जीत जाएंगे हम तू अगर संग है

कहते हैं कि प्यार की शुरुआत अक्सर सबसे आम पलों में छुपी होती है, लेकिन उसकी गहराई और असर वक्त के साथ हमारे जीवन को बदल देता है। हमारी पहली मुलाकात किसी रोमांटिक जगह पर नहीं, बल्कि एक बहुत साधारण-सी सुबह बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी के गेट पर हुई थी। शैफाली अपनी क्लास के लिए भाग रही थी और मैं (शिव) अपने बीटेक की डिग्री लेने यूनिवर्सिटी पहुंचा था। अचानक भीड़ में शैफाली का बैग थोड़ा उलझा और वह लड़खड़ा गई। मैंने तुरंत हाथ बढ़ाकर उसे संभाल लिया। "आप ठीक हैं?" मैंने पूछा। शैफाली ने हल्की-सी शर्मीली मुस्कान के साथ कहा, "हां, बस दिन की शुरुआत थोड़ी नाटकीय हो गई।" हम दोनों अलग हो गए, पर उस एक पल ने दोनों के दिमाग में एक छोटी-सी जगह बना ली। अगले ही हफ्ते, किस्मत ने फिर करवट ली। शैफाली अपने कॉलेज की तरफ से साइंस प्रोजेक्ट की एक प्रदर्शनी में आई थी और मैं वहां पर एक जज पैनल के रूप में आया था। मैंने उसे देखा और मुस्कुरा दिया। "फिर मिल ही गए," उसने कहा। "लगता है शहर छोटा है या किस्मत बड़ी," शैफाली ने चुटकी ली।

इस बार बातचीत लंबी चली। कला, काम, सपने, यात्राएं दोनों को पता ही नहीं चला कि कब दो अजनबी अपनी दुनिया एक-दूसरे के सामने खोलने लगे। मैं दिल्ली वापस लौट आया, परंतु फोन पर लंबी बातें चलने लगी धीरे-धीरे हम एक-दूसरे की दुनिया में सहज होने लगे। मुलाकातें तो कम होती थीं, परंतु शैफाली का केयरिंग नेचर, मुस्कान और सादापन मुझे उसकी तरफ खींचने लग गया। मैंने शैफाली को आजादी, सपने देखना और खुद पर भरोसा करना सिखाया। कई सालों की फोन पर बात और छोटी-छोटी मुलाकातों के बाद हमने तय किया कि यह कहानी सिर्फ 'मुलाकात' तक सीमित नहीं रहेगी, यह रिश्ता अब साझेदारी, विश्वास और प्यार की नई शुरुआत बनेगी।

प्यार तो हो गया परंतु करियर की उठापटक के बीच मैंने तय नहीं कर पा रहा था कि इसको आगे कैसे मुकाम दिया जाए? एक तरफ करियर को संवारने का समय था और उसी बीच मैं विदेश शिफ्ट हो गया। कभी-कभी तो ऐसा भी लगा की अब ये दूरी इस रिश्ते को यहीं पर ही न रोक दें। अब फोन पर बातें करना बहुत महंगा था, परंतु शैफाली अपने समर्पण के प्रति अपनी ट्यूशन और डांस क्लासेज से कमाए सारे पैसे सिर्फ मुझसे बात करने में खर्च कर देती। बातें कम हो रही थीं मिलना तो बिल्कुल मुश्किल था। विदेश में रहते हुए अकेलेपन में शैफाली की फोन कॉल मुझे लिए रामबाण का काम करती। विदेश की चकाचौंध भी मुझे शैफाली के समर्पण और प्यार से अलग न कर पाई। जब ये प्रेम कहानी शादी की बात तक पहुंची, तो जिंदगी एक नए प्रश्नपत्र के साथ उनके सामने खड़ी थी। घरवालों के सवाल, दोनों परिवारों के विचारों और हैसियत में जमीन आसमान का फर्क और समाज के करोड़ों प्रश्न दोनों के सामने मुंह फैलाए खड़े थे। घरवालों की तरफ से पहले तो पूर्ण मना था, परंतु दोनों ने हार नहीं मानी। दोनों अपनी सीमाओं में रहते हुए अपने-अपने घरवालों को मनाने का पूर्ण प्रयास हर पल करते रहे। ये समय ऐसे गुजर रहा था कि मुझे तो आईएएस बनने की परीक्षा जैसा लग रहा था, परंतु शैफाली बहुत धैर्यवान थी। वो अपने फैसले पर अडिग थी। पूरे दो साल बीत गए तब जाकर घर वाले माने। फिर समाज के लोगों ने भी अड़ंगे लगाए और ये प्रेम की नाव भारी तूफान में हिचकोले लगाते-लगाते किनारे तक आ ही गई, फिर वो घड़ी आई, जिसका हम दोनों को लंबे समय से प्रतीक्षा थी। इस बीच पिछले दो सालों में हम दोनों कभी मिले नहीं, क्योंकि दूरियां लंबी थीं, परंतु दोनों के प्रेम ने ये जंग जीत ली। जब विवाह मंडप पर दोनों ने एक-दूसरे को देखा, तो दोनों की आंखों में सालों की प्रतीक्षा, परिवार और समाज से विजय की चमक और चेहरे पर एक संतोषप्रद मुस्कान थी। उन्हें लगा की अब अंतिम मंजिल पर पहुंच गए, जो एक अगली लंबी यात्रा पर साथ चलने के लिए आगे ले जाएगी। आज भी सालों बाद जब दोनों उस समय को याद करते हैं, तो चेहरे पर एक मुस्कान के साथ ये पंक्तियां बरबस ही मुंह से निकल जाती हैं "जीत जाएंगे हम, तू अगर संग है।" ये पंक्तियां आज भी, उन्हें जीवन के विभिन्न मोड़ों पर आती हुई परीक्षाओं में हौसला देती है। हमारी प्रेम कहानी इस बात को सिद्ध करती है कि यदि प्रेम सच्चा हो और हृदय में धैर्य और एक-दूसरे पर विश्वास हो, तो चाहें कितनी भी बाधाएं आएं आप मंजिल पर पहुंचते अवश्य हैं। कभी-कभार शैफाली बोलती है "हम सच में यहां तक आ गए विश्वास नहीं होता।" मैं हर बार उसका हाथ थाम कर कहता है "जब साथी सही हो और दोनों साथ चलें, तो सफर अपने आप सुंदर हो जाता है।"

-शिवमोहन और शैफाली, कानपुर

जॉब का पहला दिन

शुरू हुआ जीवन का एक नया अध्याय

जीवन के कतिपय अनुभव ऐसी मधुर स्मृतियों में परिणत हो जाते हैं, जो आगे चलकर हमारे व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और पेशेवर पहचान को गहराई से प्रभावित करती हैं। वर्षों के सतत अध्ययन, तैयारी, लंबी प्रतीक्षा और कठिन संघर्ष के बाद जब किसी प्रतिष्ठित महाविद्यालय में नियुक्ति मिलती है, तो मन में एक साथ कई भावनाएं उमड़ती हैं। उत्साह, संकोच, जिम्मेदारी और भविष्य को लेकर एक अनोखी सी आशा आपको चहुंओर से घेर लेती हैं। शाहजहांपुर के एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय में मेरा पहला दिन भी बिल्कुल ऐसा ही था। भावनाओं का सुंदर संगम, नए माहौल का स्पर्श और सीखने के असीमित अवसरों का आरंभ।

यद्यपि सुबह से ही मन में हल्की-सी घबराहट थी, किंतु उस घबराहट पर मेरी उत्सुकता भारी पड़ रही थी। मैंने अलमारी से सलीकेदार औपचारिक पोशाक चुनी, आईने में एक नजर खुद को देखा और मन ही मन कहा, "आज से जीवन का एक नया अध्याय शुरू हो रहा है।"

महाविद्यालय पहुंचने तक मन में कई सवाल थे- कैसा वातावरण होगा? सहकर्मी कैसे होंगे? विद्यार्थी कैसा व्यवहार करेंगे? और सबसे महत्वपूर्ण यह कि क्या मैं अपनी भूमिका को उतनी ही कुशलता से निभा पाऊंगा, जितनी अपेक्षा संस्था मुझसे करती है? इन सब चिंताओं के बावजूद मेरे भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा थी, जो कदमों को आगे बढ़ाते हुए आश्वस्त कर रही थी कि सब कुछ अच्छा होगा।

महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर कदम रखते ही परिसर की साफ-सुथरी हरियाली, बेमिसाल स्वच्छता, भवनों की सादगीपूर्ण भव्यता और विद्यार्थियों की हलचल ने मेरे मन में एक अद्भुत रोमांच एवं आत्मीयता का भाव जगा दिया। ऐसा लग रहा था मानो यह जगह मेरे इंतजार में ही थी। कुछ छात्र बड़ी विनम्रता से मुस्कुराकर मेरा अभिवादन कर चुके थे। यह छोटा-सा व्यवहार मेरे भीतर के तनाव को थोड़ा कम कर गया। प्रशासनिक भवन के अंदर स्टाफ रूम तक पहुंचने पर वहां पहले से उपस्थित शिक्षकों ने बड़े स्नेह से मेरा स्वागत किया। खास बात तो यह थी कि मेरे विभाग में उस समय कोई शिक्षक कार्यरत नहीं था, लिहाजा मुझे नियुक्ति के साथ ही विभाग का विभागाध्यक्ष बनने का सुअवसर प्राप्त हुआ। साथी शिक्षकों से परिचय भी एक आत्मीय संवाद की तरह था। हर कोई अपने अनुभव साझा करने को उत्सुक और मुझे सहज महसूस कराने को तत्पर। वातावरण में न तो औपचारिकता का बोझ था और न ही प्रतिस्पर्धा की कठोरता, था तो बस एक सहयोगी भाव, जो किसी भी नए व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी ताकत होता है।

फिर आया वह क्षण, जिसका सबसे अधिक इंतजार था-पहली कक्षा लेने का। हाथ में चाक और उपस्थिति रजिस्टर लिए जब मैं कक्षा में पहुंचा, तो लगभग अस्सी छात्रों की निगाहें मेरी ओर उठीं। यह क्षण अत्यंत भावुक और चुनौतीपूर्ण था। उनके लिए मैं एक नया शिक्षक था और मेरे लिए वे भविष्य के निर्माण की जिम्मेदारी। मैंने मुस्कुराते हुए अभिवादन किया और छात्रों की आंखों में सम्मान के साथ-साथ उत्सुकता की चमक महसूस की। मैंने अपना संक्षिप्त परिचय दिया और उनसे भी अपने बारे में बताने को कहा। विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाएं सुनकर यह समझ आ गया कि कक्षा में विविध पृष्ठभूमि, अलग-अलग विचार और सीखने की भिन्न गति वाले छात्र मौजूद हैं और इन्हीं के बीच मैं आने वाले दिनों में अपनी शिक्षण-यात्रा को आकार दूंगा।

व्याख्यान के दौरान छात्रों की उत्सुकता, प्रश्न पूछने की सहजता और ध्यान से सुनने का स्वभाव देखकर मन का सारा तनाव समाप्त हो गया। यह अनुभव किसी औपचारिक पाठ्य प्रस्तुति जैसा नहीं, बल्कि एक संवाद जैसा था, जहां ज्ञान का आदान-प्रदान दोनों तरफ से हो रहा था। कक्षा के अंत में जब छात्रों ने तालियों के साथ मेरा स्वागत किया, तो हृदय गर्व और कृतज्ञता से भर उठा। यही वह पल था, जिसने मुझे एहसास दिलाया कि शिक्षक की भूमिका केवल विषय पढ़ाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह छात्रों के जीवन में प्रेरणा, मार्गदर्शन और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी बनती है।

पहली कक्षा के बाद विभाग में लौटते हुए कई शिक्षकों ने उत्सुकता से पूछा- 'पहले दिन का अनुभव कैसा रहा?' उनकी आत्मीयता ने दिन को और भी सुखद बना दिया। चाय की गरमा-गरम चुस्की के साथ जब हम शिक्षण-प्रक्रिया, विभागीय गतिविधियों और छात्रों की संभावनाओं पर बातचीत कर रहे थे, तब महसूस हुआ कि यह महाविद्यालय केवल एक संस्था नहीं, बल्कि एक जीवंत परिवार है, जिसे ज्ञान, सहयोग और सामूहिक प्रयत्नों ने एक सूत्र में बांध रखा है। दोपहर में मुझे प्राचार्य महोदय के साथ बैठक में शामिल होने का अवसर मिला। वहां वार्षिक गतिविधियों की रूपरेखा, अनुसंधान परियोजनाएं, छात्रों के अतिरिक्त विकास की योजनाएँ तथा नई शिक्षण तकनीकों पर चर्चा के साथ ही साथ मुझे कई नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। यह देखकर मन अति प्रसन्न हुआ कि संस्था केवल औपचारिक शिक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति सजग और प्रतिबद्ध है। इस बैठक में मेरा सुझाव भी सुना गया, जिससे मेरा आत्मविश्वास और बढ़ गया।

दिन के अंत में जब मैं परिसर से बाहर निकला, तब पूरे दिन की स्मृतियां मेरे मन में चलचित्र की तरह चल रही थीं। महाविद्यालय का वह पहला दिन आज भी स्मृतियों में उज्जवल है और हमेशा रहेगा, एक प्रेरणा की तरह, एक विश्वास की तरह और एक नए आरंभ की तरह।

– शिशिर शुक्ला, शाहजहांपुर

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,712 .37	26,186 .45
बढ़त	447 .05	152 .70
प्रतिशत में	0 .52	0 .59

सोना 1,32,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,83,500 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, शनिवार, 6 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि . 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000–18000, धनिया 9000–11000, अजवायान 13500–20000, मेथी 6000–8000 सौंफ 9000–13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800–1000, बादाम 780–1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300–400, मखाना 800–1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1–5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000–13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7550–8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000–9000, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800–10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900–8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000–10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4360, बहेड़ी 4320

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती– 3000, मसूरी– 1200, बासमती– 6300, परमल– 1000

दाल दलहन : काला चना– 4200, साबुत चना दाल– 3900, मूंग साबुत– 6600, राजमा– 9400–12000, दाल उड़द– 7000, साबुत मसूर दाल– 4200, मसूर दाल– 3400, उड़द साबुत– 5400, काबुली चना– 9700, अरहर दाल– 10200, लोबिया/करमानी– 2200

महंगाई नरम रही तो रेपो दर भी कम होगी, 0.2% सही स्तर नहीं : मल्होत्रा

आरबीआई के गवर्नर ने कहा - आगे चलकर हम महंगाई में गिरावट की उम्मीद कर रहे हैं

मुंबई, एजेंसी

आगे बढ़ाने पर होगा जोर, जमा दरों में नरमी का अनुमान : गवर्नर

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि जब तक महंगाई नरम रहती है, तब तक नीतिगत रेपो दर कम ही रहेगी। आरबीआई ने शुक्रवार को रेपो दर में 0.25% की कटौती कर इसे 5.25% कर दिया। इस फैसले की घोषणा के बाद आरबीआई मुख्यालय में मल्होत्रा ने उक्त बात कही।

उन्होंने यह नहीं बताया कि रेपो दर कितनी और नीचे जा सकती है, लेकिन कहा कि आरबीआई के महंगाई अनुमान नरम ही दिखा रहे हैं। मल्होत्रा ने कहा कि आगे चलकर हम नरम महंगाई की उम्मीद कर रहे हैं। अगर महंगाई इसी तरह रहती है तो हम उम्मीद करते हैं कि नीतिगत दरें ऊंची नहीं, बल्कि कम ही रहेंगी। आगे आरबीआई पूरी तरह आंकड़ों पर आधारित रहेगा और अगली नीति समीक्षाओं में छह सदस्यीय दर निर्धारण समिति क्या फैसला लेगी, इसके बारे में अभी कुछ कहना अटकलबाजी होगी। हाल में जितनी कम महंगाई (0.2%) दिख रही है, क्या भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए वह सही है, तो मल्होत्रा ने कहा कि निश्चित रूप से नहीं। 0.2% महंगाई का सही स्तर नहीं है। हमारा लक्ष्य चार प्रतिशत है। हम उसी तरह की महंगाई हासिल करने की कोशिश करते हैं। हालांकि गवर्नर ने सलाह दी कि इस बहुत कम महंगाई के आंकड़े को बहुत गंभीरता से न लीजिए, क्योंकि कई कारक इसे प्रभावित करते हैं और इसमें उतार-चढ़ाव या अस्थिरता आ सकती है।

उन्होंने कहा कि ऊंचा तुलनात्मक आधार (पिछले साल ऊंचे खाद्य मूल्य) के कारण महंगाई कम दिख रही है। वृद्धि के बारे में उन्होंने कहा कि 2025-26 की पहली छमाही की तुलना में दूसरी छमाही में नरमी का अनुमान है।

मुंबई। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक का जोर अब इस बात पर होगा कि रेपो दर में कटौती का लाभ बैंकों से कर्ज लेने वालों को मिले। उन्होंने कहा कि आगे जमा दरों में नरमी आने का अनुमान है और लोगों से अपील की कि वे बचत के लिए धन जमा करते समय चालू ब्याज दर के बजाय वास्तविक ब्याज दर को देखें, जो अभी काफी ऊंची है। उन्होंने कहा कि अब हमें मौद्रिक नीति का लाभ आगे पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित करना है। इस साल आरबीआई ने प्रमुख ब्याज दर में कुल 1.25 प्रतिशत की कमी की है। आरबीआई को उम्मीद है कि जमा दरें और नीचे आएंगी। हम उम्मीद करते हैं कि आगे चलकर, खासकर इस कटौती के बाद, जमा दरें कुछ हद तक और कम होंगी। मल्होत्रा ने कहा कि कम महंगाई से जमा करने वाले को वास्तविक लाभ ज्यादा होता है, क्योंकि महंगाई का घटक बहुत कम है। उन्होंने कहा कि जब महंगाई इतनी कम है और आगे भी कम रहेगी, तो भले ही ब्याज दर कम लगे, लेकिन महंगाई के मुकाबले ब्याज दरें काफी ऊंची हैं।

आरबीआई ने मुद्रास्फीति अनुमान घटाकर किया 2%

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को 2 .6 से घटाकर दो प्रतिशत कर दिया है। मुद्रास्फीति के लक्ष्य को लेकर 2016 में लचीली व्यवस्था अपनाये जाने के बाद पहली बार हेडलाइन (खुदरा) मुद्रास्फीति 2025-26 की दूसरी तिमाही में औसतन 1.7 प्रतिशत रही। यह आरबीआई को दिये लक्ष्य के निचले स्तर दो प्रतिशत से भी कम है। आरबीआई को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ मुद्रास्फीति चार प्रतिशत (दो से 6%) रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। यह अक्टूबर 2025 में और भी घटकर केवल 0 .3 प्रतिशत पर आ गई जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि मुद्रास्फीति में अनुमान से अधिक तेजी से गिरावट खाद्य कीमतों में सुधार से आई।

रुपये का लक्षित स्तर या दायरा नहीं

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये के लिए कोई लक्षित स्तर या दायरा नहीं रखता है और घरेलू मुद्रा को खुद ही अपना ' 'सही स्तर' ' खोजने की अनुमति देता है। मल्होत्रा का यह बयान ऐसे समय में आया है जब रुपया इसी हफ्ते अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर को पार कर अपने सबसे निचले भाव पर पहुंच गया। गुरुवार को इसने 90 .43 रुपये प्रति डॉलर का रिकॉर्ड निचला स्तर छुआ था। मल्होत्रा ने कहा कि हम रुपये के लिए मूल्य का कोई स्तर या दायरा नहीं रखते हैं।

शिकायतों के समाधान को चलेगा अभियान

भारतीय रिजर्व बैंक लोकपाल के पास एक महीने से अधिक समय से लंबित सभी शिकायतों के समाधान के लिए जनवरी से दो महीने का अभियान शुरू करेगा। आरबीआई लोकपाल के पास बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त होने के परिणामस्वरूप लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि के साथ यह कदम उठाया गया है। आरबीआई लोकपाल योजना बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों समेत वित्तीय संस्थानों की सेवाओं में कमी से संबंधित शिकायतों का समाधान करने में मदद करती है।

एक लाख करोड़ की प्रतिभूतियों का खरीद

आरबीआई ने बैंकों एवं गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) में पर्याप्त नकदी बनाए रखने के लिए इस महीने खुला बाजार परिचालन (ओएमओ) के तहत एक लाख करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद करने का निर्णय लिया। केंद्रीय बैंक इस माह 5 अरब डॉलर की तीन-वर्षीय डॉलर/रुपया खरीद-बिक्री अदला-बदली करेगा। इनसे 15 दिसंबर को देय अग्रिम कर भुगतान की किस्त के लिए बैंकिंग प्रणाली के व्यय से नकदी संकट कम करने में मदद मिलेगी।

यूपीआई को मंजूरी के लिए आठ अन्य देशों से बातचीत जारी : वित्तीय सेवा सचिव

- **भूटान, सिंगापुर, कतर, मॉरीशस, नेपाल, यूएई, श्रीलंका और फ्रांस में हो रहा उपयोग**

नई दिल्ली, एजेंसी

समस्याओं के लिए एआई समाधान बनाएं कंपनियां

नई दिल्ली। आईटी और आईटी आधारित सेवा (आईटीईएस) कंपनियों को विभिन्न क्षेत्रों की खास समस्याओं के लिए एआई आधारित समाधान बनाने चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस कृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि ऐसा करने से नई नौकरियां पैदा होने की संभावना है। नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्मार्ट गवर्नमेंट (एनआईएसजी) के सम्मेलन में उन्होंने कहा कि लोग सोच सकते हैं कि बड़ी कंप्यूट सुविधाओं की कमी से भारत एआई के बड़े मॉडल बनाने की दौड़ में पीछे रह गया है, लेकिन भारत एआई मॉडल के जरिये आम लोगों की जरूरतों के समाधान बनाकर बढ़त हासिल कर सकता है।

केंद्रीय वित्त सेवा सचिव एम. नागराजू ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपने डिजिटल भुगतान मंच यूपीआई को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य बनाने के लिए आठ देशों के साथ बातचीत कर रहा है। फिलहाल भारत की लोकप्रिय भुगतान प्रणाली यूपीआई को आठ देशों में स्वीकार्य किया गया है। इनमें भूटान, सिंगापुर, कतर, मॉरीशस, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), श्रीलंका और फ्रांस शामिल हैं। इससे भारतीय पर्यटक विदेशों में लेन-देन के लिए यूपीआई का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नागराजू ने कहा कि हम अब यूपीआई लेनदेन को संभव बनाने के लिए सात-आठ देशों से बातचीत कर रहे हैं जिनमें पूर्वी एशिया के कई देश शामिल हैं। उन्होंने बताया कि भारत कुछ देशों के साथ व्यापार वार्ताओं के दौरान यूपीआई को भी शामिल कर रहा है। नागराजू ने कहा कि कुछ देशों के साथ जिन व्यापार वार्ताओं को हम आगे बढ़ा रहे हैं, उनमें यूपीआई का भी एक पहलू रखने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि इस क्षेत्र में गहराई से शामिल वित्तीय-प्रौद्योगिकी उद्योग भी इसमें अपनी भूमिका निभा सके। उन्होंने कहा कि भारत को लागत और पैमाने के स्तर पर बढ़त हासिल है और इस लाभ का उपयोग देश के हित में करना चाहता है।

जीडीपी में सहकारिता की हिस्सेदारी करेंगे तीन गुना

गांधीनगर, एजेंसी

- **शाह ने कहा- निश्चित रणनीति के तहत 50 करोड़ सहकारी सदस्य बनाने का लक्ष्य**
- **गांधीनगर के महात्मा मंदिर सम्मेलन केंद्र में आयोजित अर्थ समिट को किया संबोधित**

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि अपनी 'निश्चित रणनीति' के तहत सरकार का लक्ष्य अगले कुछ वर्षों में देश की जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र के योगदान को तीन गुना करना और 50 करोड़ से ज्यादा सक्रिय सहकारी सदस्य बनाना है।

शाह ने गांधीनगर के ''महात्मा मंदिर'' सम्मेलन केंद्र में आयोजित 'अर्थ समिट' को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने वर्ष 2030 तक वैश्विक जैविक बाजार में भारत का हिस्सा 20 प्रतिशत और वर्ष 2035 तक 40 प्रतिशत तक बढ़ाने का भी लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरे देश में सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करना चाहती है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार बनने के बाद ग्रामीण विकास, खेती, पशुपालन और सहकारिता क्षेत्र को देश के आर्थिक प्रणाली और पूरे विकास के ज़रूरी हिस्सों के तौर पर पहचाना गया। शाह ने कहा कि पूरी तरह से विकसित भारत के दृष्टिकोण में हर नागरिक की भलाई शामिल है, और उस लक्ष्य को पाने के लिए सहकारिता, खेती, पशुपालन और ग्रामीण विकास क्षेत्र पर ध्यान देना ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि एक निश्चित रणनीति के तहत, हमने तय किया है कि कुछ ही साल में हम हर पंचायत में एक सहकारिता संस्था बनाएंगे। हम 50 करोड़ से ज्यादा सक्रिय सहकारी सदस्य बनाएंगे और देश की जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र के योगदान को तीन गुना करेंगे। उन्होंने कहा कि गुजरात में बनास डेयरी ने डेयरी सेक्टर में संसाधनों के अधिकतम इस्तेमाल वाली अर्थव्यवस्था का एक मॉडल बनाया है और वह मॉडल अब पूरे देश में इस्तेमाल के लिए उपलब्ध है।

प्राकृतिक खेती में किसानों के लिए बहुत संभावनाएं

शाह ने कहा कि अब सहकारिता मंत्रालय देश में गन्ना क्षेत्र के लिए भी ऐसा ही मॉडल तैयार करने पर काम कर रहा है। ताजा आंकड़े बताते हैं कि देश में 49 लाख किसान पहले ही प्राकृतिक खेती अपना चुके हैं और किसानों के लिए इसमें बहुत संभावनाएं हैं। शाह ने कहा कि भारत ऑर्गेनिक्स और अमूल के समर्थन से हम अंतरराष्ट्रीय स्तर के हिसाब से किसानों की ज़मीन और उपज के जैविक परीक्षण के लिए प्रयोगशालाओं की एक शृंखला बना रहे हैं। गेहूं और चावल जैसे करीब 40 जैविक उत्पाद पहले से ही ऑनलाइन बेचे जा रहे हैं। हमने एक लक्ष्य रखा है कि 2030 तक भारत का वैश्विक जैविक बाजार में 20 प्रतिशत से ज्यादा और 2035 तक 40 प्रतिशत से ज़्यादा हिस्सा होगा। इस मकसद के लिए हमने दो बहु-राज्य सहकारिता बनाए हैं। उनमें से एक किसानों से जैविक उत्पाद खरीदेगी, जबकि दूसरी उन्हें बेचेगी।

राष्ट्रीय

उपकर वाले विधेयक को लोस ने दी मंजूरी

वित्त मंत्री सीतारमण के पेश किए स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक को ध्वनिमत से दी गई स्वीकृति

नई दिल्ली, एजेंसी

- **वित्त मंत्री ने कहा- शायद ही कोई यह कहेगा कि पान मसाला की कीमत किफायती होनी चाहिए**

लोकसभा ने पान मसाला पर उपकर लगाने के प्रावधान वाले विधेयक को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पर हुई चर्चा का जवाब दिया, जिसके बाद सदन ने विभिन्न संशोधनों को खारिज करते हुए विधेयक को ध्वनिमत से स्वीकृति दी। वित्त मंत्री ने कहा कि यह किसी भी वित्त मंत्री की जिम्मेदारी होती है कि राजस्व बढ़ाया जाए ताकि विभिन्न क्षेत्रों में मांग को पूरा किया जा सके, लेकिन यहां एक सरकार है जिसने कर के दायरे को घटाया है। आयकर की सीमा में भारी छूट दी गई है और 12 लाख तक की आय पर कर देने की जरूरत नहीं है।

सीतारमण ने कहा कि जीएसटी में व्यापक बदलाव किया गया है ताकि चीजें किफायती हों। उनका कहना था कि आयकर की सीमा बढ़ाने से लोगों के हाथ में एक लाख करोड़ रुपये बचे हैं। क्या लोगों की बुनियादी जरूरत की वस्तु पर कर लगा रही हूं, बिल्कुल नहीं। सिर्फ हानिकारक वस्तुओं पर कर लगाया जा रहा है। मुझे लगता है कि शायद ही कोई सदस्य यह कहेगा कि पान मसाला की कीमत किफायती होनी चाहिए।

विधेयक के दायरे में सिर्फ हानिकारक वस्तुएं ही

सीतारमण ने कहा कि यह भी सत्य है कि रक्षा और सड़क निर्माण के लिए पैसे की जरूरत होती है। सीतारमण ने कहा कि बोफोर्स मामले के बाद 30 साल तक तोप की खरीद नहीं की गई और स्थिति यह हुई कि इस अवधि में कई रक्षा मंत्री तो फैसले ही नहीं कर पाए। उन्होंने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय रक्षा साजो-समान की कथित तौर पर खरीद नहीं होने का उल्लेख भी किया। वित्त मंत्री का कहना था कि मैं इस विधेयक के दायरे में आटे को नहीं ला सकती, इसमें सिर्फ हानिकारक वस्तुएं ही लाई जा सकती हैं। उपकर कोई नई व्यवस्था नहीं है। 2014 से पहले चार उपकर का संग्रह था। सीतारमण ने कहा कि क्षतिपूर्ति उपकर के संग्रह से राज्यों का हिस्सा उन्हें भेजा गया है। उनका कहना था कि राजस्व संग्रह कैग की छानबीन के दायरे में आता है।

जीएसटी पर नहीं पड़ेगा विधेयक का असर

सीतारमण ने कहा था कि विधेयक का मकसद अतिरिक्त संसाधन जुटाना है तथा इससे मिलने वाले राजस्व का एक हिस्सा राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। वित्त मंत्री ने सदन में विधेयक को चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए यह भी कहा था कि इस विधेयक का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा तथा पान मसाला के उपभोग पर 40 प्रतिशत की जीएसटी बरकरार रहेगी। स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पान मसाला पर लगाए जाने वाले क्षतिपूर्ति उपकर की जगह लेगा।

पान मसाला का विज्ञापन करने वाले अभिनेताओं के लिया जाए पुरस्कार वापस

पान मसाला और गुटके को बढ़ावा देने के लिए विज्ञापन कर रहे अभिनेताओं को उनके बेहतर अभिनय के लिए मिले पुरस्कार वापस लेने की मांग शुक्रवार को लोकसभा में उठी। निचले सदन में गुजरात में शराबबंदी खत्म करने का मुद्दा भी उठाया गया। पान मसाला पर उपकर लगाने संबंधी स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक 2025 पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के हनुमान बेनीवाल ने कहा कि किसी मामले में कानून बनाने से ज्यादा महत्वपूर्ण उस पर अमल करना होता है। बेनीवाल ने शाहरूख खान, अजय देवगन और सलमान खान जैसे अभिनेताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे अदाकार विज्ञापन के जरिये पान मसाला और गुटकों के सेवन को बढ़ावा देते हैं।

निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर मुस्लिम आरक्षण का लगाया आरोप

नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को कांग्रेस पर 'मुस्लिम आरक्षण' को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया और कहा कि केंद्र सरकार को एक समिति बनाकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के आरक्षण की सुरक्षा करनी चाहिए। उन्होंने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया। निशिकांत दुबे ने कहा कि कांग्रेस का हाथ मुसलमानों के साथ है...उसने मुस्लिम समुदाय को पहले आंध्र प्रदेश में चार प्रतिशत आरक्षण दिया और अब वही तेलंगाना और कर्नाटक में किया। उनका कहना था कि केंद्र सरकार को एक समिति बनाकर आरक्षण बचाना चाहिए। शून्यकाल के दौरान भाजपा के बंटी विवेक साहू ने मध्य प्रदेश में कफ सीरप से बच्चों की मौत का विषय उठाया और कहा कि सरकार को दवाओं के विनिर्माण और परीक्षण के नियमों को सख्त बनाना चाहिए।

गत वर्ष सड़क हादसों में मौत के मामले बढ़कर 1.77 लाख : गडकरी

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को संसद को बताया कि भारत में सड़क दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 2024 में 2 .3 प्रतिशत बढ़कर 1.77 लाख से अधिक हो गई, जिसका अर्थ है कि हर दिन 485 लोगों की मौत सड़क हादसों में हुई। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि फरवरी 2020 में सड़क सुरक्षा पर तीसरे वैश्विक मंत्री स्तरीय सम्मेलन में अपनाए गए 'सड़क सुरक्षा पर स्टॉकहोम घोषणापत्र' में 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और चोटों को 50 प्रतिशत तक कम करने का एक नया वैश्विक लक्ष्य रखा गया है।

रिलायंस की और 1,120 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच के तहत और 1,120 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की हैं। अधिकारियों ने कहा कि रिलायंस समूह की कुल 10,117 करोड़ की संपत्तियां अब तक कुर्क की जा चुकी हैं।

- **ईडी ने कहा- अब तक कुल 10,117 करोड़ की संपत्तियां की जा चुकी हैं कुर्क**

अधिकारियों ने बताया कि मुंबई के बैलार्ड एस्टेट में स्थित रिलायंस अनिल अंबानी समूह के रिलायंस सेंटर समेत 18 संपत्तियों, सावधि जमा और गुपचुप निवेश से जुड़े शेयरों को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अस्थायी रूप से कुर्क किया गया है। उन्होंने कहा कि रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सात अन्य संपत्तियों, रिलायंस पावर लिमिटेड की दो संपत्तियों, रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की नौ संपत्तियों, रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, फी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, आधार प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड और गेमसा इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर सावधि जमा के साथ-साथ रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड और फी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किए गए गुपचुप निवेश को कुर्क कर लिया गया है।

वक्फ पंजीकरण की समयसीमा नहीं बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

- **केंद्रीय मंत्री रीजीजू ने कहा- पंजीकरण का प्रयास करने वाले मुत्तवलियों को दी जाएगी राहत**

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 'उम्मीद' पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाने की संभावना से शुक्रवार को इन्कार करते हुए कहा कि उन मुत्तवलियों (वक्फ का देखभाल करने वाले) को तीन महीने तक जुर्माने और किसी कठोर सजा से राहत दी जाएगी, जो पंजीकरण का प्रयास करते हुए सफल नहीं हो सके।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह तक 1.51 लाख संपत्तियों का पंजीकरण हो चुका था। मंत्री का कहना था कि जो लोग पंजीकरण नहीं कर पाए हैं वो वक्फ न्यायाधिकरण का रुख कर सकते हैं। केंद्र ने सभी वक्फ संपत्तियों की 'जियो-टैगिंग' के बाद एक डिजिटल सूची बनाने के लिए बीते छह जून को एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास (उम्मीद) अधिनियम केंद्रीय पोर्टल शुरू किया था। 'उम्मीद' के प्रावधान के अनुसार, देश भर में सभी पंजीकृत वक्फ संपत्तियों का विवरण अनिवार्य रूप से छह महीने के भीतर अपलोड किया जाना है। पंजीकरण के लिए छह महीने की मियाद शुक्रवार को खत्म हो रही है।

पंजीकरण को दी गई थी छह माह की अवधि

रीजीजू ने कहा कि वक्फ कानून बनाने के बाद हमने उम्मीद पोर्टल शुरू किया था और सभी वक्फ संपत्तियों को पोर्टल पर पंजीकृत करने के लिए संबंधित पक्षों को छह महीने की अवधि दी गई थी। आज आखिरी दिन है और अब भी लाखों संपत्तियों का पंजीकरण नहीं हो सका है। कई सांसदों और सामाजिक संगठनों के लोगों ने पोर्टल की मियाद बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि अब तक उम्मीद पोर्टल पर 1.51 लाख वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण हुआ है। मंत्री ने कहा कि मैं उन भी मुतवल्लियों को आश्वस्त करता हूं कि अगले तीन महीनों तक कोई जुर्माना नहीं लगाएंगे या कोई सख्त कार्रवाई नहीं करेंगे जिन्होंने पंजीकरण की कोशिश की, किसी कारणवश पंजीकरण नहीं हो सका।

कर्नाटक में हिजाब और भगवा शॉल को लेकर फिर विवाद

हावेरी। कर्नाटक के हावेरी जिले के कॉलेज में विद्यार्थियों के कुछ ग्रुप हिजाब और भगवा शॉल के साथ कक्षा में पहुंचे, जिसके कारण कॉलेज परिसर में तनाव उत्पन्न हो गया। अक्की अलूर गांव स्थित सीजी बेल्लाड सरकारी कॉलेज की इस घटना ने कर्नाटक के शैक्षणिक संस्थानों ड्रेस-कोड पर बहस को फिर से सुर्खियों में ला दिया है।

विद्यार्थियों का समूह गुरुवार को ये शिकायत करते हुए भगवा शॉल के साथ कक्षा में पहुंचा था कि वे कॉलेज प्रशासन द्वारा पोषाक के नियमों को लागू करने में कथित विफलता के खिलाफ आवाज उठाना चाहते थे। विद्यार्थियों ने कहा कि उन्होंने बार-बार शिकायत की थी।

मंदिर का पैसा अराध्य का, सहकारी बैंक को बचाने के लिए नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- **कुछ सहकारी बैंकों की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी**

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि किसी मंदिर के अराध्य के धन का उपयोग वित्तीय संकटग्रस्त सहकारी बैंकों को सहारा देने के लिए नहीं किया जा सकता। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह कड़ी टिप्पणियां कुछ सहकारी बैंकों द्वारा दायर अपील पर सुनवाई के दौरान कीं। सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

अपील में केरल हाईकोर्ट के उस निर्देश को चुनौती दी गई थी, जिसमें बैंकों से थिरुनेल्ली मंदिर देवास्वोम को जमा राशि लौटाने को कहा गया था। प्रधान न्यायाधीश ने सवाल किया, आप मंदिर के धन का उपयोग बैंक को बचाने के लिए करना चाहते हैं? यह निर्देश देने में क्या गलत है कि मंदिर का धन, संकट ग्रस्त सहकारी बैंक में रखने के बजाय राष्ट्रीयकृत बैंक में जमा किया जाना चाहिए जो अधिकतम ब्याज दे सके। पीठ ने कहा कि मंदिर का धन अराध्य का है और इसको मंदिर के हितों, संरक्षित के लिए उपयोग किया जाना चाहिए तथा यह किसी सहकारी बैंक के लिए आय या जीवनयापन का स्रोत नहीं बन सकता।

न्यायपालिका में एआई के उपयोग पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग के अनियमित उपयोग को रोकने से संबंधित जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई से शुक्रवार को इन्कार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह न्यायपालिका में एआई और मशीन लर्निंग उपकरणों के दुष्प्रभावों से अवगत है, लेकिन इन मुद्दों का समाधान न्यायिक निर्देशों के बजाय प्रशासनिक स्तर पर अधिक उपयुक्त रूप से किया जा सकता है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अनुपम लाल दास की दलील सुनी, जो याचिकाकर्ता कार्तिकेय रावल की ओर से पेश हुए थे।

कुलपतियों की नियुक्त पर बनाएं सहमति

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केरल में दो विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के चयन को लेकर अगर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन व राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर के बीच सहमति नहीं बन पाती है तो वह समाधान के लिए हस्तक्षेप करेगा। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और पीबी वराले की पीठ एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विवि और डिजिटल विज्ञान नवाचार एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपतियों की नियुक्ति पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने राज्यपाल के अटॉर्नी जनरल आर . वेंकटरमणि और मुख्यमंत्री के अधिवक्ता जयदीप गुप्ता को गतिरोध समाप्त करने को समाधान खोजने का निर्देश दिया।

वर्ल्ड ब्रीफ

एअर एंबुलेंस नहीं पहुंची, अब बीमार जिया कल जाएंगी लंदन

ढाका। गंभीर रूप से बीमार बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की उपचार के वास्ते लंदन रवानगी रविवार तक के लिए टल गई है। कतर की पेशकश वाली 'एअर एंबुलेंस' के यहां नहीं पहुंच पाने के कारण यह देरी हुई है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की 80 वर्षीय प्रमुख जिया को 23 नवंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और वह बृहस्पतिवार देर रात या शुक्रवार तड़के लंदन रवाना होने वाली थीं। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा, 'अगर सब कुछ ठीक रहा तो एअर एम्बुलेंस कल शनिवार पहुंचने की संभावना है। यदि मैडम का मेडिकल बोर्ड इसकी मंजूरी देता है तो इंशाअल्लाह वह रविवार को लंदन के लिए उड़ान भरेंगी।

इजराइल ने थाईलैंड को वायु रक्षा प्रणाली देने की घोषणा की

यरूशलम। इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि वह रॉयल थाई वायु सेना को एक एडवांस्ड वायु रक्षा प्रणाली की आपूर्ति करेगी। बयान में वायु रक्षा प्रणाली की रकम और आपूर्ति की तारीख का कोई उल्लेख नहीं किया गया है लेकिन इजराइली मीडिया की मानें तो यह पूरी डील लगभग 107 मिलियन अमेरिकी डॉलर की है। आईएआई ने बताया कि उसका बराक एमएक्स इंटीग्रेटेड एयर- और मिसाइल-डिफेंस सिस्टम थाईलैंड को पहली मीडियम-रेंज एयर-डिफेंस क्षमता देगा, जो बैलिस्टिक और हवाई दोनों तरह के खतरों से पूरी सुरक्षा देगा। यह प्रणाली थाई एयरस्पेस को ड्रोन, फाइटर जेट, क्रूज मिसाइलों और 150 किलोमीटर तक की रेंज वाली मिसाइलों से बचाएगी।

अमेरिका : पुतिन के करीबी से जुड़ी कंपनी पर 71 लाख डॉलर जुर्माना

वाशिंगटन। अमेरिका के वित्त विभाग ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी उद्योगपति ओलेग देरिपस्का की आलीशान रियल एस्टेट संपत्तियों का प्रबंधन करके पाबंदियों का उल्लंघन करने के आरोप में न्यूयॉर्क में स्थित एक कंपनी पर 71 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया है। वित्त विभाग के विदेशी संपत्तियां नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने कहा कि ग्रेसटाउन इंक नामक संपत्ति प्रबंधन कंपनी को देरिपस्का के स्वामित्व वाली एक कंपनी की ओर से अप्रैल 2018 से मई 2024 के बीच 24 बार भुगतान के जरिए कुल 31,250 अमेरिकी डॉलर की राशि हासिल हुई। ओएफएसी ने कहा कि उसने ग्रेसटाउन को नोटिस जारी कर कहा था कि देरिपस्का के साथ लेनदेन पर प्रतिबंध है, लेकिन कंपनी लेनदेन करती रही।

पाकिस्तान: हिंदू छात्राओं को धमकी पढ़ना है तो इस्लाम धर्म अपनाओ

करांची, एजेंसी

- छात्राओं के अभिभावकों ने लगाया आरोप, सरकार के शिक्षा मंत्री ने दिया जांच का आदेश

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में कुछ हिंदू स्कूली छात्राओं पर पढ़ाई जारी रखने के लिए इस्लाम धर्म अपनाने के लिए दबाव डाला गया और उन्हें स्कूल में कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया। छात्राओं के अभिभावकों की ओर से जताए गए विरोध के बाद मामला मीडिया के जरिए जानकारी में आने पर सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं।

नवंबर के अंत में, सिंध के मिरपुर साक्रो में स्थित सरकारी उच्च विद्यालय की कुछ हिंदू छात्राओं के माता-पिता ने मीडिया को बताया था कि स्कूल की प्रधानाध्यापिका ने हिंदू छात्राओं से कहा था कि वे अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए इस्लाम धर्म अपना लें। माता-पिता ने आरोप लगाया कि हिंदू छात्राओं को कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया और उनके धर्म का मजाक उड़ाया गया। इस आरोप के बाद आक्रोश फैल गया। माता-पिता ने यह दावा भी किया कि इस्लाम धर्म अपनाने या कलमा पढ़ने से इन्कार करने पर कुछ छात्राओं को उनके घर लौटा दिया गया। धार्मिक मामलों के राज्य मंत्री खीसो मल खील दास ने बृहस्पतिवार को संसद के उच्च सदन सीनेट को बताया कि प्रांतीय शिक्षा मंत्री ने इस मामले की जांच का आदेश दिया है।

भारत के लिए नए भविष्य की उम्मीद

अमेरिका के साथ लगातार कटु होते संबंधों और व्यापार तनाव के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान कई प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और संचार के क्षेत्रों में किए गए इन समझौतों का उद्देश्य भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार को सौ बिलियन डॉलर तक ले जाना और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है। भारत ने इन समझौतों के साथ पश्चिमी देशों को अपनी रणनीतिक स्वायत्तता का स्पष्ट संदेश तो दिया ही है, अपने सुदृढ़ भविष्य के लिए एक नया मार्ग भी प्रशस्त किया है। माना जा रहा है कि भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुए एक जटिल संतुलन बनाने की कोशिश की है, इससे अमेरिका से संबंधों पर तो कुछ असर पड़ सकता है, लेकिन भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को इससे मजबूती मिलेगी।

रूस के साथ समझौते

2030 तक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम

भारत-रूस का 2030 तक व्यापार-निवेश का विस्तार के लिए महत्वाकांक्षी कार्यक्रम, लक्ष्य व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना।

भारत के लिए परिणाम

- भारत का लक्ष्य रूस को फार्मास्यूटिकल्स, कृषि उत्पाद और मशीनरी का निर्यात बढ़ाकर व्यापार असंतुलन को कम करना है।
- द्विपक्षीय बस्तियों की प्रणाली विकसित करने से अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम होगी, प्रतिबंधों के प्रभाव से बचा जा सकेगा।
- महत्वपूर्ण खनिजों, उर्वरकों और अन्य आवश्यक वस्तुओं के लिए भारत की आपूर्ति शृंखलाओं में विविधता लाने में मदद मिलेगी।

रक्षा-सैन्य तकनीकी सहयोग

रक्षा संबंधों को नया रूप देने पर सहमति, लॉजिस्टिक सपोर्ट का पारस्परिक आदान-प्रदान भी शामिल।

भारत के लिए परिणाम

- युद्धपोतों, सैन्य विमानों को एक-दूसरे के बंदरगाहों व सैन्य सुविधाओं तक पहुंच, परिचालन पहुंच बढ़ेगी।
- रक्षा उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की सुविधा इससे भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमता मजबूत होगी।
- भारत को सोवियतयुग के सैन्य हार्डवेयर को उन्नत रूसी प्रौद्योगिकी के साथ आधुनिक बनाने में मदद मिलेगी।
- रूस से मजबूत रक्षा संबंध पश्चिमी देशों के दबाव के बाद भी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने में मदद करेंगे।

ऊर्जा भागीदारी, परमाणु सहयोग

भारत को तेल, गैस और कोयले की निर्बाध आपूर्ति का आश्वासन, कुडनकुलम की शेष इकाइयों के निर्माण और नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थलों पर चर्चा में प्रगति।

भारत के लिए परिणाम

- रूस से निरंतर ऊर्जा आपूर्ति भारत की बढ़ती अर्थ व्यवस्था के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करती है।
- परमाणु ऊर्जा सहयोग से भारत को अपने स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में काफी मदद मिलेगी।

कनेक्टिविटी, मोबिलिटी

अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे समेत परिवहन गलियारों में सहयोग।

भारत के लिए परिणाम

- मध्य एशिया और यूरोप के लिए एक छोटा और सस्ता व्यापार मार्ग मिलने से भारतीय निर्यातकों को लाभ।
- ये गलियारे भारत की पहुंच को यूरेशिया तक बढ़ाते हैं, जिससे क्षेत्रीय संपर्क और प्रभाव में वृद्धि होती है।
- भारतीय श्रमिकों, रूसी पर्यटकों की यात्रा को आसान बनाएंगे, सांस्कृतिक-व्यक्तिगत संबंध मजबूत होंगे।

अमेरिका के नजरिए से...

समझौते दर्शाते हैं कि भारत अमेरिकी दबाव के बावजूद रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत ने रूस से ऊर्जा आयात बढ़ाना जारी रखा है और रुपये-रूबल व्यापार तंत्र को परिष्कृत कर रहा है, जो अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने का एक तरीका है।

गांधी की समाधि पर पुतिन नतमस्तक अहिंसा व सच्चाई के लिए किया याद

लिखा- नई, निष्पक्ष और बहुध्रुवीय दुनिया के सिद्धांत का प्रभाव आज भी कायम

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत यात्रा पर आए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को राजघाट जाकर महात्मा गांधी की समाधि पर शीश नवाया और उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके साथ रूसी राष्ट्रपति ने बापू की समाधि की परिक्रमा भी की। उन्होंने भारत की आजादी के सर्वोच्च नायक को अहिंसा और सच्चाई के लिए याद किया और उनकी समाधिक पर पुष्पचक्र चढ़ाने के साथ उनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

पुतिन ने राजघाट पर रखी स्मारिका में रूसी भाषा में लिखा, महात्मा गांधी ने अहिंसा और सच्चाई के जरिए हमारी धरती पर शांति के लिए एक अनमोल योगदान दिया, जिसका प्रभाव आज भी कायम है। उन्होंने लिखा कि महात्मा गांधी ने एक नई, ज्यादा निष्पक्ष और बहुध्रुवीय दुनिया की व्यवस्था का रास्ता दिखाया, जो अब बन रही है। रूस के राष्ट्रपति ने स्मारिका में लिखा, समानता, आपसी सम्मान और सहयोग पर अपनी शिक्षाओं में आज भी भारत दुनिया के लोगों के साथ मिलकर और अंतरराष्ट्रीय मंच पर इन्हीं सिद्धांतों और मूल्यों की रक्षा करता है। उन्होंने यह भी लिखा, रूस भी ऐसा ही करता है।

राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे पुतिन।

राष्ट्रपति भवन में पुतिन का किया गया औपचारिक स्वागत

नई दिल्ली। भारत की यात्रा पर आए रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन का प्रधानमंत्री मोदी के साथ होने वाली शिखर वार्ता से पहले शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पुतिन ने एक-दूसरे का अपने-अपने देश के गणमान्य व्यक्तियों से परिचय कराया। पुतिन ने सलामी गारद का भी निरीक्षण किया। गुरुवार शाम यहां पहुंचे पुतिन का खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पालम हवाई अड्डे पर पहुंचकर गले लगकर स्वागत किया था। हवाईअड्डे से दोनों नेता मोदी के सरकारी आवास तक एक ही कार में गए, जहां निजी रात्रिभोज का आयोजन किया गया था।

रूसी राष्ट्रपति ने मोदी से कहा- मुझे आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद

- अपने भारत दौरे के सकारात्मक नतीजा निकलने की उम्मीद जताई

नई दिल्ली। पुतिन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान उन्हें भारत आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री के साथ बैठक के दौरान पुतिन ने कहा, प्रिय प्रधानमंत्री, प्रिय दोस्तों, सबसे पहले निमंत्रण और कल की बहुत अच्छी शाम के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

यूक्रेन मुद्दे पर शांति के प्रति रूस की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए पुतिन ने विश्वास जताया कि भारत में उनके इस दौरे के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। उन्होंने रूस और भारत के बीच गहरे संबंधों का उल्लेख करते हुए यूक्रेनी मुद्दे को हल करने में मदद के लिए मोदी के प्रयासों की सराहना की। साथ ही शांतिपूर्ण समाधान के संबंध में रूस और अमेरिका की कार्रवाइयों के बारे में भी सूचित करते हुए कूटनीति और बातचीत का उल्लेख किया।

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन की यह पहली भारत यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देश तेजी से जटिल होते भू-राजनीतिक परिदृश्य से गुजर रहे हैं। रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के दबाव में है और भारत रूस के साथ ऐतिहासिक संबंधों को संतुलित करते हुए अमेरिका के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने के लिए काम कर रहा है।

मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ न्यूयॉर्क टाइम्स ने पेंटागन पर ठोका मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी मीडिया हाउस 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने गुरुवार को अमेरिकी रक्षा विभाग के खिलाफ मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंधात्मक नियमों को लेकर मुकदमा दायर किया है। अखबार का आरोप है कि मंत्रालय की यह नीति संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान के प्रथम संशोधन का उल्लंघन करती है। कोलंबिया के जिला न्यायालय में दायर इस मुकदमे में रक्षा विभाग, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता शॉन पार्नेल को प्रतिवादी बनाया गया है।

शिकायत में बताया गया है कि छह अक्टूबर को मंत्रालय ने पेंटागन फैसिलिटी अल्टरनेट क्रेडेंशियल्स पर एक नई नीति जारी की, जिसे पेंटागन बैज या बिल्डिंग पास भी कहा जाता है। यह नीति मंत्रालय के अधिकारियों को असीमित विवेक प्रदान करती है। इसके अंतर्गत वे वैध समाचार संकलन में शामिल पत्रकार की मान्यता को तुरंत निलंबित और अंततः रद्द तक कर सकते हैं। यह नियम पेंटागन परिसर के अंदर और बाहर दोनों जगह पत्रकारिता गतिविधियों पर लागू होता है, या यदि कोई पत्रकार ऐसी जानकारी प्रकाशित करता है जिसे विभाग के अधिकारियों ने मंजूरी नहीं दी है। शिकायत में कहा है, यह नीति पहले संशोधन का उल्लंघन करते हुए पत्रकारों की उस क्षमता को प्रतिबंधित करने का प्रयास करती है जो वे हमेशा करते आए हैं। यानी सरकारी कर्मचारियों से सवाल पूछना या ऐसी खबरों के लिए जानकारी जुटाना जो जनता को सिर्फ आधिकारिक घोषणाओं से परे ले जाएं।

- रक्षा मंत्री हेगसेथ, उनके प्रवक्ता समेत कई को बनाया प्रतिवादी

रक्षा मंत्री पर गोपनीय सैन्य योजना लीक करने का आरोप

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने यमन में हूती विद्रोहियों पर होने वाले सैन्य हमले से संबंधित संवेदनशील योजनाएं अपने निजी फोन से साझा करके अमेरिकी सैनिकों को जोखिम में डाल दिया। पेंटागन के महानिरीक्षक की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में गैरअनुमोदित मैसेजिंग ऐप और उपकरणों के इस्तेमाल को लेकर भी उन पर सवाल उठाए गए हैं। महानिरीक्षक ने पाया कि हेगसेथ के पास 'सिग्नल चैट' नामक मैसेजिंग ऐप में साझा की गई जानकारी को 'डी-क्लासिफाई' यानी गोपनीय श्रेणी से हटाने का अधिकार था। रिपोर्ट में कहा गया है कि हूती विद्रोहियों पर होने वाले हमले का संवेदनशील विवरण जारी करना, पेंटागन के आंतरिक नियमों का उल्लंघन है।

मस्क के सोशल मीडिया मंच एक्स पर 12 करोड़ यूरो जुर्माना

लंदन। यूरोपीय संघ के नियामकों ने शुक्रवार को एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर डिजिटल नियमों का पालन न करने के लिए 12 करोड़ यूरो (लगभग 14 करोड़ डॉलर) का जुर्माना लगाया। यूरोपीय आयोग ने यह निर्णय दो साल पहले ''एक्स'' (पूर्व में ट्विटर) के खिलाफ शुरू की गई जांच के बाद लिया है। यह जांच 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ के डिजिटल सेवा अधिनियम (डीएसए) के तहत की गई थी। डीएसए एक व्यापक कानून है जो सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन मंच से कहता है कि यूरोप के उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए वे ज्यादा जिम्मेदारी लें और अपनी साइट पर आने वाली हानिकारक या गैर-कानूनी सामग्री तथा उत्पादों को तुरंत हटाएं। अगर वे ऐसा नहीं करते तो बहुत भारी जुर्माना लग सकता है।

आयोग ने कहा कि वह सोशल मीडिया मंच एक्स को डीएसए की पारदर्शिता आवश्यकताओं के तीन अलग-अलग उल्लंघनों के कारण दंडित कर रहा है। नियामकों ने कहा कि 'एक्स' के नीले टिक निशान नियमों का उल्लंघन करते हैं क्योंकि उनका भ्रामक डिजाइन उपयोगकर्ताओं को धोखाधड़ी और गलत जानकारी के जोखिम में डाल सकता है।

पराजित देश के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाए जापान: चीन

बीजिंग। चीन ने जापान से द्वितीय विश्व युद्ध में पराजित देश के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने, युद्धोत्तर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती देना बंद करने तथा एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता को नुकसान पहुंचाने से बचने का आग्रह किया।

चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता जियांग बिन ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह टिप्पणी जापानी सरकार की ओर से रक्षा व्यय में वृद्धि को मंजूरी देने और फिलीपींस के साथ जापानी मिसाइल के निर्यात पर बातचीत करने के संदर्भ में की। जियांग बिन ने जापान की आलोचना करते हुए कहा कि हाल के वर्षों में जापान ने बार-बार अपने शांतिवादी संविधान के तहत दी गई प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन ,रक्षा बजट में भारी वृद्धि और घातक हथियारों के निर्यात को बढ़ावा दिया है तथा अपने तीन गैर-परमाणु सिद्धांतों में संशोधन करने का प्रयास किया है। कहा, जापान ने सैन्य विकास पर लगी पाबंदियों को तेजी से ढीला किया है, जिससे वहां सैन्यवाद के फिर उभरने का खतरा पैदा हो गया है।

विश्व कप, ओलंपिक और निवेशक वीजा आवेदनों को प्राथमिकता देगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी

- दुनिया भर में 400 अतिरिक्त कांसुलर अधिकारी तैनात किए

ट्रंप प्रशासन ने दुनिया भर में अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को निर्देश दिया है कि वे उन विदेशियों के वीजा आवेदनों को प्राथमिकता दें जो अमेरिका में निवेश करना चाहते हैं या 2026 विश्व कप, 2028 ओलंपिक और अन्य प्रमुख खेल आयोजनों में भाग लेने आ रहे हैं। अमेरिका ने इसके साथ वीजा आवेदन संभालने के लिए दुनिया भर में 400 से अधिक अतिरिक्त कांसुलर अधिकारी भी तैनात किए हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार, अमेरिका में महत्वपूर्ण निवेश पर विचार कर रहे व्यापारियों और अमेरिकी उत्कृष्टता का प्रदर्शन करने वाले प्रमुख खेल आयोजनों में भाग लेने के लिए यात्रा करने वालों के वीजा आवेदन प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर होंगे। यह कदम अमेरिका में होने वाले बड़े खेल आयोजनों से पहले प्रशंसकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। नए निर्देशों के तहत, विश्व कप के प्रशंसकों के आवेदनों को सभी अन्य बी1/बी2 आवेदनों पर प्राथमिकता दी जाएगी। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया कि वीजा आवेदन संभालने के लिए दुनिया भर में 400 से अधिक अतिरिक्त कांसुलर अधिकारियों को तैनात किया गया है।

ट्रंप प्रशासन ने उच्च कौशल वाले विदेशी श्रमिकों के एच-1बी वीजा आवेदनों पर विचार के लिए नए मानदंड निर्धारित किए हैं। उन आवेदकों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया है जो ऑनलाइन या अन्य माध्यमों से अमेरिकी नागरिकों की सेंसरशिप में शामिल या उसके लिए जिम्मेदार रहे हैं।

अमर्यादित भाषा: आप्रवासियों को कचरा कहने पर घिरे ट्रंप

न्यूयॉर्क। सोमालिया के आप्रवासियों को 'कचरा' कहने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान की काफी आलोचना हो रही है। मिनेसोटा राज्य के डेमोक्रेटिक पार्टी के गवर्नर टिम वाल्ज ने ट्रंप के बयान की निंदा करते हुए इसे भद्दा बताया।

वाल्ज ने बृहस्पतिवार को कहा कि ट्रंप ने मिनेसोटा के सभी निवासियों को बदनाम किया, जहां अमेरिका के दूसरे राज्यों की तुलना में सबसे अधिक सोमालियाई आप्रवासी रहते हैं। उन्होंने कहा कि सोमालियाई आप्रवासियों के प्रति ऐसी नफरत भरी टिप्पणियां पहले कभी किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने नहीं कीं। वाल्ज ने कहा, आज हमारे छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जा रहे हैं, जबकि उनके ही राष्ट्रपति उन्हें कचरा कह रहे हैं। कई बुद्धिजीवियों ने भी ट्रंप की इस टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना की है। एल्बनी में स्थित न्यूयॉर्क स्टेट यूनिवर्सिटी में इतिहास के प्रोफेसर कार्ल बोन टेम्पो ने कहा, उन्होंने रोजमर्रा की बातचीत में इस तरह की भाषा को ज्यादा सामान्य बना दिया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 दिसंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वितीया 6 दिसंबर 21.25 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

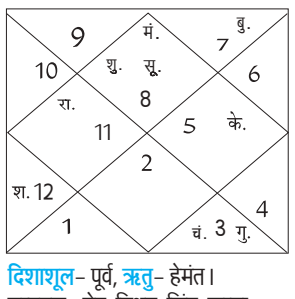

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मृगशिरा 08.48 तक तत्पश्चात आर्द्रा 07 दिसंबर 06.13 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष — आज भूमि-संपत्ति को लेकर महत्वपूर्ण अनुबंध हो सकते हैं। नया ज्ञान अर्जित करने के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। आपके जनसंपर्क का दायरा बढ़ेगा। बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

वृष — आज धन अनावश्यक बर्बाद हो सकता है। किसी बड़े कार्य को लेकर परेशानी दूर होगी। व्यवसाय में जल्दबाजी के कारण नुकसान हो सकता है। आपकी बातों का लोग बुरा मान सकते हैं। मित्रों के साथ आप काफी समय बिताएंगे।

मिथुन — आज आपका पारिवारिक जीवन अत्यंत सुखमय रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने के लिए आप काम से छुट्टी भी ले सकते हैं। मानसिक रूप से सुकून का अनुभव करेंगे। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

कर्क — आज पोषण की कमी के कारण शरीर में थकावट महसूस होगी। प्रेम संबंधों को लेकर मन थोड़ा विचलित रहेगा। ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे आपको बाद में पछताना पड़े। अपने मन की बातें सभी से शेयर न करें। लोग आपका मजाक भी बना सकते हैं।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र की चुनौतियां दूर होंगी। दूर के रिश्तेदारों से मुलाकात होने के योग बन रहे हैं। आप लोगों की सहायता करने को लेकर तत्पर रहेंगे। लोहा और शराब कारोबारियों के लिए दिन विशेष रूप से बहुत ही अच्छा है।

कन्या — आज विरोधी आपके सामने कमजोर पड़ जाएंगे। समाज में आपका प्रभाव बढ़ेगा। आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। दिनचर्या सुव्यवस्थित रहेगी। मन में थोड़ी-बहुत कन्फ्यूजन की स्थिति रहेगी। अपने काम से संतुष्ट नहीं रहेंगे।

तुला — आज कारोबार में आपको बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। घरेलू खर्चों को कम करने की आवश्यकता है। अनावश्यक यात्राएं हो सकती हैं। आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य छूट सकता है। गूढ़ विषयों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — आज आपको किसी योग्य व्यक्ति से परामर्श लेना चाहिए। मन में नकारात्मक विचार और अज्ञात भय व्याप्त हो सकता है। आर्थिक दृष्टिकोण से समय अच्छा नहीं है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है।

धनु — आज आप अपने कार्य की गुणवत्ता पर अत्यधिक ध्यान देंगे। दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन बहुत शानदार रहेगा। अपने निर्णयों को दूसरों पर थोपने से बचें। विवाह योग्य लोगों को उत्तम रिश्ते मिल सकते हैं।

मकर — आज आप अपने करियर को लेकर थोड़े चिंतित रहने वाले हैं। सरकारी नौकरी करने वालों को उत्तम सफलता मिलेगी। विदेश यात्रा की संभावना बन रही है। आप नई तकनीक का प्रयोग सीखने का प्रयास करेंगे।

कुंभ — आज नई परियोजनाओं की शुरुआत कर सकते हैं। उधार दिया हुआ धन वापस मिलने की संभावना बन रही है। पेट में वायु विकार उत्पन्न होने की संभावना है। दोस्तों के साथ आप घूमने जा सकते हैं। अपने भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है।

मीन — आज का दिन आपके लिए शुभ नहीं है। आपके सम्मान को ठेस पहुंच सकती है। काम को लेकर आपको यात्रा करनी पड़ेगी। सोशल मीडिया पर अधिक समय बर्बाद न करें। अजीबोगरीब स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

सुडोकू-182

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1			2				
4								
		5						
1								
		2						
	6				9			
	8						7	

सुडोकू - 181 का हल

1	2	5	3	6	8	4	9	7
8	3	9	1	4	7	2	5	6
4	6	7	9	2	5	8	3	1
3	9	6	2	7	1	5	4	8
5	1	2	8	3	4	7	6	9
7	8	4	5	9	6	3	1	2
2	5	3	6	8	9	1	7	4
9	4	8	7	1	3	6	2	5
6	7	1	4	5	2	9	8	3

उमरान मलिक एक बेहतरीन गेंदबाज हैं। मुझे लगता है कि आईपीएल में छोटे मैदान और अच्छी पिचें होने के कारण आपको तेज गेंदबाज़ी के लिए एक एक्स फैक्टर की ज़रूरत होती है। मुझे लगता है कि वहअच्छा प्रदर्शन करेगा।
-सुनील नारायण

स्टेडियम

हल्द्वानी, शनिवार ,6 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सेंथिलकुमार और अनाहत चैंपियन बने

चेन्नई। राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार ने शुक्रवार को यहां स्क्वाश इंडियन टूर 4 में पुरुष वर्ग का और अनाहत सिंह ने महिला वर्ग का खिताब अपने नाम किया। शीर्ष वरीय और दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी सेंथिलकुमार ने मिस्र के एडम हवाल को 11-7, 11-9, 9-11, 11-4 से हराकर पुरुषों का खिताब जीता। महिलाओं के फाइनल में दिल्ली की अनाहत सिंह (दुनिया की 29वें नंबर की खिलाड़ी) ने अनुभवी हमवतन जोशना चिनप्पा (पूर्व नंबर 10) को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में 11-8, 11-13, 11-13, 11-6, 11-8 से शिकस्त दी।

बेंगलुरु में खेला जाएगा टेनिस का मुकाबला

बेंगलुरु। भारत और नीदरलैंड के बीच सात-आठ फरवरी को होने वाले डेविस कप क्वालीफायर की मेजबानी का अधिकार शुक्रवार को बेंगलुरु को मिला जिसने बोली में दिल्ली को पीछे छोड़ दिया। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने इस साल फरवरी में टोगो की मेजबानी की थी और उसने भी इस अहम मुकाबले को आयोजित करने में दिलचस्पी दिखाई थी। बेंगलुरु ने पिछली बार 2017 में उज्बेकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान टीम 4-1 से जीत गई थी। कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) ने हाल में शहर में बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ की मेजबानी की थी। भारत ने सितंबर में विश्व ग्रुप एक के पहले दौर में स्विट्जरलैंड को हराकर क्वालीफायर चरण में जगह बनाई जबकि नीदरलैंड दूसरे दौर में अर्जेंटीना से इसी अंतर से हार गया था।

आईपीबीएल: मुंबई ने जीत का खाता खोला

नई दिल्ली। मुंबई स्मैशर्स ने कैपिटल वॉरियर्स गुड़गांव को 4-2 से हराकर इंडियन पिकलबॉल लीग (आईपीबीएल) में अपनी पहली जीत के साथ नॉकआउट में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा। दिन के दूसरे मैच में हैदराबाद रॉयल्स ने वापसी करते हुए बेंगलुरु ब्लास्टर्स को 3-3 से बराबरी पर रोक दिया। इस परिणाम से नॉकआउट की तीन दावेदार टीम टाई अंक, मैच अंक और आपसी मुकाबले के परिणाम के मामले में बराबरी पर आ गयी। अंतिम नॉकआउट स्थान के लिए मुंबई, गुड़गांव और बेंगलुरु के बीच तीन टीम का प्ले-इन होगा। शनिवार प्ले-इन मुकाबलों की विजेता टीम चौथे स्थान पर अपनी जगह पक्की कर क्वालीफायर एक में तीसरे स्थान की टीम से भिड़ेगी।

फखर जमां ने आचार संहिता तोड़ी

दुबई : पाकिस्तान के बैटर फखर जमां पर मैच फीस का 10 परसेंट जुर्माना लगाया गया है। उन्हें 29 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ ट्राई-सीरीज फाइनल के दौरान आईसीसी कोड ऑफ़ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने का दोषी पाया गया। जमान को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.8 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जो प्लेयर्स और प्लेयर सपोर्ट स्टाफ के लिए है, जो इंटरनेशनल मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने से जुड़ा है।

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने बनाई 44 रनों की बढ़त

ब्रिस्बेन (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी

एशेज सीरीज : दूसरा दिन

- **इंग्लैंड ने पांच कैच छोड़े, रूट 138 रन बनाकर नाबाद रहे**
- **ऑस्ट्रेलिया के वेदरॉल्ड, लाबुशेन और स्मिथ ने ठोके अर्धशतक**

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड : **334/10** (पहली पारी)
ऑस्ट्रेलिया : **378/6** (पहली पारी जारी)

ऑस्ट्रेलिया ने शीर्ष क्रम के सभी बल्लेबाजों को मिली अच्छी शुरुआत से शुक्रवार को यहां एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन स्टंप तक इंग्लैंड के खिलाफ छह विकेट पर 378 रन बनाकर पहली पारी में 44 रन की बढ़त हासिल कर ली।

इंग्लैंड को खराब गेंदबाजी और कम से कम पांच कैच छूटने से काफी नुकसान हुआ जिससे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज फायदा उठाने में सफल रहे। सलामी बल्लेबाज जेक वेदरल्ड ने ऑस्ट्रेलिया की पारी की तेज शुरुआत कराते हुए 72 गेंद में 78 रन बनाए जबकि मार्नस लाबुशेन (65) ने लगातार दूसरा अर्धशतक पूरा किया और कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने 61 रन बनाए। गाबा की पिच में कुछ असमान उछाल के बावजूद दिन में बल्लेबाजों का दबदबा रहा। एलेक्स कैरी का दो बार कैच छूटा। एक बार जब उन्होंने खाता भी नहीं खोला था और फिर 25 रन पर उनका कैच छूटा जिससे वह स्टंप तक 45 गेंद में 46 रन बनाकर खेल रहे हैं। माइकल नेसर को भी एक जीवनदान मिला जिससे वह 7वें विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी में 15 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। पर्थ में सीरीज का पहला मैच दूसरे ही दिन खत्म हो गया था जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट से जीत हासिल की थी। पर ब्रिस्बेन में यह दिन-रात्रि टेस्ट लंबा चलता दिख रहा है। इंग्लैंड ने दूसरे दिन सुबह नौ विकेट पर 325 रन से आगे खेलना शुरू किया, पर 11वें नंबर के खिलाड़ी जोफ्रा आर्चर के आउट होने से पहले स्कोर में 14 गेंद में नौ रन और जोड़े। रूट ने 135 रन से खेलना शुरू किया पर जब आखिरी विकेट के लिए 70 रन की भागीदारी खत्म हुई तो वह 138 रन बनाकर नाबाद रहे जो ऑस्ट्रेलिया में उनका पहला एशेज शतक है। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत के नायक रहे ट्रेविस हेड ने नौवें ओवर में विकेटकीपर स्मिथ द्वारा आर्चर की गेंद पर तीन रन पर कैच छूटने के बाद 30 रन और जोड़े।

रोहित-कोहली से फिर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ निर्णायक मुकाबला आज दोपहर 1.30 बजे से, गेंदबाजों की होगी कड़ी परीक्षा

विशाखापत्तनम, एजेंसी

भारत विराट कोहली और रोहित शर्मा से फिर से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके शृंखला अपने नाम करने की कोशिश करेगा। भारत के कुछ युवा खिलाड़ी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और ऐसे में उन पर दबाव होगा। दक्षिण अफ्रीका टेस्ट शृंखला जीतने के बाद अब वनडे शृंखला जीतने में भी कसर नहीं छोड़ेगा और ऐसे में भारतीय टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जरूरत है।

भारत अगर इस मैच में जीत हासिल करता है तो पिछले कुछ समय से टीम को लेकर चल रही अटकलें पर भी विराम लग जाएगा। इसके लिए कोहली और रोहित को फिर से अपना महत्वपूर्ण योगदान देना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि इन दोनों का वनडे क्रिकेट में कोई सानी नहीं है और उन्हें इस तरह के दबाव वाले मैच में खेलने का अच्छा अनुभव है। इसलिए भारत की जीत में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। रोहित और कोहली अपनी करियर के अवसान पर हैं और वह इसमें एक और गौरवशाली अध्याय जोड़ने की कोशिश करेंगे। कोहली ने अपनी पिछली तीन पारियों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया है, जबकि रोहित ने अपनी पिछली चार पारियों में एक शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं। उन्हें कुछ युवा बल्लेबाजों का अच्छा सहयोग मिल रहा है जैसा कि पिछले मैच में रुतुराज गायकवाड़ ने अपना योगदान दिया था। उन्होंने अपना पहला वनडे शतक लगाया था। लेकिन यशस्वी जायसवाल को अभी भी इस श्रृंखला में सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी क्षमता का भरपूर प्रदर्शन करना बाकी है। यह प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने के लिए उत्सुक होगा।

जायसवाल को बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ जूझना पड़ रहा है फिर चाहे वह वेस्टइंडीज के जेडन सील्स हों या इस श्रृंखला में मार्को यानसन और नांद्रे बर्गर। वह अपने करियर में 30 बार बाएं हाथ के गेंदबाजों का शिकार बने हैं।

जायसवाल और टीम प्रबंधन इससे अनजान नहीं रह सकते और इसमें सुधार करने का काम शायद पहले ही शुरू हो चुका है। लेकिन अगर वह सुधार नहीं कर पाए तो टीम को अन्य विकल्पों पर विचार करने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। टीम के पास गायकवाड़ के रूप में एक अदद सलामी बल्लेबाज मौजूद है। एसीए-वीडीसीए स्टेडियम की पिच अक्सर बल्लेबाजों के अनुकूल होती है और भारत का यहां शानदार रिकॉर्ड रहा है। उसने यहां 2005 से 10 एकदिवसीय मैचों में से सात में जीत हासिल की है लेकिन यहां खेले गए पिछले मैच में उसे आस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था।

भारत वाशिंगटन सुंदर को विश्राम देकर उनकी जगह तिलक वर्मा को मध्यक्रम की बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए अंतिम एकादश में शामिल करने पर भी गंभीरता से विचार करेगा। ऋषभ पंत भी एक विकल्प हो सकते हैं लेकिन तिलक स्पिन गेंदबाजी भी कर लेते हैं और वह बेहतरीन क्षेत्ररक्षक के भी हैं। कप्तान केएल राहुल ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन इस श्रृंखला में ओस के कारण टॉस की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है। भारत वनडे में पिछले 20 मैच से टॉस नहीं जीत पाया है जिसका खामियाजा उसे रायपुर में दूसरे वनडे में भुगतना पड़ा। भारतीय गेंदबाज भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। अब भारत को उम्मीद होगी कि उनके युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा अच्छा प्रदर्शन करेंगे और प्रभावशाली अर्शदीप सिंह का पूरा साथ देंगे। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका सीरीज जीतने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन वह तेज गेंदबाज बर्गर और बल्लेबाज टोनी डी जॉर्जी की फिटनेस को लेकर चिंतित है। यह देखना होगा कि ये दोनों खिलाड़ी इस मैच के लिए पूरी तरह फिट हो पाते हैं या नहीं।

टीम

भारत : केएल राहुल (कप्तान/विकेट कीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, केशव महाराज, मार्को यान्सेन, एडेन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

टेस्ट में हार के बाद वनडे सीरीज में जीतने की बेताबी : डोएशे

विशाखापत्तनम : सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने शुक्रवार को कहा कि टेस्ट सीरीज में उम्मीद से खराब प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज जीतने के लिए कुछ हद तक 'बेताब' है।

भारत हाल ही में दक्षिण अफ्रीका से से दो मैचों की टेस्ट सीरीज 0-2 से हार गया था और वनडे सीरीजअब 1-1 से बराबर है। डोएशे ने एकदिवसीय सीरीज के निर्णायक तीसरे वनडे की पूर्व संध्या पर कहा, खिलाड़ियों का यह एक बहुत ही अलग समूह है, लेकिन खिलाड़ी अपनी जिम्मेदारी को लेकर पूरी तरह से जागरूक है।

लोकेश राहुल की कप्तानी में भारतीय टीम ने रांची में पहला वनडे 17 रन से जीता लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने रायपुर में चार विकेट की जीत से शानदार वापसी की। डोएशे ने कहा हम हमेशा जीतना चाहते हैं। जब कुछ हार का सिलसिला शुरू हो जाता है और प्रदर्शन हमारी अपेक्षा से कम हो जाता है तो निश्चित तौर पर मुझे लगता है कि यह श्रृंखला के दृष्टिकोण से थोड़ी हताशा है। डोएशे ने हालांकि कि कहा कि इस टीम के खिलाड़ी ऐसे दबाव भरे हालात से निपटने के आदी हो चुके हैं।

मैक्सवेल, रसेल व अश्विन समेत कई बड़े नाम रहेंगे गायब

अबू धाबी, एजेंसी

- **अबू धाबी में आज होगी आईपीएल 2026 की नीलामी**
- **10 फ्रेंचाइजी के 77 स्लॉट भरने के लिए होगी जोरआजमाइस**

1355 क्रिकेट खिलाड़ियों ने कराया रजिस्ट्रेशन

अबू धाबी में 6 दिसंबर को होने वाली आईपीएल 2026 नीलामी में 10 फ्रेंचाइजी 77 स्लॉट भरने के लिए एक-दूसरे को पछाड़ती नजर आएंगी। इसमें 31 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। कुल 1355 क्रिकेट खिलाड़ियों - जिसमें 1,062 भारतीय और 293 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं- ने पहले ही आने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन करा लिया है।

नीलामी में शामिल होने वाले खिलाड़ियों की फाइनल शॉर्टलिस्ट 5 दिसंबर के बाद सभी टीमों की दिलचस्पी जानने के बाद तय की जाएगी। हालांकि, कुछ बड़े नाम आने वाली आईपीएल नीलामी से गायब रहेंगे क्योंकि कई हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों, जिन्हें उनकी संबंधित टीमों ने रिलीज कर दिया था, ने आईपीएल 2026 नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कराने का फैसला किया है। कुछ और जाने-पहचाने चेहरे भी लीग या क्रिकेट से पूरी तरह रिटायरमेंट के कारण भविष्य के आईपीएल सीजन में वापस नहीं आएंगे। यहां उन टॉप क्रिकेटरों की पूरी लिस्ट दी गई है जो आईपीएल 2026 नीलामी का हिस्सा नहीं होंगे। ग्लेन मैक्सवेल ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट स्टार ग्लेन मैक्सवेल ने आईपीएल 2026 नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कराने का फैसला किया है, जिससे फ्रेंचाइजी टी20 क्रिकेट लीग में उनके लगातार 13 सीजन का सिलसिला खत्म हो गया, जो 2012 में दिल्ली कैपिटल्स के साथ शुरू हुआ था।

साल की शुरुआत में आर. अश्विन ने ले लिया था संन्यास

इस साल की शुरुआत में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने के बाद, अश्विन आईपीएल नीलामी का हिस्सा नहीं होंगे। यह ऑफ-स्पिनर पहले सीजन से ही आईपीएल का हिस्सा रहे हैं, जब सीएसके ने उन्हें एक घरेलू खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया था, पर उन्होंने 2009 में डेब्यू किया था। तब से, अश्विन 2017 के सीजन को छोड़कर हर आईपीएल सीजन का हिस्सा रहे हैं- यह वह सीजन था जो उन्होंने पुणे टीम में होने के बावजूद चोट के कारण मिस कर दिया था।

खेल मंत्री ने घुड़सवारी पदक विजेताओं को किया सम्मानित

नई दिल्ली : खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल ही में थाईलैंड में एफईआई एशियाई घुड़सवारी चैंपियनशिप में एक व्यक्तिगत स्वर्ण सहित पांच पदक जीतने वाली भारतीय 'इवेंटिंग' और 'ड्रेसेज' टीमों को सम्मानित किया और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए घोड़ों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने हेतु एक वर्ष के अंदर देश में एक पृथकवास केंद्र स्थापित करने का वादा किया।

पटाया में आयोजित प्रतियोगिता में छह सदस्यीय भारतीय टीम ने भाग लिया था जिसमें से आशीष लिमये ने दो पदक जीते।

सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए शेफाली नामांकित

दुबई, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में 87 रन की तेजतर्रार पारी खेलने और दो महत्वपूर्ण विकेट लेने वाली भारतीय क्रिकेटर शेफाली वर्मा को नवंबर महीने के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के चोटिल हो जाने के कारण शेफाली को भारतीय टीम में जगह मिली थी। उन्हें फाइनल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था और अब वह महिलाओं के पुरस्कार के लिए नामांकित की गई तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। महिला वर्ग का पुरस्कार हासिल करने के लिए उन्हें संयुक्त अरब अमीरात की ईशा ओझा और थाईलैंड की थिपाचा पुथावोंग की चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड के खिलाफ 1-0 की जीत का जश्न मनाते अर्जेंटीना के खिलाड़ी। एजेंसी

जूनियर हॉकी विश्व कप | मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में फ्रांस-जर्मनी का मुकाबला देखने के लिए खिलाड़ियों के परिजन और बड़ी संख्या में दर्शन मौजूद रहे

जर्मनी, स्पेन और अर्जेंटीना सेमीफाइनल में पहुंचे

चेन्नई, एजेंसी

सात बार की चैंपियन जर्मनी ने जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के रोमांचक क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को पिछली उपविजेता फ्रांस को शूटआउट में हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि स्पेन और अर्जेंटीना ने भी अंतिम चार में जगह बना ली। स्पेन ने न्यूजीलैंड को 4-3 से और अर्जेंटीना ने नीदरलैंड को 1-0 से हराया।

दो साल पहले खेले गए फाइनल की यादें ताजा करते हुए जर्मनी ने एक बार फिर जोश से भरी फ्रांस टीम पर अपना दबदबा कायम रखा। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर यह मुकाबला देखने के लिए दोनों यूरोपीय दिग्गज टीमों के खिलाड़ियों के परिजन मौजूद थे जो लगातार हौसलाअफजाई कर रहे थे। निर्धारित समय तक स्कोर 2-2 से बराबर रहने के बाद मैच शूटआउट तक खिंचा। शूटआउट में जर्मनी के लिये जोनास वोन जर्सम, जस्टस वारवेग और लुकास कोसेल ने गोल दागे जबकि फ्रांस के लिये सिर्फ आर्टिस्टाइड मिकालेस ही गोल कर सके। इससे पहले निर्धारित समय में फ्रांस ने आखिरी पांच मिनट बाकी रहते हुगो डोलोउ के फील्ड गोल के दम पर स्कोर 2-2 से बराबर किया। जर्मनी के लिए 30वें मिनट में एलेक वोन श्वेरिन ने पहला गोल दागा लेकिन इसी मिनट जवाबी हमले में फ्रांस के मेलो मार्तिनेश ने पेनल्टी कॉर्नर तब्दील करके स्कोर बराबर कर दिया। ब्रेक के बाद छठे मिनट में जर्मनी के पॉल ग्लांडेर ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके टीम को फिर बढत दिला दी थी लेकिन फ्रांस के डोलोउ ने 55वें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया। इससे पहले बेहद रोमांचक मुकाबले में आखिरी सेकंडों में पेनल्टी कॉर्नर पर ब्रूनो अविला के गोल के दम पर स्पेन ने न्यूजीलैंड को 4-3 से हराया।

क्वार्टर फाइनल में मुकाबला करते जर्मनी (लाल जर्सी) व फ्रांस के खिलाड़ी। एजेंसी

स्पेन ने पहले ही क्वार्टर में तीन गोल करके मैच का रूख एकतरफा करने की कोशिश की लेकिन न्यूजीलैंड ने अगले तीन क्वार्टर में एक एक गोल करके वापसी की और लग रहा था कि मैच शूटआउट तक जाएगा लेकिन स्पेन को आखिरी पलों में निर्णायक पेनल्टी कॉर्नर मिला। स्पेन के लिये निकोलस मुस्तारोस ने दूसरे मिनट में, जोसेफ मार्तिन ने दसवें और अलबर्ट सेराहिमा ने 12वें मिनट में फील्ड गोल किये।

तीसरे क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के लिये कप्तान रूइज तोमाज ने 52वें मिनट में गोल किया। नीदरलैंड को आखिरी मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन गोल नहीं हो सका।

भारतीय हॉकी कोच फुल्टोन के बेटे जैक खेल रहे आयरलैंड से

चेन्नई : भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन के बेटे जैक ने जब अपने पिता की 'कर्मभूमि' पर आयरलैंड के लिए जूनियर विश्व कप में पदार्पण किया तो उनकी हौसलाअफजाई के लिए पिता दर्शक दीर्घा में नहीं थे। इस महीने अपना सत्रहवां जन्मदिन मनाने जा रहे जैक ने मदुरै में कनाडा के खिलाफ आयरलैंड के लिये विश्व कप में पहला मैच खेला जब उनके पिता क्रेग भारतीय पुरुष हॉकी टीम के साथ मलेशिया के इपोह में सुल्तान अजलन शाह कप टूर्नामेंट में व्यस्त थे। चेन्नई में स्विटजरलैंड के खिलाफ क्लासीफिकेशन मैच में मिली जीत के बाद जैक ने कहा मैं इससे पहले एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान यहां आ चुका हूं।

भारत ने आयरलैंड को 4-0 से हराया

सैंटियागो (चिली) : पूर्णिमा यादव के दो गोल की बदौलत भारत ने शुक्रवार को एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप के पूल सी के अपने अंतिम मैच में आयरलैंड को 4-0 से हराया। पूर्णिमा (42वें, 58वें मिनट), कनिका सिवाच (12वें मिनट) और साक्षी राणा (57वें मिनट) ने भारत के लिए गोल किए।

भारत ने मैच की शुरुआत से ही दबदबा बनाना शुरू किया। टीम ने 12 सेकेंड के अंदर ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन उनका प्रयास गोल में नहीं बदला। भारत ने 10वें मिनट में अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन यह मौका भी बेकार चला गया।

साक्षी ने इसके दो मिनट बाद सर्कल के अंदर कनिका को एक बेहतरीन पास दिया, जिन्होंने प्रतिद्वंद्वी टीम की गोलकीपर को कुशलता से चकमा देकर मैच का पहला गोल दाग दिया।